



प्रत्युष नवबिहार

रांची संस्करण

www.tezrafterlive.com
Email-navbiharjh@gmail.com

रांची, पटना और दिल्ली से प्रकाशित

रांची • गुरुवार • 05.09.2024 • वर्ष : 15 • अंक : 47 • पृष्ठ : 12 • आमंत्रण मूल्य : 3 रुपये 2 रुपये

एक नजर

झारखंड कैबिनेट की बैठक कल

रांची : झारखंड मंत्रिपरिषद् की अगली बैठक कल (शुक्रवार) को अपराह्न चार बजे से होगी। इस संबंध में बुधवार को मंत्रिमंडल सचिवालय ने आदेश जारी किया है। मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन की अध्यक्षता में होने वाली कैबिनेट की बैठक में कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए जाने की संभावना है। बैठक शाम चार बजे से प्रोजेक्ट भवन में होगी।

राष्ट्रपति मुर्मू ने

लातूर में विश्वशांति बुद्ध विहार का किया उद्घाटन

लातूर : राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने बुधवार को महाराष्ट्र में लातूर जिले के उदगीर में नवनिर्मित विश्वशांति बुद्ध विहार का उद्घाटन किया। राष्ट्रपति मुर्मू ने विहार में गौतम बुद्ध की प्रतिमा के दर्शन किये तथा बाबा साहेब अंबेडकर की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर नमन किया। पूजा के बाद राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने उपस्थित बौद्ध भिक्षुओं को वीर दान किया। एक बौद्ध भिक्षु ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को गौतम बुद्ध की एक मूर्ति भेंट की। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन ने की। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, केंद्रीय सामाजिक न्याय और अधिकारिता राज्य मंत्री रामदास अढावले, उपमुख्यमंत्री देवेद्र फडनवीस, ग्रामीण विकास और जिला संरक्षण मंत्री गिरीश महाजन, खेल मंत्री संजय बनसोडे, महिला और बाल विकास मंत्री अदिति तटकरे, सर्वश्री विधायक विक्रम काले, रमेश कराड, अभिमन्यु पवार, कलेक्टर वर्षा ठाकुर-धुगे उपस्थित थीं। उदगीर का विहार कर्नाटक के कलबुर्गी के बुद्ध विहार की प्रतिकृति है। इस विहार का निर्माण एक हेक्टेयर क्षेत्र में किया गया है।

त्रिपुरा के दो उग्रवादी गुटों के साथ हुआ शांति समझौता

नयी दिल्ली : त्रिपुरा में तीन दशक से अधिक समय से चल रहे उग्रवादी हिंसा और संघर्ष से निजात पाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण घटनाक्रम के तहत बुधवार को यहां केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह की उपस्थिति में राज्य के दो गुट-नेशनल लिबरेशन फ्रंट ऑफ त्रिपुरा (एनएलएफटी) तथा ऑल त्रिपुरा टाइगर फोर्स (एटीटीएफ) ने शांति समझौते पर हस्ताक्षर किये। गृह मंत्री ने इस समझौते को त्रिपुरा में विकास और शांति के लिए एक महत्वपूर्ण समझौता बताया है और कहा कि यह पूर्वोत्तर के विकास के लिए मोदी सरकार के संकल्प को पूरा करने में मील का पथर है।

दो लाख तक लोन वाले किसानों को मिलेगा झारखंड कृषि ऋण माफी योजना का लाभ : मंत्री

प्रत्युष नवबिहार संवाददाता

रांची : कृषि, पशुपालन और सहकारिता मंत्री दीपिका पांडेय सिंह ने बुधवार को विभागीय अधिकारियों के साथ कृषि और कृषि से संबंधित योजनाओं की समीक्षा बैठक की। इस मौके पर विभागीय अधिकारियों का मनोबल बढ़ाते हुए दीपिका ने कहा कि सभी अधिकारी टीम वर्क के तहत काम करें और काम ऐसा होना चाहिए जिससे सरकारी योजनाओं का फायदा राज्य के अंतिम कृषक तक पहुंच सके। नेपाल हाउस के सभागार में हुई इस बैठक में कृषि निदेशक कुमार ताराचंद ने बताया कि वित्तीय वर्ष



2024 में कृषि निदेशालय से संबंधित योजनाओं का लाभ राज्य के लगभग 4 लाख 12 हजार किसान बंधुओं को दिया गया है और 2 लाख से अधिक किसानों तक योजनाओं का लाभ पहुंचने की उम्मीद है। झारखंड कृषि ऋण माफी योजना अंतर्गत वैसे

किसान जिनकी बकाया राशि रु 2 लाख तक है उन्हें चिन्हित कर लिया गया है तथा उनकी ऋण माफी इसी माह में कर दी जायेगी। झारखंड राज्य मिलेट मिशन के अंतर्गत अभी तक 9722 किसानों का पंजीकरण किया जा चुका है पंजीकरण की प्रक्रिया

अभी चालू है जिसका लाभ राज्य के कृषक उठा सकते हैं। किसान समृद्धि योजना-नर्गत ग्राम सभा द्वारा पारित 4960 आवेदन प्राप्त हो चुके हैं। गौरतलब है कि किसान समृद्धि योजना के अंतर्गत लगभग 6738 सौर ऊर्जा आधारित पंप सेट का वितरण किया जाना है। किरण पासी ने बताया कि वित्तीय वर्ष 202-25 में मत्स्य उत्पादन का लक्ष्य 3.5 लाख मेट्रिक टन रखा गया है तथा अभी तक लगभग 1.1 मेट्रिक टन का उत्पादन किया जा चुका है। अगले 60 दिनों में 7500 मत्स्यजीवियों के मध्य मत्स्य बीज, चारा एवं जाल का वितरण सांसदों के साथ किया जाएगा।

मुख्यमंत्री मंडियां सम्मान योजना कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए मुख्यमंत्री

अब 18 वर्ष की आयु से ही मुख्यमंत्री मंडियां सम्मान योजना का मिलेगा लाभ : हेमन्त

प्रत्युष नवबिहार संवाददाता

रांची : मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने कहा कि अब 18 वर्ष उम्र से ही बहन-बेटियों को 'झारखंड मुख्यमंत्री मंडियां सम्मान योजना' लाभ मिलेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार बहन-बेटियों के उत्थान के लिए समर्पित भाव से काम कर रही है। मुख्यमंत्री ने बुधवार को ट्रेनिंग ग्राउंड, खोजाटोली, नामकोम में आयोजित 'झारखंड मुख्यमंत्री मंडियां सम्मान योजना' के लाभुकों का सम्मान राशि वितरण कार्यक्रम को अपने सम्बोधन कर रहे थे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार ने राज्यवासियों के लिए 200 यूनिट बिजली फ्री कर दिया है। गरीबों का बकाया बिजली बिल भी माफ कर दिया गया है इससे संबंधित आदेश जल्द निर्गत कर दिया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार साल में 12 हजार रूपए देने के लिए 'झारखंड मुख्यमंत्री मंडियां सम्मान योजना' लेकर नहीं आयी है बल्कि आने वाले पांच साल में हम हर घर में एक लाख रूपए की सहायता राशि पहुंचाएंगे। यह सहायता राशि कैसे आपके घरों तक पहुंचेगी वह मेरी जिम्मेदारी है। अब 21 से 50 वर्ष के उम्र की बेटी-बहनों को ही नहीं बल्कि 18 वर्ष से ऊपर उम्र की बेटी-बहनों को भी इस योजना से जोड़ा जाएगा। कार्यक्रम में विधायक कल्पना सोरेन ने कहा कि हेमंत सरकार



मुख्यमंत्री मंडियां सम्मान योजना कार्यक्रम में मौजूद हेमन्त सोरेन व अन्य



की कहानी संघर्षों से भरा रहा है। हेमन्त की ताकत झारखंडी जनता है और झारखंडी जनता से जुड़ाव है। सरकार गठन होते ही पहले महामारी आया फिर ये भाजपा वाले लोग साजिशें करना शुरू कर दिया। इतना ही नहीं झूठे केस में जेल तक भेज दिया। इसका जवाब जनता लोकसभा चुनाव में दे चुकी है। अब जो बचा है, उसका जवाब विधानसभा चुनाव में मिल जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2019 में वर्तमान राज्य सरकार का गठन हुआ और सरकार गठन के बाद से अब तक लगातार हमें कई चुनौतियों का सामना करना पड़ा। सरकार गठन के चंद दिनों बाद ही कोरोना संक्रमण ने देश और दुनिया को जकड़ कर रखा। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस वैश्विक महामारी के समय घरों में ताला लगाकर लोग

अपने आप को घरों के भीतर रहने को मजबूर हुए। हाट-बाजार, नौकरी, रोजगार सब खत्म हो गए। सोने की चिड़िया के नाम से जाना जाने वाला यह राज्य धीरे-धीरे मजदूरों के राज्य के रूप में तब्दील हो चुका था। कोरोना संक्रमण इस राज्य के लिए एक अभिशाप के बराबर था। मुख्यमंत्री ने कहा कि यहाँ के लोगों की समस्याओं का समाधान हो, इसके लिए पंचायत-पंचायत, गांव-गांव, टोला-टोला में 'आपकी योजना-आपकी सरकार, आपके द्वार' कार्यक्रम का आयोजन कर आपकी समस्याओं को जानने का प्रयास किया तथा राज्य सरकार के पदाधिकारी को भेज कर आपके हरेक समस्या एवं परेशानियों का समाधान किया। मुख्यमंत्री ने कहा

कि गांव स्तर पर आपकी समस्याओं से अवगत हुए और आप सभी के उम्मीद और आकांक्षाओं के अनुरूप योजनाएं बनाई गई। मुख्यमंत्री ने उपस्थित महिलाओं से कहा कि राज्य सरकार बहन-बेटियों के उत्थान के लिए समर्पित

भाव से काम कर रही है। अब 21 से 50 वर्ष के उम्र की बेटी-बहनों को ही नहीं बल्कि 18 वर्ष से ऊपर उम्र की बेटी-बहनों को भी इस योजना से जोड़ा जाएगा। बहुत जल्द इस योजना में उम्र की संख्या 21 से घटाकर 18 की जाएगी। मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने कहा कि

- ▶ आने वाले दिनों में प्रत्येक परिवार तक पहुंचाएंगे 1 लाख रुपये की आर्थिक सहायता राशि।
- ▶ सफल और प्रगती रही सर्वजन पेंशन योजना।
- ▶ कोरोना संक्रमण काल में दीदियों की भूमिका महत्वपूर्ण रही।
- ▶ नारी शक्ति के आशीर्वाद एवं विश्वास से मिलती है राज्यहित में कार्य करने की ताकत।
- ▶ बच्चियों का भविष्य संवार रही राज्य सरकार।
- ▶ अगले 5 वर्षों में राज्य के 20 लाख आवास विहीन परिवारों का होगा अपना आशियाना।
- ▶ बड़ी संख्या में हुई नियुक्तियां।

उनकी सरकार ने राज्य की आधी आबादी जिनका उम्र 21 से 50 वर्ष है उन्हें हर वर्ष 12 हजार रुपये देने का निर्णय लिया। आज इस योजना से करीब 50 लाख महिलाएं जुड़ चुकी हैं जिनके खाते में सम्मान राशि जा हस्तांतरित किया गया है। इस मौके

पर सांसद सुखदेव भगत, महुआ माजी, जिगा होरो, विकास सिंह मुंडा, राजेश कच्छप, नेहा शिल्पी तिकी, भूपण तिकी, पूर्व केंद्रीय मंत्री सुबोधकांत सहाय, कांग्रेस अध्यक्ष केशव महतो कमलेश, डीजीपी अनुराग गुप्ता सहित कई लोग उपस्थित थे।

गिरिडीह में एफसीआई संवेदक के टिकानों पर पांच घंटे तक चली सीबीआई की छापेमारी

प्रत्युष नवबिहार संवाददाता

गिरिडीह : सीबीआई ने बुधवार को गिरिडीह जिले में भारतीय खाद्य निगम के संवेदक रामजी पाण्डेय के घर और गोदाम में छापेमारी की। इस दौरान सीबीआई ने घर के सदस्यों को रोक लिए और सरकारी अनाज से संबंधित कागजात खंगाले। टीम सुबह छह बजे संवेदक के शास्त्रीनगर स्थित घर पहुंची। टीम में सात अधिकारी शामिल थे। जानकारी के अनुसार बुधवार की सुबह छह बजे सीबीआई के अधिकारियों ने पीजी गोदाम के अलावा संवेदक के घर शास्त्रीनगर में दबिश दी और करीब पांच घंटों तक छानबीन की।



हालांकि, टीम के अधिकारियों ने इस बाबत कुछ भी बताने से मना किया लेकिन सूत्रों के मुताबिक गरीबों के बीच राशन की दुकानों के जरिये बंटने वाले अनाज से संबंधित कई सारे कागजात टीम ने खंगाले। साथ ही निवेश से जुड़े दस्तावेजों का भी अवलोकन किया। कोरोना काल में लाखों टन अनाज

भारत सरकार ने जरूरतमंदों के बीच विवरण के लिए भेजा था। इसमें करीब 29 सौ क्विंटल से अधिक अनाज पीडीएस केन्द्रों के बजाए ऊपर ही खपा दिया गया, जिसका मूल्य 90 लाख से अधिक आंका गया है। टीम के अधिकारी कई सारे महत्वपूर्ण कागजात अपने साथ ले गये हैं। सीबीआई सूत्रों के मुताबिक पूरा मामला सरिया पीजी गोदाम से जुड़ा माना जा रहा है, जिसमें अनाज की हेराफेरी में डीएसडी व कई अन्य लोग शामिल हैं। यह मामला सीबीआई के जूनल अधिकारी देख रहे थे लेकिन मामला गंभीर होने के कारण अब केन्द्रीय टीम देख रही है।

संतोष कुमार गंगवार
राज्यपाल, झारखण्ड

हेमन्त सोरेन
मुख्यमंत्री, झारखण्ड

शिक्षक दिवस

की हार्दिक शुभकामनाएं एवं जोहार

महान शिक्षाविद्, दार्शनिक एवं पूर्व राष्ट्रपति
डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के जन्मदिन एवं शिक्षक दिवस के अवसर पर शिक्षा की ज्योति से जन-जन को रोशन करने में योगदान दे रहे झारखण्ड के सभी शिक्षकों को

शुभकामनाएं एवं जोहार

सूचना एवं जनसंपर्क विभाग, झारखण्ड सरकार

PR- 334783 (IPRD) 24-25

एक नजर

दनुआ घाटी में चलते ट्रेलर में लगी आग



चौपारण : चौपारण में मौत की घाटी से मशहूर दनुआ घाटी में भिन्न-भिन्न प्रकार की घटनाएं घटती रहती हैं। झारखंड बिहार सीमा स्थित चोरदाहा के दनुआ घाटी में बुधवार को दोपहर 2 बजे के करीब चलती हुई ट्रेलर गाड़ी जिसकी संख्या एचआर 58 डी 5992 में लगी आग। आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट बताया जा रहा है। ट्रेलर गाड़ी राउरकेला (ओडिशा) से लोहा लोड कर बिहार की ओर जा रही थी। वही घटना का सूत्रन मिलने के बाद चौपारण पुलिस की टीम और फायर ब्रिगेड मौके पर पहुंचकर आग को काबू पाया। जलती हुई ट्रेलर गाड़ी के कारण कुछ देर के लिए नेशनल हाइवे वन वे तब्दील किया गया था।

जेबीकेएस समिति के बैनर तले सरयू साव ने की ट्रांसफार्मर की मांग



विष्णुगढ़ : हजारीबाग जिले के विष्णुगढ़ प्रखंड अंतर्गत विभिन्न स्थानों क्रमशः पंचायत चानो के झिनझिरवेड़ा गांव, पंचायत नागी के कूबीटाड टोला में, पंचायत मडमो के नीमबखरी वार्ड 2 में, पंचायत जोबर के बंदखारो मोड में एवं पंचायत गालहोबार के पुरनी के देवाडीह में, ट्रांसफार्मर खराब होने की वजह से ग्रामीण आधुनिक युग में भी अंधेरे में जीने को विवश है। ग्रामीणों की विद्युत ट्रांसफर की समस्या के मध्य नजर प्रखंड उपा प्रमुख सह झारखंडी भाषा खतियान संघर्ष समिति के जिला अध्यक्ष सरयू साव ने अधीक्षण अभियंता हजारीबाग विद्युत विभाग को आवेदन देते हुए अखिल ट्रांसफार्मर उपलब्ध कराने की मांग की है।

वेणुगोपाल से मंत्री इरफान अंसारी व उमाशंकर अकेला ने की मुलाकात



हजारीबाग : भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के महासचिव और संगठन प्रभारी सांसद के. सी. वेणुगोपाल से मंत्री इरफान अंसारी और बरही विधायक उमाशंकर अकेला ने शिवाघार भेंट की। इस महत्वपूर्ण बैठक में झारखंड के लिए कई महम मुद्दों पर चर्चा की गई। बैठक के दौरान के. सी. वेणुगोपाल ने झारखंड के विभिन्न सामाजिक, राजनीतिक और आर्थिक विषयों पर विस्तृत चर्चा की। उन्होंने झारखंड के विकास और कांग्रेस पार्टी के संगठन सशक्तिकरण के लिए अपने विचार साझा किए। वेणुगोपाल ने उमाशंकर अकेला को पूर्ण आत्मविश्वास के साथ जनहित के कार्यों को आगे बढ़ाने की सलाह दी। उन्होंने यह भी कहा कि झारखंड में कांग्रेस संगठन को सशक्त बनाने के लिए निरंतर प्रयास करना चाहिए। विधायक उमाशंकर अकेला ने इस मुलाकात के बाद कहा कि के. सी. वेणुगोपाल से मुलाकात करना उनके लिए अत्यंत प्रेरणादायक था। वेणुगोपाल के मार्गदर्शन ने उन्हें अपने क्षेत्र के विकास के लिए और अधिक मेहनत करने का संकल्प दिलाया। झारखंड की राजनीतिक स्थिति और भविष्य की रणनीति पर चर्चा करते हुए, वेणुगोपाल ने पार्टी कार्यकर्ताओं को एकजुट होकर काम करने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि पार्टी संगठन की मजबूती ही झारखंड में कांग्रेस की सफलता का आधार बनेगी।

आपकी योजना, आपकी सरकार, आपके द्वार कार्यक्रम शिविर का उपायुक्त ने किया निरीक्षण

प्रत्युष नवबिहार संवाददाता

बर्ही : आपकी योजना, आपकी सरकार, आपके द्वार कार्यक्रम के तहत बुधवार को उपायुक्त नैसी सहाय शिविर का निरीक्षण करने के लिए बरही प्रखंड के गौरियाकरमा पंचायत के शिविर का भ्रमण किया। इस दौरान उपायुक्त ने शिविर में शामिल हुए लोगों को आपकी योजना आपकी सरकार आपके द्वार कार्यक्रम के माध्यम से योजनाओं का लाभ लेने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने विशेषकर आवास विहिनों के लिए शुरू की गई अद्युआ आवास योजना को लेकर बताया कि राज्य सरकार वैसे सभी व्यक्ति जिनके पास पक्का मकान नहीं है उनके लिए यह योजना लेकर आई है। उसी प्रकार 10वीं और 12 वीं उत्तीर्ण छात्र जिनकी आर्थिक



स्थिति ठीक नहीं है वे गुरुजी क्रेडिट कार्ड योजना के लिए अपना आवेदन पंचायत स्तरीय शिविरों में जमा कर सकते हैं। स्वरोजगार के लिए मुख्यमंत्री रोजगार सृजन योजना, पशुपालन को बढ़ावा देने के लिए मुख्यमंत्री पशुधन योजना, छात्रों के लिए सावित्रीबाई फुले किशोरी समृद्धि योजना जैसी कई महत्वपूर्ण योजनायें हैं जिनका लाभ लेने के लिए ग्रामीण अपने पंचायत स्तरीय शिविर में आवेदन कर सकते हैं। उपायुक्त ने कहा कि मुख्यमंत्री इईया सम्मान योजना के सभी स्वीकृत लाभुकों को 1000 रुपये की राशी हस्तान्तरित की जा रही है। इस योजना के तहत 2.5

लाभक महिलाओं को लाभ दिए जाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। उन्होंने ग्रामीणों से जमीन संबंधी शिकायतों को राजस्व विभाग के स्टाल में जाकर अपना आवेदन देने को कहा। पंचायत स्तरीय शिविर में विभिन्न योजनाओं के लाभुकों के बीच परिपंक्ति का वितरण किया गया। उपायुक्त, विधायक प्रतिनिधि छट्टू गोप, बोडीओ क्रिस्टिना रिचा इंदवार, सीओ रामनारायण खलखो एवं स्थानीय जनप्रतिनिधि द्वारा लाभुकों के बीच परिपंक्ति का वितरण किया गया। कल्याण मंच से अद्युआ आवास योजना का स्वीकृत पत्र, सावित्री बाई फुले किशोरी समृद्धि योजना, साईकिल वितरण, जाति, आवासीय प्रमाण पत्र, मनरेगा जांब कार्ड, आदि का वितरण किया

गया। इस दौरान 73 छात्र छात्राओं के बीच साईकिल का वितरण भी किया गया। उपायुक्त द्वारा पंचायत स्तरीय शिविर में लगे विभिन्न विभागों के स्टाल का निरीक्षण किया गया। इस दौरान उन्होंने ग्रामीणों से संवाद स्थापित कर उन्हें योजनाओं की जानकारी दी तथा उनकी समस्याओं को सुनते हुए उचित कार्रवाई को लेकर मौके पर मौजूद प्रखंड के पदाधिकारियों को निर्देशित किया। उन्होंने कहा कि ऐसे कार्यक्रम के माध्यम से लोगों को योजनाओं की जानकारी और लाभ देना उद्देश्य है। सभी स्टॉल पर मौजूद विभागीय पदाधिकारी और कर्मा को ग्रामीणों से अच्छा व्यवहार रखते हुए आवेदन भरने में कोई कटिनाई आती हो तो गाइड करने के निर्देश दिया।

पुलिस ने हजार किलो अवैध महुआ सहित 300 लीटर जावा महुआ को किया नष्ट



प्रत्युष नवबिहार संवाददाता

चौपारण : चौपारण थाना प्रभारी दीपक कुमार सिंह की लगातार कार्रवाई से अवैध शराब कारोबारी सदमे में है। एक तरफ थाना प्रभारी किसी भी हाल में अवैध कारोबार को चलने नहीं दे रहे हैं। दूसरी तरफ अवैध कारोबारियों के बीच हड़कंप मचा हुआ है। बुधवार को प्रखंड मुख्यालय से करीब 30 किमी दूर भगहर में अवैध एक हजार किलो महुआ एवं 300 लीटर जावा महुआ को विनष्ट किया गया। थाना प्रभारी के द्वारा लगातार

अवैध कारोबार पर प्रहार किया जा रहा है। सूत्रों का कहना है कि भगहर में रोजाना हजारों लीटर शराब बनाई जा रही है। कुछ लोगों का मानना है कि भगहर में बड़े पैमाने पर यह काला कारोबार हो रहा है। पहले भी दर्जनों बार भगहर में हुई छापेमारी। गौरतलब है कि पुलिस और उत्पाद विभाग द्वारा दर्जनों बार भगहर में अवैध शराब के कारोबार के खिलाफ कार्रवाई कि गई। परंतु जंगली इलाका एवं प्रखंड मुख्यालय से काफी दूरी होने के कारण कारोबारी फिर से पनप जाते हैं।

प्रशासन में बैठे लोग जनता का नहीं सरकार का काम करते हैं : लोकनाथ महतो

प्रत्युष नवबिहार संवाददाता

बड़कागांव : भारतीय जनता पार्टी बड़कागांव प्रखंड के कार्यकर्ताओं की चारों मंडल संयुक्त कार्यसमिति की बैठक सांड पंचायत भवन में हुई। जिसमें बड़कागांव पूर्वी उरीमारी मंडल, पश्चिमी मंडल, केरेडारी मंडल एवं पिपरवार मंडल के सैकड़ों कार्यकर्ता शामिल हुए। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष विवेकानंद सिंह एवं संचालन मंडल अध्यक्ष खेमलाल महतो एवं आदित्य साहू सोनी ने संयुक्त रूप से किया। कार्यक्रम का शुभारंभ पंडित दीनदयाल उपाध्याय एवं रयामा प्रसाद मुखर्जी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर किया गया। बैठक में उपस्थित कार्यकर्ताओं से आने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर रायसुमारी की गई। इसमें कार्यकर्ताओं ने विधानसभा चुनाव में बड़कागांव सीट भाजपा को दिए



जाने की मांग की। साथ ही साथ उमीदवार की भी घोषणा अतिशोष की जाए ताकि कार्यकर्ता पूरी तैयारी के साथ उमीदवार को भारी मतों से जीत निश्चित करा सके। उपस्थित कार्यकर्ताओं ने एक स्वर में कहा कि गठबंधन हो लेकिन बड़कागांव सीट भाजपा के खाते में डाला जाए तो जीत लगभग निश्चित है। इस पर जिला अध्यक्ष विवेकानंद सिंह ने विचार रखते हुए कहा कि हमने प्रदेश नेतृत्व को कड़े शब्दों में बड़कागांव सिट भाजपा के उमीदवार दिए जाने की मांग की है, बड़कागांव विधानसभा भाजपा का

रहा है हम लोग प्रयास कर रहे हैं फिर भी प्रदेश एवं राष्ट्रीय नेतृत्व का जो भी निर्णय होगा वह हम सभी कार्यकर्ताओं को गठबंधन धर्म पालन करते हुए झारखंड में भाजपा एनडीए गठबंधन की सरकार बनानी है और वर्तमान में भ्रष्टाचार में लिप्त सरकार को बाहर का रस्ता दिखाना है। भाजपा सभी जगहों पर बैठक कर लोगों से रायसुमारी करके घोषणा पत्र बना रही है जिसे सभी घोषणा को सरकार बनते ही पुरा किया जाएगा। पूर्व विधायक लोकनाथ महतो ने कहा कि झारखंड में भ्रष्टाचार चरम सीमा पर पहुंच गया।

गांव का विकास ही लोकतंत्र की मजबूती है : डॉ अमित सिन्हा

प्रत्युष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : कटकमदाग के दौर पर पहुंचे डॉ. अमित सिन्हा ने स्थानीय गांव रेशाम के निवासियों से मुलाकात की और वहां के सांस्कृतिक वातावरण और गर्मजोशी का आभार व्यक्त किया। अपने जनसंपर्क अभियान के दौरान डॉ. सिन्हा ने गांव की खुशबू और लोगों के प्यार को शब्दों में व्यक्त करना कठिन बताया। डॉ. सिन्हा ने अपने संबोधन में कहा कि गांव का विकास ही लोकतंत्र की मजबूती है। वह उनका मानना है कि एक मजबूत और समृद्ध गांव लोकतंत्र की नींव को मजबूत करता है और समाज के विभिन्न पहलुओं को सशक्त बनाता है। उन्होंने यह भी कहा कि स्थानीय समस्याओं और जरूरतों को प्राथमिकता देना उनका मुख्य उद्देश्य है। डॉ. सिन्हा ने कहा कि कटकमदाग के लोगों से मिलकर उन्हें विशेष प्रकार



की सांस्कृतिक भावना और सामुदायिक एकता का अनुभव हुआ, जो उनके लिए अत्यंत प्रेरणादायक था। उन्होंने लोगों के समर्थन को अपने लिए एक बड़ी जिम्मेदारी माना और आभार व्यक्त किया कि वह अपने क्षेत्र और समाज को नई ऊँचाइयों पर पहुंचाने के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध हैं। डॉ. सिन्हा ने अपनी बात में ग्रामीण विकास पर जोर देते हुए कहा कि यह न केवल समाज की बेहतरी के लिए आवश्यक है, बल्कि लोकतंत्र की मजबूती के लिए भी अत्यंत महत्वपूर्ण

हत्या के मामले में पति समेत तीन नामजद को पुलिस ने किया गिरफ्तार



प्रत्युष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : हत्या के मामले में नामजद अभियुक्तों में पति सहित तीन लोग को पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। मामले के बावत वादिनी कुसुम देवी पति केदार राणा सा.० इन्द्राडीहा विंगलार थाना+जिला कोडरमा के लिखित आवेदन के आधार पर गोरहर थाना काण्ड संख्या 33/24 दिनांक 06.08.24 धारा- 80/3(5) इटर में प्राथमिकी पांच नाम अभियुक्तों के विरुद्ध काण्ड दर्ज किया गया था। अभियुक्तों द्वारा मृतका संगीता देवी

पति संदु कुमार सिंह उम्र 24 वर्ष पे.० राजेन्द्र सिंह ग्राम लगनगंठी थाना गोरहर जिला हजारीबाग, को रड से मारकर हत्या कर दिया गया था मामले की गंभीरता को देखते हुए पु.०नि० बरकट्टा अंचल इमवाद अंसारी के नेतृत्व में एस०आई०टी० टीम का गठन किया गया था। एस०आई०टी० टीम द्वारा तत्परता पूर्वक कार्य करते हुए कल दिनांक 03.04.24 को (1) संदु कुमार सिंह (2) रंजीत कुमार राय (3) मो० सदान अंसारी गिरफ्तार किया गया।

फेयर प्राइस शॉप डीलर संघ ने की बैठक, अपनी मांगों को लेकर सरकार से विचार करने की लगाई गुहार

प्रत्युष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : फेयर प्राइस शॉप डीलर एसोसिएशन हजारीबाग की आवश्यक बैठक डीपुगढा वार्ड न पाँच वार्ड विकास केंद्र मुकवधोर स्कूल के सामने की गयी अध्यक्षता जिला अध्यक्ष नंदु प्रसाद ने संचालन जिला महासचिव सुनिल कु सिहां ने किया इस बैठक में जिला एसोसिएशन के सभी पदाधिकारी 16 प्रखंड के अध्यक्ष, सचिव ने भाग लिया। बैठक में एक स्वर से सभी जन वितरण प्रणाली विक्रेताओं कहा कि सरकार अगर हमारी मांगों पर विचार नहीं करती है तो 10 सितंबर 2024 के बाद प्रेस कमिटी के आदेशानुसार कर्मा भी दुकानों में अनिश्चकालीन के ताला बंद कर देगे। चुकि सरकार



विभागीय सचिव अमिताभ कौशल एवं अन्य विभागीय पदाधिकारियों के साथ 30जुलाई 24 को एसोसिएशन के पदाधिकारियों के साथ वार्ता हुई थी। जिसमें पूर्व नियमों के अनुसार अनुसूचित जाति मजदूरों को 2जी से 4जी करना। दुकानों को ऑनलाईन कर दिया गया इसे पेपर लेस कर दिया जाय।

सरकार द्वारा दिया गया भारमापक यंत्र का नवीकरण शुल्क का धुतान विभाग द्वारा किया जाये। इन सब मुद्दों पर वार्ता हुई थी और उनहोंने 15 अगस्त 2024के अंदर लागू करने का आश्वासन दिया था लेकिन अभितक लागू नहीं हुआ डीलरों का दो महिना अप्रैल मयी

का कमिशन दिया भी तो आधा अथुरा 94.50 पैसा राज्य का हिस्सा दिया है। केन्द्र का 55.50 पैसा नहीं दिया है। इन सब सरकार के वादाखिलाफी के खिलाफ झारखंड के 25000 पचीस हजार डीलर 10सितंबर के बाद अपने अपने दुकानों में ताला बंदी कर देंगे जिसकी सुचना राज्य सरकार को पत्र माध्यम दे दिया गया है बैठक में टेकोचंद महतो सुकुल रजक अर्चना सिंहा चंदन कुमार श्याम सुंदर पांडे सत्येन्द्र गुप्ता कुवर साव शम्भु नाथ पांडे नंदलाल तिवारी मो एकराम केदार यादव सुखदेव साव खुशिनंद कुमोद कु दास सुनिल आनंद सुरेन पासवान नई रामेशंकर राम राहुल गुप्ता सहित अन्य डीलरों ने भाग लिया।

संक्षिप्त खबरें

अनुप्रिया ने किया मंडई खुर्द का दौरा, कहा- सामूहिक प्रयास से हर सनस्या का समाधान संभव



हजारीबाग : अनुप्रिया फाउंडेशन की संस्थापिका अनुप्रिया ने मंडईखुर्द का दौरा किया। जहां पहुंचकर लोगों के साथ चर्चा कर उनकी मूलभूत समस्याओं को जाना और सभी के साथ सामंजस्य बनाकर उपरोक्त समस्याओं का त्वरित समाधान करने का विरवास दिलाया। लोगों ने बताया कि उनके बीच निगम के द्वारा कचड़ा डंप का परिया मंडई खुर्द में बनाया गया है, रोजगार, बिजली, स्वच्छ पेयजल एवं सड़क के साथ साथ-साथ नशा का व्यापक समस्या है, उक्त समस्याओं का अगर निवारण हो जाए तो उनका जीवन स्तर बेहतर हो सकता है। अनुप्रिया ने सभी को प्रोत्साहित करते हुए अनुप्रिया फाउंडेशन से जुड़ने की सलाह दी और बताया कि जितनी अधिक संख्या में लोग फाउंडेशन से जुड़ेंगे, उतने ही तेजी से समस्याओं का समाधान भी संभव होगा। क्षेत्र की जनता को रोजगार से जोड़ना, स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराना स्वयं सहायता समूह की महिलाओं को आर्थिक अनुदान दिलाना, बिजली एवं सड़कों की उतम व्यवस्था आदि हमारे फाउंडेशन की प्राथमिकता में है। अनुप्रिया फाउंडेशन के भावना में हजारीबाग के प्रति गहरा प्रेम, अटूट आस्था एवं हजारीबाग की हालात बदलने का जज्बा है। आपका साथ और विश्वास अनुप्रिया फाउंडेशन के माध्यम से हजारीबाग की तस्वीर बदल सकती है। अनुप्रिया फाउंडेशन के होते हुए अब हजारीबाग को हार मानने की जरूरत नहीं बल्कि हर हालत से लड़ने के लिए खुद को तैयार रखना है। मंडईखुर्द के ग्रामीणों ने भी अनुप्रिया का गर्म जोशी से स्वागत अभिनंदन किया और उनके नेक विचार और सफल प्रयासों के लिए उन्हें खूब सराहा। मौके पर अर्जुन यादव, शंकर राणा, मोहन महतो, प्रदीप सोनी, शुक्र यादव, गुडिया कुमारी, गीताजलि भारती, मधु देवी, सरस्वती कुमारी, लवली राणा सहित सैकड़ों लोग शामिल थे।

झारखंड आयुष मेडिकल एसोसिएशन का हुआ गठन, प्रदेश अध्यक्ष बने डॉ आनन्द शाही

हजारीबाग : झारखंड आयुष मेडिकल एसोसिएशन का गठन हुआ जिसमें पूरे झारखंड के आयुष सामुदायिक स्वास्थ्य पदाधिकारी के बीच सर्व सहमति से निर्णय लेते हुए डॉ आनन्द शाही को प्रदेश अध्यक्ष बनाया गया। डॉ डी एन तिवारी को संयोजक, डॉक्टर जितेंद्र कुमार यादव को प्रदेश महासचिव, डॉ सुधीर कुमार को कार्यकारी अध्यक्ष, डॉ बिरेन्द्र मंडल को सचिव, डॉ



भारत दुबे को कोषाध्यक्ष, डॉ मृत्युंजय कुमार एवं डॉ एन एन बाला जी को प्रवक्ता, प्रदेश मीडिया प्रभारी डॉ प्रियांशी शर्मा को मनोनीत किया गया। संगठन का मुख्य उद्देश्य यह है की आयुष सामुदायिक स्वास्थ्य पदाधिकारी पूरे राज्य में गांव गांव के सुदूर क्षेत्र में गरीब जनता के बीच चिकित्सा सुविधा मुहैया करा रहे हैं जनता जनार्दन की सेवा कर रहे हैं लेकिन आयुष सामुदायिक स्वास्थ्य चिकित्सा पदाधिकारी को जो सरकार के द्वारा पूर्ण रूप से सुविधा मिलना चाहिए वह चिकित्सकों को नहीं मिल पा रहा है वैसे में संगठन के द्वारा सरकार तक अपनी बात पहुंचे, यही संगठन का मुख्य उद्देश्य है। संगठन ने सभी आयुष सामुदायिक स्वास्थ्य चिकित्सा पदाधिकारियों की मूलभूत समस्या को लेकर माननीय मुख्यमंत्री झारखंड, स्वास्थ्य मंत्री झारखंड, प्रधान स्वास्थ्य सचिव झारखंड एवं माननीय निदेशक आयुष झारखंड को निम्नलिखित बिंदुओं को लेकर ध्यानाकर्षण करते हुए मांग पत्र सौंपा।

एनएनएल द्वारा संचालित एनटीपीसी खनन एवं औद्योगिक प्रशिक्षण केन्द्र हुआ प्रारंभ



बड़कागांव : एनएमएल पकरी बरवाडीह द्वारा संचालित एनटीपीसी खनन एवं औद्योगिक प्रशिक्षण केन्द्र में पत्र सत्र का आरंभ हुआ। इस मौके पर सभी नए विद्यार्थियों का स्वागत एवं अभिनंदन संस्थान की ओर से किया गया साथ ही अभिभावकों के साथ चर्चा की गई। पकरी बरवाडीह कोयला खनन परियोजना द्वारा संचालित यह औद्योगिक एवं प्रशिक्षण केन्द्र आस पास के गांव के बच्चों को बेहतर प्रशिक्षण और रोजगार के अवसर प्रदान करने के लिए पिछले कुछ सालों से जाना जाता रहा है और आज इस क्रम में नए बच्चों को प्रशिक्षण देकर उन्हें रोजगार से जोड़ने की एक नई शुरुआत की गई है। नवीनतम सत्र 24/25-26 के 65 नए विद्यार्थी एवं द्वितीय वर्ष में प्रवेश करने वाले 40 प्रशिक्षु विद्यार्थी इस मौके पर उपस्थित रहे जिनका सत्र प्रारंभ के मौके पर स्वागत किया गया। इन 65 नए विद्यार्थियों का चयन खनन एवं औद्योगिक प्रशिक्षण केन्द्र की विभिन्न कोर्सेस में हुआ है वे सभी परियोजना प्रभावित गांव के बच्चे हैं जो एक नई उम्मीद और आशा की किरण लिए इस संस्थान में दाखिला करवाए हैं। दाखिले के पश्चात इन युवकों को इलेक्ट्रीशियन, फिटर एवं वेल्डर संकाय में प्रशिक्षण दिया जाएगा जिससे वे हुनरमंद होकर आगे रोजगार कर पाए। स्वागत समारोह कार्यक्रम में पकरी बरवाडीह सीएसआर विभाग के उप महाबंधक एसके सेनापति ने सभी नए प्रशिक्षुओं का स्वागत करते हुए उन्हें उपहार स्वरूप डायरी भेंट किया।

उरीमारी दुर्गा पूजा पंडाल निर्माण को लेकर भूमि पूजन संपन्न

बड़कागांव : बड़कागांव प्रखंड के उरीमारी पंचायत अंतर्गत हेसाबेड़ा स्थित दुर्गा मंडप में पूजा पंडाल निर्माण को लेकर भूमि पूजन एवं ध्वज रोपण किया गया। पुरोहित पुरुषोत्तम पांडे ने पूरी विधि विधान से पूजा अर्चना कराई। पूजा अर्चना में मुख्य रूप से उरीमारी परियोजना पदाधिकारी दिलीप कुमार और राकामयू बरका सयाल क्षेत्रीय सचिव राजू यादव मुख्य रूप से उपस्थित थे। मौके पर राजू यादव ने कहा कि प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी यहां पर काफी धूमधाम से दुर्गा पूजा मनाया जाएगा। यह शुभ कार्य सभी के सहयोग से संपन्न होगा। श्री यादव ने इस शुभ कार्य को लेकर सभी से बढ-चढकर सहयोग करने की अपील की बताते वले की पिछले वर्ष 110 फीट चौड़ा एवं 75 फीट ऊंचा पंडाल बनाया गया था यहां पर मेला देखने आस-पास के गांव के साथ-साथ दूर दराज के गांव से हजारों की संख्या में लोग आते हैं। साथ ही साथ रावण दहन का कार्यक्रम भी भव्य तरीके से किया जाता है। जिसे भी देखने के लिए काफी भीड़ उमड़ती है। मौके पर मुख्य रूप से पोर्टगा पंचायत के मुखिया चरका करमाती, सचिव सीताराम किस्कु, कोषाध्यक्ष लालु महतो, डॉक्टर जीआर जीआर भगत, विस्थापित नेता विश्वनाथ मांडी, महादेव बेसरा, कानू मरांडी आदी उपस्थित थे।

एक नजर

सचिवालय सेवा के पदाधिकारी 10 से 12 सितंबर तक सामूहिक अवकाश पर रहेंगे

रांची : झारखंड सचिवालय सेवा संघ के पदाधिकारी अपनी लंबित मांगों को लेकर 10 सितंबर से 12 सितंबर तक सामूहिक अवकाश पर रहेंगे। इस संबंध में सचिवालय सेवा संघ रांची के महासचिव सिद्धार्थ शंकर बेसरा की ओर से राज्य के सभी अपर मुख्य सचिव सरकार के सभी प्रधान सचिव सरकार के सभी सचिव सभी विभाग अध्यक्षों को पत्र लिख कर जानकारी दी गई है। उन्होंने कहा है कि सचिवालय सेवा स्वीकृत कार्यबल की तुलना में लगभग आधे कार्यबल और सीमित संसाधनों के बावजूद राज्य सरकार की नीतियों के नियम एवं सदैव निष्ठा पूर्व सक्रिय रहता है। लंबे समय से लंबित अपनी उचित मांगों को लेकर हमेशा राज्य सरकार के समक्ष रखा गया है लेकिन अभी तक यह मांग पूरी नहीं हुई है। ऐसे में वह आंदोलन को मजबूर है।

गहना साफ करने के नाम पर सोने के कंगन की टगी

रांची : रांची के चुटिया थाना क्षेत्र के मुकबुंद टोली स्थित सूर्या कॉलोनी में बुधवार को एक घर में गहना साफ करने के नाम पर सोने के कंगन की टगी कर ली गई। मिली जानकारी के अनुसार दो अपराधियों ने गहना सफाई के नाम पर अजय कुमार शर्मा की पत्नी के घर से सोने का कंगन लेकर फरार हो गये। घटना सीसीटीवी में कैद हो गई है। चुटिया थाना प्रभारी लक्ष्मीकांत ने बताया कि पूरे मामले की जांच-पड़ताल की जा रही है। सीसीटीवी फुटेज के आधार पर टगी करने के आरोपितों की तलाश में छापेमारी की जा रही है।

आरपीएफ ने ऑपरेशन नूमि के तहत अवैध कब्जे को हटवाया

रांची : रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) ने रांची स्टेशन से लेकर अरगोड़ा और नामकुम स्टेशन तक अवैध कब्जे को लेकर ऑपरेशन नूमि के तहत अभियान चलाया। रांची मंडल के मंडल सुरक्षा आयुक्त पवन कुमार ने बुधवार को बताया कि लगातार रेलवे लाइन के आसपास अवैध कब्जा को लेकर शिकायत मिल रही थी। इसके बाद लोकल पुलिस और डीआरएम हटिया ऑफिस के इंजीनियरिंग विभाग से इन अवैध कब्जे को लेकर समन्वय स्थापित कर एक स्पेशल ब्राइव का आयोजन किया गया। इसी क्रम में आरपीएफ और लोकल पुलिस चुटिया के साथ मिलकर रांची रोड स्टेशन से पंचवटी चौक और नेपाल हाउस से दुर्गा मंडप तक विशेष अभियान चलाया। इस दौरान कुल अवैध निर्मित 163 झोपड़ियां को हटाया गया। कार्रवाई के दौरान किसी अनहोनी घटना की सूचना नहीं मिली।

व्यवसायी अमित अग्रवाल की जमानत याचिका खारिज

रांची : जमीन घोटेला मामले में आरोपी कोलकाता के व्यवसायी अमित अग्रवाल की जमानत याचिका पर बुधवार को पीपलएमए के विशेष न्यायाधीश योगेश कुमार की अदालत में सुनवाई हुई। अदालत ने अमित अग्रवाल की जमानत याचिका खारिज कर दी। अमित अग्रवाल की ओर से 19 अगस्त को जमानत याचिका दायित्व की गयी थी। सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता के वकील ने जेल में बिताई गई अवधि को देखते हुए जमानत देने का अनुरोध किया। इसका विरोध ईडी की ओर से किया गया। ईडी की ओर से कहा गया कि मामले में याचिकाकर्ता पर आरोप तय कर दिया गया है। बाहर आने पर दायित्व प्रभावित हो सकता है। दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद अदालत ने जमानत देने से इनकार किया।

गुरुजी क्रेडिट कार्ड की सीमा 15 लाख से बढ़ाकर 50 लाख हो : कुमार गौरव

प्रत्युष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड राज्य युवा आयोग की बैठक अध्यक्ष कुमार गौरव की अध्यक्षता में बुधवार को हुई। इस दौरान छह महत्वपूर्ण बिंदुओं पर चर्चा की गयी। इसमें उच्च एवं तकनीकी शिक्षण में होने वाले व्यय का वहन राज्य के अधिसंख्य, खासकर अनुसूचित जनजाति के युवा नहीं कर पाते हैं। आयोग के अध्यक्ष कुमार गौरव ने कहा कि गुरुजी क्रेडिट कार्ड के लिए राज्य के युवाओं की ओर से आयोग हेमंत सरकार के प्रति आभार व्यक्त करता है। साथ ही आग्रह किया कि सभी बैंक शिक्षण ऋण के व्याज दरों को कम रखें। गुरुजी क्रेडिट कार्ड की सीमा पन्द्रह लाख से बढ़ाकर पचास लाख की जाये। उन्होंने कहा कि



राज्य के व्यापार उद्योग की स्थापना में काफी रुचि रखने वाले युवा स्थानीय स्तर पर सफलतापूर्वक उद्यम कर रहे हैं। पूंजीगत सहायता ऋण का लाभ बढ़े और अनुभवी उद्योगों के साथ साथ युवाओं के स्टार्ट अप और अन्य रोजगारपरक विचारों को पर्याप्त पोषण के लिए उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए

झारखंड राज्य युवा आयोग के माध्यम से सरकार का ध्यानाकृत किया गया है। राज्य के जिलों में संचालित अनेक आदिवासी छात्रावासों की स्थिति देख-रेख के अभाव में खराब हो रही है। वहां रहने वाले युवाओं को भी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। ऐसे में झारखंड राज्य

युवा आयोग के माध्यम से सरकार का ध्यानाकृत किया गया है कि राज्य के सभी आदिवासी छात्रावासों की मरम्मत करावी जाये। बैठक के दौरान आयोग के संज्ञान में आया है कि राज्य के खेल के मैदान, स्टेडियम, एस्ट्रेटर्फ, आदि जैसी खेल आधारभूत संरचनाएं एवं खेल सुविधाओं का उपयोग भुगतान के आधार किया जा रहा है। राज्य सरकार का ध्यानाकृत कराते हुए खिलाड़ियों, फिटनेस के प्रति जागरूक युवाओं, सरकारी संस्थानों, आदि को उपर्युक्त सुविधा का निःशुल्क उपयोग करने की अनुमति प्रदान करने का आग्रह किया गया है। इसके अलावा बैठक में चर्चा की गयी कि विभिन्न संस्थानों,

व्यक्तियों, सरकारी एवं गैर सरकारी उपक्रमों से राज्य के युवाओं के हित में काम करने के लिये अनुदान, आर्थिक सहायता, आदि प्राप्त करने के लिए सार्वजनिक क्षेत्र के किसी अनुसूचित राष्ट्रीयकृत बैंक में आयोग के नाम से बचत खाता खोलने की स्वीकृति प्रदान की गयी। साथ ही राज्य के युवाओं के हित में वर्तमान में सक्रियता के साथ कार्यरत झारखंड राज्य युवा आयोग 2024-25 के लिए बजटीय उपबन्ध का आवंटन उपलब्ध कराने का अनुरोध राज्य सरकार से किया गया। बैठक में आयोग के सदस्य विशाल तिकी, सुनील टुडू, आयोग के सदस्य सचिव वेद रत्न मोहन उपस्थित थे।

संक्षिप्त खबरें

हरीन्द्रानन्द जी की द्वितीय पुण्य तिथि मनाई गई



रांची : शिव शिष्यता के जनक और इस कालखण्ड के प्रथम शिव शिष्य साहब श्री हरीन्द्रानन्द जी की द्वितीय पुण्य तिथि बुधवार 04 सितम्बर को शिव शिष्यों द्वारा पुण्य स्मृति दिवस के रूप में मनाई गई। बुधवार को पुराना विधानसभा में हजारों श्रद्धालुओं की उपस्थिति का साक्ष्य बना। जीवित रहते हुए किवदंति बन चुके साहब हरीन्द्रानन्द जी ने सामान्य जनमानस को शिव के गुरु स्वरूप से जोड़ने के लिए लगभग आधी सदी से लोगों को प्रेरित किया। समाज को आइना दिखाते हुए उन्होंने बताया कि शिव घर-घर के बाबा हैं, जैसे चंदा मामा सबके मामा हैं। भगवान शिव से हम सभी सतान, पैसा, परिवार, प्रसिद्धि, ऐश्वर्य मांगते हैं, उनसे ज्ञान कोई नहीं मांगता। भारत के विभिन्न राज्यों से आए लोगों ने वरेण्य गुरुभ्राता के द्वितीय पुण्य स्मृति दिवस में भाग लिया। विभिन्न राज्यों सहित नेपाल, आदि अन्य देशों से कई लोग आए। विदित हो कि हृदय संबंधी रोग की वजह से 04 सितम्बर 2022 को साहब शिवलीन हुए। वरेण्य गुरुभ्राता हरीन्द्रानन्द जी की व्यापका और प्रसिद्धि वैश्विक स्तर पर रही। देश विदेश सभी जगह के लोग इनके लिए श्रद्धांजलि दे रहे हैं। कार्यक्रम का शुभारंभ पूर्वां 09 बजे से शिव नाम संकीर्तन एवं जागरण भजन से हुआ। तत्पश्चात वरेण्य गुरुभ्राता साहब श्री हरीन्द्रानन्द जी की तस्वीर पर माल्यार्पण एवं पुष्पांजलि अर्पित किया गया। श्रद्धांजलि सभा में महिलाओं की संख्या अधिक थी। इस अवसर पर मुख्यालाहकार अर्चित आनंद ने बताया कि देश विदेश में शिवशिष्यों ने अपने स्तर पर पुण्यस्मृति दिवस का आयोजन किया, जिसमें वृद्धाश्रम, अनाथालय में सहयोग सहित वृक्षारोपण भी कर रहे हैं। श्रद्धांजलि सभा में प्रो० रामेश्वर मंडल, अर्चित आनंद, बरखा आनंद, डॉ० अभित कुमार, अनुनीता आनंद, अभिनव आनंद एवं निहारीका आनंद ने अपनी अभिव्यक्ति व्यक्त की।

हॉकी इंडिया सब-जूनियर पुरुष राष्ट्रीय चैंपियनशिप का ट्रायल नौ से रांची में

रांची : आगामी 23 सितम्बर से 03 अक्टूबर तक चंडीगढ़ में 14वां हॉकी इंडिया सब-जूनियर पुरुष राष्ट्रीय चैंपियनशिप 2024 का आयोजन होना है। इसमें झारखण्ड हॉकी टीम की भागीदारी भी होगी। इसके लिए झारखंड के हॉकी खिलाड़ियों का चयन ट्रायल 09 सितम्बर को सुबह 11.00 बजे से मंगल गोमक जयपाल सिंह मुंडा अंतर्राष्ट्रीय हॉकी स्टेडियम मोराबादी, रांची में आयोजित होगा। इस चयन ट्रायल में झारखंड के वे हॉकी खिलाड़ी भाग ले सकते हैं, जिनका जन्म 01 जनवरी 2008 को या उसके बाद हुआ हो। चयन ट्रायल में भाग लेने वाले खिलाड़ी को अपने साथ पंचायत या नगर निगम द्वारा निर्गत जन्म प्रमाण पत्र, आधार कार्ड, विद्यालय का बोनीकाफ़ड प्रमाण पत्र, उग्र पात्रता प्रमाण पत्र लाना अनिवार्य है।

समुद्री जीवन को पंडाल में दिखाएगी ज्योति संगम श्री दुर्गा पूजा समिति

रांची : रांची में दुर्गा पूजा को लेकर एक से बढ़कर एक आकर्षक पंडाल का निर्माण हो रहा है। इसी क्रम में अपर बाजार के मारवाड़ी हाई स्कूल स्थित ज्योति संगम श्री दुर्गा पूजा समिति की ओर से समुद्री जीवन को पंडाल के स्वरूप में दिखाया जाएगा। समिति के अध्यक्ष अंकित गुप्ता ने बुधवार को बताया कि ज्योति संगम श्री दुर्गा पूजा समिति इस वर्ष भक्तों को समुद्री जीवन का अवलोकन कराएगी। इस थीम को पंडाल का स्वरूप देने में बंगाल के कारीगर जुटे हैं। गुप्ता ने बताया कि रांचीवासियों को पंडाल में कई समुद्री जीव- जंतु देखने को मिलेंगे। पंडाल के मुख्य द्वार पर 18 फीट की जलपत्ती का प्रारूप आकर्षण का केंद्र होगा। पंडाल की लंबाई 100 फीट, चौड़ाई 80 फीट और ऊंचाई 40 फीट होगी। पंडाल के निर्माण में मुख्य रूप से नेट, हाई डेंसिटी फोम, लोहा, मछली पकड़ने की जाली, बेंत आदि का इस्तेमाल किया जा रहा है। पंडाल का उद्घाटन घड़ी को किया जाएगा। दशमी के दिन महाभंडारे का भी आयोजन किया गया है। मां की विसर्जन शोभायात्रा 13 अक्टूबर को निकाली जाएगी। इस वर्ष 18 लाख की लागत से पूजा का आयोजन किया जा रहा है। मां की प्रतिमा 17 फीट ऊंची और 24 फीट चौड़ी होगी। जो की ध्यान की मुद्रा में विराजमान रहेंगी। इसका निर्माण मूर्तिकार रामपाल के जरिये किया जा रहा है। मूर्ति 1.80 लाख की है। पूरे पंडाल परिसर और पंडाल के मुख्य मार्ग शहीद चौक से गांधी चौक तक आकर्षक विद्युत सज्जा की जाएगी। समिति सन 1959 से लगातार पूजा का आयोजन करती आ रही है।

शहीद एतवा उरांव फुटबॉल टूर्नामेंट का फाइनल मैच आज



रांची : शहीद एतवा उरांव स्मारक न्यास और युवा विकास क्लब, बुढ़ाखुखरा के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित रांची जिला अंतर्गत मांडर प्रखंड के बुढ़ाखुखरा स्थित खेल मैदान में चार सितंबर को खेले जा रहे शहीद एतवा उरांव फुटबॉल टूर्नामेंट-2024 के चौथे दिन का उद्घाटन मुख्य अतिथि बड़िला पंचायत की मुखिया सोहती एक्का, खेल प्रभारी फ्रांसिस जेवियर, मो. साकिब सहित अन्य अतिथियों ने खिलाड़ियों से प्रारिचय प्राप्त कर किया। गुप जी का पहला मैच रोहित ब्रदर्स महुआजाड़ी वनाम पुरा हीरा नागपुर संघ तिगड़ा के बीच खेला गया। इसमें ट्राइबेकर में रोहित ब्रदर्स ने तिगड़ा को 5-4 गोल से जीत दर्ज कर अगले राउंड में प्रवेश दिया। वहीं गुप डी के अन्य मैचों में मैसी झारखंड एफसी चचकोपी ने डीजे ब्रांड मुडगा कंदरी को ट्राइबेकर में 4-3, बाइपीएस नवाटांड ने ट्राइबेकर में राज ब्रदर्स को 4-3 और मेचो सिटी पुंदांग ने युवा विकास क्लब बुढ़ाखुखरा को 1-0 गोल से हराकर अगले राउंड में प्रवेश किया। बुधवार को ही दूसरे राउंड के पहले मैच में मैसी झारखंड एफसी चचकोपी ने रोहित ब्रदर्स महुआजाड़ी को 1-0 और मेचो सिटी पुंदांग ने बाइपीएस नवाटांड को 1-0 गोल से हराकर वटार फाइनल में प्रवेश किया। बुधवार को मैसी झारखंड एफसी चचकोपी और मेचो सिटी पुंदांग ने बाइपीएस नवाटांड के बीच खेले जाने वाला टूर्नामेंट का चौथा और अंतिम वटार फाइनल नहीं हो सका। यह मैच पांच सितंबर को दिन के 10 बजे खेला जाएगा। इससे पहले ओल्ड इज गोल्ड, सुमित ब्रदर्स और तिग्गा परिवार एफसी की टीम सेमीफाइनल में पहुंच चुकी है। पांच सितंबर टूर्नामेंट का एक वटार फाइनल, दोनों सेमीफाइनल और फाइनल खेला जाएगा। मैच के फाइनल सेवानल में मैच के स्कोर रंजीत खलखो, विनोद खलखो, लको उरांव सहित क्षेत्र के कई गणमान्य लोग उपस्थित थे।

राज्यपाल से कुलपति सहित अन्य ने की मुलाकात



प्रत्युष नवबिहार संवाददाता

रांची : राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार से बुधवार को धनबाद के कोयलांचल विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ राम कुमार सिंह ने राजभवन में शिष्टाचार मुलाकात की।

साथ ही महतो ने राज्यपाल को विश्वविद्यालय की शैक्षणिक एवं प्रशासनिक गतिविधियों से अवगत कराया। दूसरी ओर, राज्यपाल से बाल कल्याण संघ के एक प्रतिनिधि मंडल

ने संजय कुमार मिश्रा के नेतृत्व में राजभवन में मुलाकात की। साथ ही राज्यपाल से अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ के डॉ. ब्रजेश कुमार के नेतृत्व में एक प्रतिनिधि मंडल ने राजभवन में भेंट की।

राज्य सरकार पीडीएस दुकानदारों की समस्याओं का त्वरित समाधान करे : संघ

प्रत्युष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड राज्य लक्षित जनवितरण प्रणाली दुकानदार संघ ने रांची जन्मनाथ मंदिर के पास स्थित नीलाद्रि भवन में आपात बैठक कर सरकार और उनके कार्यशैली पर रोष व्यक्त किया। राज्य के तमाम जिलों से पीडीएस दुकानदार बैठक में उपस्थित हुए। बैठक में दुकानदारों के समस्याओं पर विचार-विमर्श किया। संगठन ने राज्य सरकार से अपील की है की उनकी समस्याओं पर गौर करते हुए त्वरित समाधान किया जाय। संघ के प्रदेश अध्यक्ष सुशील कुमार साहू ने कहा कि हम सभी

दुकानदार पुनः अनुकंपा बहाल करना, 40000 रुपये मासिक मानदेय, 5जी पोस मशीन, हर माह समय पर खाद्यान उपलब्ध कराना, प्रति समान के लिए बायोमेट्रिक सत्यापन को निरस्त कर एक बायोमेट्रिक सत्यापन लागू किया जाय, खाद्यान बोया का वजन बाद कर तौल कर दुकानदारों को दिया जाय, चीनी व दाल में गोदाम से कटौती की जाती है उसे तत्काल बंद कराया जाय, राज्य सरकार ने कोरोना के दौर में राशन दुकानदारों से जुट का बोरा लिया था, जिसका भुगतान आज तक नहीं किया गया उसे अविलंब किया जाय। राशन

दुकानदारों को गोदाम से खाद्यान उसी तर्ज पर दिया जाए जिस तरह दुकानदार लघुकों के बीच पोस मशीन से वेईंग मशीन जोड़ कर करते हैं। संघ के महासचिव नृपेंद्र कृष्ण महतो ने कहा कि राज्य में पीडीएस दुकानदारों के साथ काफी दोहन शोषण किया जा रहा है। बात-बात में विभाग के द्वारा दुकानदारों को स्पष्टीकरण थमा दी जाती है और उसके बदले में आर्थिक शोषण किया जाता है। राज्य के आला अफसर दुकानदारों को डरा-धमका कर अपना उल्लू सौधा करने में लगे हैं।

सरकार की गलत नीति के कारण मौत की दौड़ साबित हुई उत्पाद सिपाही बहाली : बाउरी



प्रत्युष नवबिहार संवाददाता

रांची : नेता प्रतिपक्ष अमर कुमार बाउरी ने राज्य सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि आज झारखंड में भाजपा की सरकार होती तो पूर्ववर्ती सरकार द्वारा बनाये गये नियम के चलते 13 से अधिक परिवारों का चिराग नहीं बुझता। हेमंत सरकार ने जो नियम बनाया, उसकी वजह से आज राज्य के

युवाओं की मौत हो रही है। बाउरी ने कहा कि जब सरकार के पास ना नीति हो, ना नियत हो और ना सक्षम नेतृत्वकर्ता हो तो ऐसी ही घटनाएं होती हैं। झामुमो-कांग्रेस-राजद सरकार की गलत नीति के कारण ही उत्पाद सिपाही बहाली मौत की दौड़ साबित हुई। अमर कुमार बाउरी ने बुधवार को एक्स कर पोस्ट कर सरकार द्वारा चलाये जा रहे आपकी सरकार आपके द्वार कार्यक्रम पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि सरकार आपके द्वार कार्यक्रम का जबरदस्त विरोध हो रहा है। जनता पृष्ठ रही है कि पुराने आवेदनों का क्या हुआ। झूठ की रोपनी करने झामुमो-कांग्रेस-राजद सरकार आपके द्वार पहुंची है।

आजसू पार्टी के मिलन समारोह में अधिवक्ता आशुतोष वर्मा ने थामा पार्टी का दामन

सरकार रोजगार के प्रति गंभीर नहीं, युवा भविष्य को लेकर चिंतित : सुदेश महतो

प्रत्युष नवबिहार संवाददाता

रांची : आजसू पार्टी अध्यक्ष सुदेश कुमार महतो ने कहा कि सरकार अपने पांच साल के कार्यकाल में कभी भी रोजगार के प्रति गंभीर नहीं रही। नए पदों का सृजन करने की बात तो दूर यह सरकार रिक्त पदों को भी भर नहीं पाई है। आज राज्य के युवा भविष्य को लेकर चिंतित हैं। वर्तमान राजनीतिक हालात ने राज्य की छवि को धूमिल किया है। लोगों के जीवन को बेहतर बनाने की हमारी तैयारी है। सुदेश कुमार महतो हरमू स्थित केंद्रीय कार्यालय में बुधवार को आयोजित मिलन समारोह में बोल रहे थे। इस दौरान अधिवक्ता सह



समाजसेवी आशुतोष वर्मा ने समर्थकों के साथ पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। मोके पर महतो ने कहा कि सिपाही बहाली में सरकार की बड़ी गलती की वजह से हमने अपने परिवार के 12 नौजवानों को

खो दिया है। सरकार अपनी ही बनाई हुई नियामकवली का बहाना बनाकर जिम्मेदारी से मुक्त नहीं सकती है। आशुतोष के अनुभव का लाभ पार्टी को मिलेगा। लोगों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए काम करें। इसके लिए

आजसू पार्टी आपको एक सशक्त मंच देगी। वर्मा ने कहा कि आजसू के विचारों, सिद्धांतों के साथ ही सुदेश महतो की ईमानदारी, राज्य के लिए समर्पण और इनकी दूरदर्शिता ने हम सभी को प्रभावित किया है। आज मेरे साथ कई युवा भी पार्टी में शामिल हो रहे हैं। इनके भीतर वर्तमान सरकार के खिलाफ गुस्सा है। सुदेश के नेतृत्व में हम सभी मिलकर इस प्रदेश को आगे ले जाने का काम करेंगे। लीडर सीट के लिए नहीं सेवा के लिए होना चाहिए। पार्टी के साथ मिलकर युवाओं के लिए अवसर उत्पन्न करने के लिए जी-जान लगाकर काम करेंगे।

एक नजर
बाइक व ट्रैक्टर में टक्कर, एक घायल



कतरास : जोगता थाना क्षेत्र के सजुआ मोड़ में बाइक हीरो एच एफ डीलक्स जे एच 10 बी एफ - 0427 व ट्रैक्टर में टक्कर होने से बाइक सवार गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल को तत्काल कतरास के एक नर्सिंग होम में इलाज के लिये भेजा गया, बाइक सवार छताबाद का रहने वाला बताया जा रहा है। मौके पर पहुंची जोगता पुलिस ने वाहन को जब्त कर लिया।

चिरकुंडा के 4 वार्डों में 4 दिनों से जलापूर्ति ठप, लोगों ने किया हंगामा

धनबाद : चिरकुंडा नगर परिषद के चार वार्डों में पिछले चार दिनों से जलापूर्ति ठप है। नगर परिषद कार्यालय परिसर में स्थित शहरी जलापूर्ति योजना की पानी टकी का वाल्व रिसप कर जाने से ऐसी स्थिति उत्पन्न हुई है। इससे करीब दस हजार की आबादी प्रभावित है। सप्लाई का पानी नहीं मिलने से परेशान लोगों ने बुधवार को नगर परिषद कार्यालय पहुंचकर जमकर हंगामा मचाया। विभाग के अधिकारी हाथ पर हाथ धरे बैठे हैं और जनता वार दिनों से पानी के लिए तरस रही है। इन्हें जनता की परेशानी से कोई मतलब नहीं है। लोगों ने बताया कि वाल्व खराब होने से वार्ड संख्या 18, 19, 20 व 21 की जलापूर्ति प्रभावित है। चार दिनों से पानी नहीं आ रहा है। प्रभावित चारो वार्डों के लोग जब नगर परिषद कार्यालय पहुंचे, उस समय कार्यालय में कोई अधिकारी नहीं था, जिससे वे और आक्रोशित हो गए। सूचना पाकर पहुंचे विभाग के अधिकारियों ने लोगों को शांत कराया। नगर परिषद के कार्यपालक पदाधिकारी विजय कुमार हांसदा ने कहा कि जल मीनार का वाल्व रिसप कर गया है। उसे ठीक करने के लिए टंकी को खाली कराया जा रहा है। वाल्व ठीक करने में मिस्री लगा हुआ है। गड़बड़ी दूर कर जल्द ही जलापूर्ति शुरू कर दी जाएगी।

बच्चों को सोशल मीडिया के सकारात्मक इस्तेमाल के लिए करें प्रेरित : एसएस कर



बोकारो : शिक्षक दिवस विद्यार्थियों, अभिभावकों व शिक्षकों के बीच समन्वय का दिन है। यह कहना है बोकारो के सेक्टर चार स्थित डीएवी पब्लिक स्कूल के प्राचार्य एसएस कर का। शिक्षक दिवस पर अपने संदेश में उन्होंने कहा कि बच्चों को सोशल मीडिया का सकारात्मक इस्तेमाल के लिए प्रेरित करने की जरूरत है। कोरोना काल में शैक्षणिक संस्थाओं में पेपरलेस प्रणाली का प्रचलन बढ़ा। यह समय की मांग भी थी। इससे बच्चों में मोबाइल के इस्तेमाल के चलन को बढ़ावा मिला, जिसके कुछ दुष्प्रभाव भी हैं। बच्चों को मोबाइल की लत से दूर रखने के लिए स्कूलों में स्पोर्ट्स, इंटर क्लास एक्टिविटी के माध्यम से बच्चों में कामज-कलम के प्रति रुझान बनाना होगा। संत जेवियर स्कूल के प्राचार्य फादर अरुण मिज ने कहा कि शिक्षक बच्चों के रोल मॉडल हों और उनके मूल्य और चरित्र विकास में अहम योगदान देते हैं। वे बच्चों का मार्गदर्शन कर उन्हें एक अच्छा नागरिक बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

बोकारो में कांग्रेस के संवाद आपके साथ कार्यक्रम की तैयारी को लेकर हुई बैठक

प्रत्युष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : जिला कांग्रेस कमिटी के अध्यक्ष उमेश प्रसाद गुप्ता के अध्यक्षता में बोकारो जिले में आगामी संवाद आपके साथ कार्यक्रम के तैयारी में बोकारो जिला कांग्रेस कमिटी की बैठक बोकारो परिषद में सम्पन्न हुई। जिसका संचालन वरिष्ठ कांग्रेसी सुशील झा जी ने किया। बैठक में उपस्थित कांग्रेसजनों एवं बोकारो जिले के विधानसभा क्षेत्र के दवेदार उम्मीदवारों ने स्वागत को लेकर बारी बारी से अपना सुझाव रखे। मौके पर गुप्ता जी ने बैठक को सम्बोधित करते हुए कहा कि बोकारो जिले में संवाद आपके साथ कार्यक्रम के तहत झारखण्ड प्रदेश कांग्रेस कमिटी के नवनिर्वाचित प्रदेश अध्यक्ष आदर्श केशव महतो कमलेश जी मुख् अतिथि के रूप में आमगन हो रहा है जिनका बोकारो जिला कांग्रेस



कमिटी बोकारो सीमांत तेलमोचो ब्रिज से लेकर बोकारो सीमांत पेटरवार तक भव्य रूप से स्वागत किया जयेगा। संवाद आपके साथ कार्यक्रम को भव्य देने के लिए दवेदार उम्मीदवारों सहित जिला, प्रखंड, पंचायत कमिटी के

पदाधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। बैठक में मुख्य रूप से वरिष्ठ कांग्रेसी रामा रावत, बिरिची महाथा, सगीर अंसारी, डॉ इंद्रदेव पासवान, देवाशिष मंडल, देव शर्मा, शकील अहमद, भरत रावत, बनमाली बाउरी, जवाहर लाल

महाथा, सी के ठाकुर, संजय सिंह, जीतेन्द्र यादव, कमरुल हसन, प्रेम पासवान, आशा देवी, रामकिशन रविदास, महावीर सिंह चौधरी, मोखार अंसारी, इमरान अंसारी, मृतुन्जय शर्मा, अशोक मिश्रा, नारायण सिंह चौधरी, मो काशिम्,

शुभम साहय, कृष्णा यादव, ओमप्रकाश, जलेश्वर दास, तुलसी महतो, गौरव राय, ए के सुल्तान, प्रशांत बाउरी, अलोक चंद्र ज्योति, गौतम पाण्डेय, संजय बाउरी सहित सभी जिला, प्रखंड कमिटी के पदाधिकारीगण उपस्थित रहे।

टेका मजदूरों और इस्पातकर्मियों की मांगों के लिए फिर होगी आरपार की लड़ाई : बिके चौधरी



प्रत्युष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : जय झारखंड मजदूर समाज कार्यालय सेक्टर -9 में कार्यकारिणी, विभागीय युनियन कमिटी, सक्रिय सदस्य एवं टेकाकर्मियों के मजदूर प्रतिनिधियों की बैठक युनियन के महामंत्री सह झारखंड मुक्ति मोर्चा के केन्द्रीय सदस्य बि के चौधरी के अध्यक्षता में हुई बैठक में सबों ने पिछले जूलाई में ब्लडप्रेसर और सुगर के नाम पर काम से बेजाये जाने, ई एस आई अस्पताल से दवाई नहीं मिलने और टेकरेड को पैसा नहीं लोटाने पर गेट पास रोकने खिलाफ जो 11 जूलाई को हड़ताल को सफल करने की तैयारी को देखते हुए उप श्रमायुक्त, केन्द्रीय (धनबाद) में बोकारो

स्टील प्रबंधन ने लिखित समझौता में सभी मांगों को मानने के लिए बिबिस हुआ था जो एक एतिहासिक जीत के रूप में सेल के इतिहास में दर्ज हो चुका है जिसपर उपस्थित सबों ने खुशी जाहिर करते हुए 39 महिने का एरियर, बोनास एवं टेकाकर्मियों के एन जे सी एस स्तर के मांगों के लिए पुनः एन जे सी एस और सेल से आर पार की लड़ाई को जल्द से जल्द शुरू करने का आह्वान किया। सभी को सुनने के उपरान्त महामंत्री बि के चौधरी ने कहा कि जिस तरह बोकारो स्टील प्रबंधन ने 11 जूलाई के हड़ताल को उपरोक्त मांगों पर जय झारखंड मजदूर समाज के साथ लिखित समझौता कर टालने का काम किया जिसके लिए डायरेक्टर इन्चार्ज बी के तिवारी और अधिशासी निदेशक संकाय एवं कार्मिक प्रशासन बधाई के पात्र हैं जिनको टेकाकर्मियों का भी शाधुवाद मिला था।

आरुषि से आरोही लर्निंग कार्यक्रम का हुआ आयोजन

प्रत्युष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : बीएसएल की वरीय महिला अधिकारियों के नेतृत्व में महिला अधिकारियों और कर्मचारियों के विकास के लिए आरुषि से आरोही एक दिवसीय शिक्षण और विकास कार्यक्रम का आयोजन किया गया। बीएसएल के आरुषियों से मिली सीख को नवनिर्वाचित आरोहियों तक पहुंचाने के लिए मानव संसाधन के जानार्जन एवं विकास विभाग द्वारा आयोजित प्रारंभिक शिक्षण कार्यक्रम 'आरुषि से आरुषि' की सफलता के बाद आरुषि से आरोही कार्यक्रम आयोजित किया गया। विशेष रूप से अन्या का आयोजन एमटीआई द्वारा एएचआरएम के सहयोग से मई'23 से जुलाई'23 तक तीन महिने की अवधि में महिला अधिकारियों के लिए एक क्लोज-लूप नेतृत्व विकास यात्रा के रूप में किया गया था। कार्यक्रम को मुख्य महा प्रबंधक अनिमा कुशवाहा



और महा प्रबंधक सुश्री नीता वा के नेतृत्व में शुरू किया गया जिन्होंने युवा प्रतिभागियों को कार्यस्थल पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने और अपने कौशल सेट को निखारने के महत्व पर प्रेरित किया। कार्यक्रम में बीएसएल की चार आरुषियों डॉ. वर्षा कुमारी, सलाहकार, सुश्री निहारिका अनुपम, प्रबंधक, सुश्री उषा शक्तावत, सहायक प्रबंधक और सुश्री वेदांजलि वर्मा, सहायक प्रबंधक ने संकार्य का कार्य किया। प्रतिभागियों को सेल/बीएसएल तथा उनके शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य का सम्मान, टीम निर्माण

और दक्षता का महत्व और कार्यस्थल और व्यक्तिगत जीवन में समय प्रबंधन और अनुशासन सहित कई विषयों पर मार्गदर्शन किया गया। महा प्रबंधक सुश्री नीता वा ने सभी प्रतिभागियों को कार्यस्थल पर तथा व्यक्तिगत विकास के लिए एक सहकर्मी नेटवर्क स्थापित करने के महत्व पर जोर दिया। बीएसएल की अन्या, डॉ. तुषि चंद्र और सिंधु कुल्लू ने कार्यक्रम का समन्वय किया और प्रतिभागियों को प्रभावी संचार और टीमों में काम करने के महत्व को समझने में मदद की।

झारखंड बंद को सफल बनाने हेतु सांस्कृतिक मंच की हुई बैठक



प्रत्युष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : झारखण्ड सांस्कृतिक मंच बोकारो के प्रधान कार्यालय धर्मशाला मोड़ चाम में झारखंड आन्दोलनकारी संघर्ष मोर्चा एवं झारखंड सांस्कृतिक मंच की संयुक्त बैठक-मंच के केन्द्रीय अध्यक्ष राजदेव माहाथा की अध्यक्षता में हुई। झारखंड आंदोलनकारी संघर्ष मोर्चा के पूर्ण निर्धारित कार्यक्रम-झारखंड बंद के तहत 11 सितंबर 2024 को बोकारो जिला भी बंद रहेगा। झारखंड बंद को सफल करने के लिए आज की बैठक रखी गई एवं

निर्णय लिया गया उसकी तैयारी हेतु -08 सितंबर को दिन 10:00 बजे राम रुद्र हाई स्कूल में रखी गई है। और जिसमें ज्यादा से ज्यादा अलग राज्य आंदोलनकारी शामिल हो। इस पर चर्चा की जाएगी। बताते चले कि झारखंड आंदोलनकारियों की लंबी मांगे, जब से झारखंड अलग राज्य हुआ है, तब से लगातार आन्दोलन किया जाते रहा है। परंतु सरकार की अनदेखी के कारण ना उन्हें सम्मान मिल रहा है ना ही पेंशन मिल रहा है और ना ही अधिकार। इन सभी अहम मुद्दों को लेकर मंच ने सभी

डीएवी पब्लिक स्कूल सेक्टर-4 में तीन दिवसीय वैदिक मैथ्स कार्यशाला संपन्न

प्रत्युष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : इस अवसर पर प्राचार्य श्री सबेंद्र शेखर कर ने कहा कि एक समय में एक काम करो, और ऐसा करते समय अपनी पूरी आत्मा उसमें डाल दो और बाकी सब कुछ भूल जाओ। जब तक जीना, तब तक सीखना - अनुभव ही जगत में सर्वश्रेष्ठ शिक्षक हैं। जब तक आप खुद पर विश्वास नहीं करते तब तक आप भगवान पर विश्वास नहीं कर सकते। इस कार्यशाला में विद्यालय के कक्षा 6 से 10वीं तक के करीब 250 बच्चों ने सक्रिय रूप से भाग लिया। और गणित के विभिन्न तकनीकों और सूत्रों को जाना। वैदिक गणित सरल नियम और सिद्धांतों पर आधारित गणना की एक बहुत अच्छी तकनीक या विधि है। इस तकनीक से कोई भी गणितीय समस्या चाहे वह अंकगणित हो या बीजगणित या ज्यामिति या त्रिकोणमितीय, हल



की जा सकती है। वैदिक गणित एक पुरानी तकनीक है जिसमें सोलह सूत्र और तेरह उप सूत्र शामिल हैं। यह मौलिक अंकगणितीय संक्रियाओं को सरल बनाता है। यह बीजगणितीय अवधारणाओं जैसे समकालिक समीकरण, द्विघात समीकरण, घन समीकरणों का गुणनखंडन आदि को पारंपरिक दृष्टिकोण से अधिक प्रभावी ढंग से हल करता है। वैदिक गणित अंकगणित, बीजगणित, त्रिकोणमिति और ज्यामिति जैसी गणितीय गणनाओं को गति दे सकता है। यह गणितीय समस्या को हल करने में लगने वाले समय को कम करता है और छात्रों का आत्मविश्वास बढ़ाता है।

चोरी की बढ़ती घटनाओं को लेकर जदयू ने किया प्रदर्शन

प्रत्युष नवबिहार संवाददाता

धनबाद : पूर्व घोषित कार्यक्रम के तहत तोपचांची थाना क्षेत्र में बढ़ती अपराधिक घटनाओं के विरुद्ध जदयू प्रदेश महासचिव सह यूथ फोर्स के प्रधान संयोजक दीप नारायण सिंह एवं जदयू धनबाद जिला अध्यक्ष पिंदू कुमार सिंह के नेतृत्व में एक दिवसीय धरना दिया गया। जिसकी अध्यक्षता जदयू तोपचांची प्रखंड अध्यक्ष जितेंद्र कुमार पाण्डेय ने किया। इस दौरान सभी वक्ताओं ने एक स्वर से तोपचांची थाना क्षेत्र में बढ़ती चोरी की घटनाओं पर रोकने एवं अब तक पिछले दो माह में जितने भी चोरी की घटनाएं घटी है उसका उद्देदन कर अपराधियों की गिरफ्तारी हो इसके लिए टास्क फोर्स गठित करने की मांग की। धरना को संबोधित करते हुए दीप नारायण सिंह ने कहा है कि पिछले दो माह में तोपचांची थाना क्षेत्र में लगभग एक दर्जन से अधिक चोरी



की घटनाएं घटी है। अपराधी लगातार चोरी की घटनाओं को अंजाम दे रहे हैं और झारखंड में सरकार आपके द्वार प्रचारक के तहत भी चोरी की घटनाएं घटती हैं। जदयू धनबाद जिला अध्यक्ष पिंदू कुमार सिंह ने कहा कि गांव के लोग अपनी जान - माल की रक्षा के लिए रात जगना करने के लिए मजबूर हैं। स्थिति जंगल राज जैसे है। स्थानीय विधायक लुट - खसोट में

दिन - रात लगे हुए है। जदयू नेता सह पूर्व जिला परिषद सदस्य सहदेव प्रसाद सिंह ने कहा कि अपराधिक घटनाओं पर कैसे रोक लगे इसके विधायक जी को कोई लेना-देना नहीं है। स्थानीय पुलिस से एक भी चोरी की घटनाओं का उद्देदन नहीं हो पा रहा है। और ना ही किसी अपराधी की गिरफ्तारी हो पाई है। हम कह सकते हैं कि तोपचांची थाना क्षेत्र में अपराधी बेलगाम हो गया है। जदयू

वाघमारा प्रखंड अध्यक्ष गोपाल चंद्र गोप ने कहा कि ऐसा लगता है कि तोपचांची पुलिस पस्त है और अपराधी मस्त है। ऐसी स्थिति में जदयू पार्टी चुप नहीं रह सकता है। एक दिवसीय धरना के माध्यम से जदयू पार्टी एवं यूथ फोर्स संगठन मांग करती है कि गांव में वर्तमान समय में भय का जो माहौल बना है, उसमें सुधार करते हुए चोरी की घटनाओं में रोक लगाई जाए और अपराधियों को धर

- पकड़ के लिए जिला पुलिस - प्रशासन द्वारा स्पेशल टास्क फोर्स का गठन किया जाए। इस दौरान पार्टी का एक प्रतिनिधिमंडल ने थाना प्रभारी, तोपचांची से मिलकर वरिय पुलिस अधीक्षक, धनबाद के नाम 11 सूत्री मांग पत्र सौंपा। धरना का संचालन सुरज कुमार सिंह और धन्यवाद ज्ञान सुखदेव दास ने किया। इस दौरान जदयू नेता सह पूर्व जिला परिषद सदस्य सहदेव प्रसाद सिंह, जदयू महिला प्रकोष्ठ प्रदेश सचिव बिन्दु देवी, जदयू अनुसूचित जाति प्रकोष्ठ जिला महासचिव अशोक कुमार दास, जदयू जिला महासचिव संजय दे, जदयू नेता तारा बाबू, फुलचंद दास, अमित दास, सीता देवी, अंजू देवी, सुखिया देवी, काजल देवी, संजय पांडेय, भागवत पांडेय, अमित दास, मिट्टू रजवार, भागवत पांडेय, बैजनाथ ठाकुर, विनय सिंह, विनोद कुमार, आदि उपस्थित रहे।

संक्षिप्त खबरें
एसडीओ ने 400 घनफीट अवैध बालू लदे 4 टाटा 407 को किया जब्त



धनबाद : उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी सुश्री माधवी मिश्रा के निर्देश पर जिले में खनिज संपदा के अवैध खनन, भंडारण व परिवहन के विरुद्ध कार्रवाई जारी रखते हुए अनुमंडल पदाधिकारी उदय रजक के नेतृत्व में बुधवार की सुबह हीरापुर में औचक जांच अभियान चलाकर अवैध बालू लदे 4 टाटा 407 को पकड़ा गया। इसकी विस्तृत जानकारी देते हुए अनुमंडल पदाधिकारी ने बताया कि बुधवार की सुबह बालू के अवैध काराबार के विरुद्ध अभियान चलाकर हीरापुर के विवेकानंद चौक, डीएस कॉलोनी, ज्ञान मुखर्जी रोड तथा प्रेम गली में अवैध बालू लदे टाटा 407 संख्या जेएच 10 बी.एम. 2326, जेएच 10 ए.टी. 5872, जेएच 10 बी.जे. 7449 तथा जेएच 10 टी 8676 को जब्त किया गया। प्रत्येक वाहन पर लगभग 100-100 घनफीट अवैध बालू लदा हुआ था। जब किए गए वाहनों को धनबाद थाना को सुपुर्द कर वाहन के मालिक, चालक और उप चालकों पर प्राथमिकी दर्ज करने की कार्रवाई की जा रही है।

बीजीएच में हार्मोनिक स्केलपेल आधारित उन्नत अल्ट्रासाउंड सर्जरी मशीन का हुआ उद्घाटन



बोकारो : बीजीएच में हार्मोनिक स्केलपेल आधारित उन्नत अल्ट्रासाउंड सर्जरी मशीन का उद्घाटन प्रभारी बोकारो जनरल हॉस्पिटल डॉ बी बी करुणामय्य, के द्वारा किया गया। उद्घाटन के समय मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. ए मंडल, डॉ आनंद, डॉ वर्षा घनेकर, प्रभारी- बी जी एच प्रशासन एवं वरिय डॉ एस सी कुमार, डॉ आनंद प्रकाश, डॉ निलय, डॉ ए के डाम अपने टीम के सदस्यों के साथ उपस्थित थे। हार्मोनिक स्केलपेल एक उन्नत अल्ट्रासाउंड तकनीक की जो ऊतक और रक्त वाहिकाओं को एक साथ काटने और सील करने के लिए अल्ट्रासाउंड का उपयोग करती है। इसका उपयोग लैप्रोस्कोपिक और ओपन सर्जरी दोनों में किया जा सकता है और इससे ऑपरेशन का समय कम हो जाता है और मरीज बेहतर तरीके से ठीक हो जाते हैं। लैप्रोस्कोपिक सर्जरी को की-होल सर्जरी के रूप में भी जाना जाता है जो छोटे घेरे की मदद से पावन तंत्र, मूत्र विकार, महिला प्रजनन विकार और कैंसर सहित पेट इत्यादि की विभिन्न रोगों में चिकित्सकों के द्वारा उपयोग में लाया जाता है। इसमें दर्द कम होता है, ऑपरेशन के बाद रिकवरी जल्दी होती है, अस्पताल में रहने की अवधि कम होती है और घाव संबंधी जटिलताएं भी कम होती हैं।

खेलकूद प्रतियोगिता में सतनपुर स्कूल का रहा दबदबा



बोकारो : प्रखंड स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता के तीसरे दिन विभिन्न खेलकूद प्रतियोगिताओं में पीएम श्री उच्च विद्यालय सतनपुर का दबदबा रहा। आज की प्रतिस्पर्धा में खो खो और कबड्डी की प्रतियोगिताएं सतनपुर करारई गईं। खो-खो के अंडर-19 बालक वर्ग की प्रतियोगिता में सतनपुर स्कूल की टीम विजेता रही, जबकि राम रुद्र की टीम उप विजेता रही। वही खो खो बालक वर्ग अंडर 17 में सतनपुर की टीम विजेता रही जबकि रानी पोखर की टीम उप विजेता रही। खो खो अंडर 14 में मिर्धा की टीम विजेता रही जबकि सतनपुर की टीम उपविजेता रही। कबड्डी अंडर 19 प्रतियोगिता में सातनपुर की टीम उपविजेता रही। प्रतियोगिता के दौरान बी डे. ओ प्रतिम दास बीपीओ रंजीत भारती, वरिष्ठ शिक्षक मिथिलेश कुमार झा, विद्यालय के प्रधानाचार्य सेवादस हेंड्रम, अरुण मिश्रा, डॉ. रवि भूषण, दीपा पंकज चंद्र प्रकाश सिंह, सत्येंद्र यादव, रविंद्र सिंह, सुबोध यादव, पवन तिवारी, शक्ति विक्रम सिंह, सरिता, संजय रजक बलदेव शर्मा, कृति चंद्र शर्मा सुजीत सिंह आदि उपस्थित रहे। मंच का संचालन रामेंद्र कुमार ने किया।

बिजली की समस्या एवं नए ट्रांसफार्मर लगाने को लेकर स्थानीय लोगों ने विद्युत अभियंता को सौंपा ज्ञापन



बोकारो : चाम मे आए दिन बिजली की समस्या को लेकर लोगों को काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ता है इसी क्रम में चाम के वार्ड नंबर 14 रामनगर कॉलोनी में रहने वाले लोगों को बिजली के लिए काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है वहां रह रहे स्थानीय निवासी प्रेम राने ने बताया कि कॉलोनी से काफी दूर एवं ट्रांसफार्मर की क्षमता कम होने के कारण वहां रह रहे लोगों को आए दिन लो वोल्टेज का सामना करना पड़ता है कॉलोनी से ट्रांसफार्मर की दूरी काफी दूर है जिसकी वजह से लोगों को बिजली का कनेक्शन के लिए लंबे बिजली की तार लानी पड़ती है जो की इससे किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना हो सकती है एवं काफी लोड बढ़ जाने के कारण लोड सेडिंग की भी प्रॉब्लम रहती है इसके संबंध में वहां रह रहे सभी लोगों ने विद्युत विभाग को ट्रांसफार्मर बदलने के संबंध में आवेदन भी दिया मौके पर उपस्थित आलोक कुमार गुप्ता, सुरेश शर्मा, विभा देवी, रघुनाथ सिंह, बैजनाथ सिंह, वीणा देवी, रामसूर्य शाह, पंकज कुमार, राम नारायण सिंह, प्रीतम राय, पूजा कुमारी, गीता देवी एवं आदि लोग मौजूद रहे।

सरकार योजना बजट से अधिक पैसे इसके प्रचार पर खर्च कर रही : सुदेश महतो

प्रत्युष नवबिहार संवाददाता

गुमला : अपने कार्यक्रम में भीड़ लाने के लिए सरकार द्वारा विद्यालयों से बसें मांगी गई हैं, जिस वजह से आज राजधानी के कई स्कूल बंद हैं। सरकार बच्चों की पढ़ाई को बाधित कर रही है। सरकार योजना के बजट से अधिक पैसे इसके प्रचार पर खर्च कर रही है। महिलाओं के विचारों को सम्मान देना हमारी प्राथमिकता है। यह बातें पार्टी अध्यक्ष सुदेश कुमार महतो ने बुधवार को गुमला बाईपास रोड स्थित स्वर्ण भूमि बैंकवेट हॉल में आयोजित गुमला विधानसभा स्तरीय चूल्हा प्रमुख सम्मेलन सह शपथ ग्रहण समारोह में कही। मौके पर उपस्थित सभी चूल्हा प्रमुखों ने अपने पद की



शपथ ग्रहण की। इस दौरान कई स्थानीय युवाओं और समाजसेवियों ने पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। महतो ने कहा कि राज्य के स्वाभिमान की रक्षा और लोगों की भावना के अनुरूप विकास करने वाला लीडर चुनने का समय

है। तुष्टिकरण की राजनीति करने वाले नेताओं से विकास की उम्मीद नहीं की जा सकती है। देश की आजादी से लेकर अलग राज्य आंदोलन तक हर लड़ाई में गुमला की माटी पुत्रों ने अपना योगदान दिया है। इतिहास के पन्नों में उन्हें

जितना हिस्सा मिला चाहिए था वो नहीं मिला लेकिन वो किस्सा अभी भी जिंदा है। गांव और साधारण ग्रामीण परिवेश से निकलकर एक लीडर कैसे हर संघर्ष की लड़ाई को नेतृत्व दे सकता है इसका जौता जागता उदाहरण हमारा गुमला जिला और यहां के वासी हैं। महतो ने चूल्हा प्रमुखों को संबोधित करते हुए कहा कि आप सभी केवल वोट नहीं हमारे लीडर हैं। हर दस परिवार में एक नेतृत्वकर्ता तैयार करना हमारा उद्देश्य है। आपको इन दस परिवारों को आने वाली समस्याओं के निवर्तन के लिए कार्य करना है। आपकी जिम्मेदारी बड़ी है। आप अपनी मेहनत जारी रखिए। आपकी

मेहनत ही बदलाव लाने का काम करेगी। वर्तमान राजनीतिक वातावरण को बुनियादी रूप से बदलने की आवश्यकता है। इसके लिए हमें सिर्फ सुनने की आदत को बदलकर बोलने की आदत को अपनाना होगा। पार्टी के केंद्रीय मुख्य प्रवक्ता डॉ देवशरण भगत ने कहा कि सरकार ने हर युवा को मुद्रा में बदल दिया है। आज भ्रष्टाचार और अराजकता सरकार की मुख्य उपलब्धि रही है। इनकी प्राथमिकता मुद्रों को सुलझाने नहीं उसे उलझाने की रही है। आजसू पार्टी के सभी कार्यकर्ता अपनी एकजुटता के साथ राज्य में आवश्यक राजनीतिक बदलाव की पटकथा लिखेंगे।

बाबूलाल मरांडी से मिले युवा मोर्चा के कार्यकर्ता, समस्याओं से कराया अवगत

खूटी : भारतीय जनता युवा मोर्चा के कार्यकर्ताओं ने बुधवार को मंडल महामंत्री सतीश सिंह के अगुवाई में भाजपा के प्रदेश कार्यालय में अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी और राज्यसभा सांसद दुल्लू महतो से मुलाकात कर क्षेत्र की समस्याओं से अवगत कराया। मौके पर प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने कहा कि हेमंत सरकार के कार्यकाल में पूरे राज्य में अराजकता और अशांति का मौहल है। राज्य की जनता निराशा और हताश है। मरांडी ने कहा कि पूरे राज्य में अफसरशाही और भ्रष्टाचार का बोलबाला है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से कहा कि वे आनेवाले विधानसभा चुनाव में भ्रष्ट हेमंत सरकार को उखाड़ फेंकें। राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री ने का कि आनेवाले चुनाव जनता सबक सिखायेगी। मौके पर भाजपा नेता कुलदीप मिश्रा, महावीर गोप, दिवाकर सिंह, मुकेश राम, केशवर साहू आदि मौजूद थे।



कार्यपालक अभियंता का कार्यालय पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल, मेदिनीनगर

कार्य का नाम	प्रकल्पित राशि (₹00 में)	अग्रघन की राशि (₹00 में)	परिमाण विपत्र का मूल्य (₹00 में)	कार्य पूर्ण करने की अवधि
Supplying, fitting and fixing of 5.0 HP Electric Submersible Pumpset all complete in Medinirai Medical collage & Hospital, Medinainagar under D.W & S Division, Medinainagar for the year 2024-25.	25,54,633/-	51,500/-	5000/-	01 (एक) माह
वेबसाइट पर निविदा प्रकाशन की तिथि एवं समय				04.09.2024 / 12.30 बजे अपराह्न में।
बैठक प्राप्ति की अंतिम तिथि एवं समय				10.09.2024 / 5.00 बजे अपराह्न तक।
सरकार के संघीय सूचना प्रौद्योगिकी एवं ई-गवर्नेंस, झारखण्ड मंत्रालय, के द्वारा 120 दिनांक 03.10.2023 के आलेख में विपत्र का मूल्य एवं अग्रघन की राशि Online जमा करने की अंतिम तिथि एवं समय				10.09.2024 / 5.00 बजे अपराह्न तक।
निविदा खोलने की तिथि एवं समय				11.09.2024 / 05.00 बजे अपराह्न में।

यह शुद्धि-पत्र परिमाण विपत्र का भाग होगा एवं पेश पूर्वित रहने।
कार्यपालक अभियंता, पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल, मेदिनीनगर
PR 334767 District(24-25)_D

झारखण्ड सरकार कार्यपालक अभियंता सह राजमार्ग पदाधिकारी का कार्यालय पथ निर्माण विभाग, पथ प्रमण्डल, कोडरमा

06354-2227076 Email Id-ecerdkoderma-jbr@nic.in

अतिअल्पकालीन निविदा आमंत्रण सूचना संख्या-04 वर्ष 2024-25

क्र.सं.	अंश का नाम	प्रमण्डल का नाम	कार्य का नाम	प्रकल्पित राशि (₹00 में)	अग्रघन की राशि (₹00 में)	परिमाण विपत्र का मूल्य (₹00 में)	कार्य पूर्ण करने का समय
1	विभाग दाता का पदनाम एवं पता		कार्यपालक अभियंता, पथ निर्माण विभाग, पथ प्रमण्डल, कोडरमा।				
2	परिमाण विपत्र विक्री की तिथि		दिनांक 11.09.2024 को कार्यालय अवधि में।				
3	निविदा प्राप्त करने की तिथि एवं समय		दिनांक 12.09.2024 को 03.00 बजे अपराह्न तक।				
4	निविदा खोलने की तिथि एवं समय		दिनांक 12.09.2024 को 03.30 बजे अपराह्न में।				
5	परिमाण विपत्र विक्री की तिथि एवं समय		1. मुख्य अभियंता (यां०), पथ निर्माण विभाग, अतिअल्पकालीन उपाययोजना सं-2, धुवां, झारखण्ड, रांची। 2. अधीक्षण अभियंता, पथ निर्माण विभाग, पथ अंचल, हजारीबाग। 3. कार्यपालक अभियंता, पथ निर्माण विभाग, पथ प्रमण्डल, कोडरमा।				
6	निविदा प्राप्ति एवं खोलने का स्थान		1. मुख्य अभियंता (यां०), पथ निर्माण विभाग, अतिअल्पकालीन उपाययोजना सं-2, धुवां, झारखण्ड, रांची। 2. अधीक्षण अभियंता, पथ निर्माण विभाग, पथ अंचल, हजारीबाग। 3. कार्यपालक अभियंता, पथ निर्माण विभाग, पथ प्रमण्डल, कोडरमा।				

7. कार्य की विवरणी :-

क्र.सं.	अंश का नाम	प्रमण्डल का नाम	कार्य का नाम	प्रकल्पित राशि (₹00 में)	अग्रघन की राशि (₹00 में)	परिमाण विपत्र का मूल्य (₹00 में)	कार्य पूर्ण करने का समय
1			Emergent Traffic Restoration in Pataldih-Deori-Gawan-Satgawan Road (MDR-84) from Km 0.00 to 30.567 Km (Total Length =30.567 km) under Road Division, Koderma for the Year 2024-25 (Under Vivekadhin)	642010.00	13000.00	1250.00	02(दो) माह
2	हजारीबाग कोडरमा		Emergent Traffic Restoration in Doranda-Sankh-Vendro- Patna Road (MDR-114) from Km 0.00 to 22.40 (Total Length =22.40km) under Road Division, Koderma for the Year 2024-25 (Under Vivekadhin)	904748.00	18100.00	1250.00	02(दो) माह

निविदा की शर्तें कार्यालय के सूचना पत्र पर देखी जा सकती हैं।

1. प्राकल्पन की राशि घटने या बढ़ने पर अग्रघन एवं परिमाण विपत्र की राशि घट बढ़ सकती है।
2. कार्य का परिमाण विपत्र के क्रय हेतु पथ निर्माण विभाग का निबन्धन प्रमाण पत्र, GSTIN, UCAN से संबंधित प्रमाण-पत्र की सुसुध्द प्रति संलग्न करना अनिवार्य होगा अन्यथा परिमाण विपत्र निर्गत नहीं किया जायेगा।
3. PWD कोड में संशोधन के फलस्वरूप 10 प्रतिशत न्यूनतम दर की अधिस्वीकृति समाप्त कर दी गई है।

कार्यपालक अभियंता
PR 334671 Road (24-25)_D
पं०नि०वि० पथ प्रमण्डल, कोडरमा

झारखण्ड सरकार कार्यपालक अभियंता का कार्यालय, पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल, गोदा, रांची

अतिअल्प कालीन निविदा आमंत्रण सूचना सं-11/2024-25
Email Id - cedwsd.gonda@gmail.com

क्र.	विभाग का नाम	कार्य का नाम	प्रकल्पित राशि	अग्रघन की राशि	B.O.Q का मूल्य	कार्य समाप्ति की अवधि
1.	Renovation of Toilet Cum bath room & Improvement of W/S and sanitary fittings & Sewerage work & other Mis. Work at Qrt No 38 1st Floor Judge Colony Kanke Road Ranchi under D.W. & S. Division, Gonda, Ranchi.		Rs. 9,19,183.00	19,000.00	1250.00	30 दिन
2.	Renovation of Toilet & bath room & Improvement of W/S and sanitary fittings & Sewerage Work & Construction of Brick Masonry drain at Staff Quarter No-03 Speaker Residential Campus Kanke Road Ranchi. under D.W. & S. Division, Gonda, Ranchi.		Rs. 8,39,061.00	17,000.00	1250.00	30 दिन
3.	Improvement of W/S and sanitary fittings & Sewerage Work & Replacement of damaged CP fittings & Construction of RCC drain at Government of Jharkhand Residence Qrt No-05 Ratu Road, Ranchi under D.W. & S. Division, Gonda, Ranchi		Rs. 18,30,040.00	37,000.00	5000.00	30 दिन
4.	Re-Construction of 50000 Ltrs. Capacity RCC Sump in place of damaged & broken existing sump with Water Supply pipe Line and other misc. work near Gate No. -1, Rajbhawan Campus, Ranchi under D.W.& S. Division, Gonda Ranchi		Rs. 14,82,214.00	30,000.00	2500.00	2 माह
5.	Construction of Toilet & Bath Room and water supply arrangement at Out house(East Side) of Hon'ble the Chief Justice Residence Kanke Road, Ranchi under D.W. & S. Division, Gonda Ranchi.		Rs. 12,62,915.00	26,000.00	2500.00	1 माह
6.	Replacement of Filter Media of I No 2000 LPH (Double vessel 16"x65") FRP Iron and Turbidity Removal filter plant with multiple valve and necessary W/S pipe, replacement of CP fittings and its allied work at D-6 Near Machhalghar Booty Road Ranchi under D.W. & S. Division, Gonda, Ranchi.		Rs. 15,97,596.00	32,000.00	5000.00	7 दिन
7.	Improvement of W/S, S/L, sewerage work and replacement of damaged C.P and sanitary fittings at D/22, D/24, Officer's Flat, Dindayal Nagar,Booty Road Ranchi and others under D.W. & S Division Gonda Ranchi.		Rs. 6,54,033.00	14,000.00	1250.00	15 दिन
8.	Construction of 2 Nos Ball Fountain and Improvement of W/S work at Hon'ble Minister Minority welfare, Registration department & Tourism, art-culture, sports and youth affairs department Government of Jharkhand Deputy Para Ranchi under D.W. & S. Division, Gonda, Ranchi.		Rs. 23,06,421.00	47,000.00	5000.00	30 दिन
9.	Provision of Drinking Water and its allied work during tour & Sightseen of Common People at Rajbhawan Campus, Ranchi,under D.W. & S. Division, Gonda, Ranchi		Rs. 4,73,028.00	10,000.00	750.00	7 दिन
10.	Renovation of Musical fountain its allied work in Civil work Premises Campus of Rajbhawan under D.W. & S. Division, Gonda, Ranchi.		Rs. 16,00,296.00	33,000.00	5000.00	30 दिन
11.	Overhauling of 4000 LPH Iron cum Turbidity Removal filtration plant, Carbon filter Plant with multiple valve, & necessary water supply pipe line and its allied work at PA to Commissioner Bungalow, Dindayal Nagar Ranchi under D.W. & S. Division, Gonda, Ranchi.		Rs. 3,59,885.00	8,000.00	750.00	7 दिन

निधम एवं शर्तें सूचनापत्र पर देखा जा सकता है।
कार्यपालक अभियंता
PR 334726 Drinking Water and Sanitation(24-25)_D

भारतीय जनता पार्टी चैनपुर मंडल की कार्यसमिति की हुई बैठक

प्रत्युष नवबिहार संवाददाता

चैनपुर : भारतीय जनता पार्टी चैनपुर मंडल की कार्यसमिति बैठक स्थानीय दुर्गा मंदिर परिसर में मंडल अध्यक्ष बुधवार नावक की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक की शुरुवात वंदे मातरम के साथ की गई। तत्पश्चात अध्यक्ष ने विषय प्रवेश कराते हुए बैठक के निमित्त जिला से आए प्रभारियों का उपस्थित लोगों से परिचय कराते हुए कहा कि आज की ये बैठक शुद्ध रूप से काम काजी बैठक है इनके मार्गदर्शन में चलकर ही आगामी विधानसभा चुनाव में हम आप सभी को प्रथम लहरा सकते हैं। इस कार्यक्रम के प्रभारी जननारायण सिंह ने उपस्थित बूथ अध्यक्ष शक्ति केन्द्रों के संयोजक सह संयोजक का हौशला अफजाई करते हुए कहा कि हमें पंचम लहरा चाहिए की हम सब विश्व की सबसे बड़ी पार्टी भारतीय जनता पार्टी के युवा और संघर्षशील कार्यकर्ता है।



मजबूत होगा तो संगठन को मजबूती प्रदान होगी। साथ ही उन्होंने बूथ निरीक्षण के तहत प्रत्येक शक्ति केन्द्रों के प्रभारी भी नियुक्त किए। कार्यक्रम के निमित्त सह प्रभारी शकुंतला उरांव ने अपने महिला पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि वर्तमान की टगबंदन सरकार ने हमेशा ही हम महिलाओं को टगने का कार्य किया है आज मईया योजना के माध्यम से महीने दो महीने के लिए सरकार कुछ महिलाओं को एक हजार रुपए दे रही है लेकिन हम सब अच्छी तरह

से जानते हैं कि ये सिर्फ चुनाव जीतने के लिए झूठे वादे हैं। मौके पर मौजूद सेवानिवृत्त शिक्षक उमेश कुमार वर्मा ने कहा कि आदर्शपूर्ण प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में आज भारत प्रगति के पथ अग्रसर है। आज उनकी नीति का लोहा विदेश भी मान रहा है। मंच संचालन मंडल महामंत्री अमित पाण्डेय ने किया। वहीं इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से निवर्तमान मंडल अध्यक्ष मनोहर बड़ाइक युवा मोर्चा अध्यक्ष शशि भूषण सिंह, राजेशरण भगत त्रिभुवन प्रसाद अरविंद मौर्य मधुसूदन साव शिवा राम राजेश मांझी राजेश भगत प्रफुल्ल उरांव सहावीर गोप गुलाब साय मनोहर साहू बासुदेव मुंडा शेखर चौधरी अरुण सिंह,संतोष सिंह जगमोहन सिंह, असरिता देवी, ममता देवी, उर्मिला देवी, इला देवी सहित सभी बूथों के अध्यक्ष संयोजक सह संयोजक शक्ति केन्द्र के प्रभारी मौजूद थे।

युवक का शव कार के साथ बरामद

कोडरमा : जिले के नवलशाही थाना के ग्राम नवलशाही निवासी विकास साव (42) का हावड़ा क्षेत्र अंतर्गत एक तालाब से कार के साथ पुलिस ने बुधवार सुबह शव बरामद किया है। बताया जाता है कि हावड़ा क्षेत्र के तालाब स्थित स्थानीय लोगों ने देखा कि तालाब में कार डूबा है। इसके बाद स्थानीय लोगों ने पुलिस को सूचना दी, जहां से स्थानीय लोगों की मदद से कार को बाहर निकाला गया तो पाया कि कार में एक शव पड़ा है। शव की पहचान कोडरमा जिला अंतर्गत नवलशाही निवासी विकास के रूप में हुई। परिजनों का आरोप है कि विकास की हत्या कर तालाब में कार के साथ शव फेंक दिया गया। मालूम हो कि विकास साव 26 अगस्त से ही लापता थे जिसका दर्जना भी हावड़ा के थाना में सन था। मृतक हावड़ा में कार चलाता था। इधर हावड़ा पुलिस घटना को लेकर जांच में जुट गई है।

दूध बेचकर बनाया संपर्क और 80 लाख लेकर फरार, रांची से धराया

प्रत्युष नवबिहार संवाददाता

पलामू : दूध बेचते बेचते एक शख्स ने दर्जनों लोगों से संपर्क बनाया और उनके लाखों रूपए लेकर फरार हो गया। अबतक 20 लोगों ने 80 लाख रूपए लेकर वापस नहीं देने की जानकारी मेदिनीनगर शहर थाना में बुधवार को दी है। बकायेदारों के आंकड़े बढ़ भी सकते हैं। इसके साथ ही बकाया राशि भी बढ़ सकती है। हालांकि इसी क्रम में एक बकायेदार ने पैसे लेने वाले धीरेन्द्र प्रताप सिंह उर्फ छोटे सिंह को रांची से पकड़ा एवं शहर थाना लाया। वह पलामू जिले के चैनपुर थाना क्षेत्र के कटुवल का रहने वाला है। वह पिछले तीन वर्ष से अपने भाई के साथ मेदिनीनगर के रेडुमा में भगवती हॉस्पिटल के समीप डेयरी फार्म चला रहा था। बताया जाता है कि छोटे सिंह डेयरी फार्म के माध्यम से दूध लेकर डोर टू डोर बेचता था। इसी

क्रम में डेयरी फार्म से संबंधित जरूरत बताकर किसी से 50 हजार तो किसी से पांच तो किसी से 15 लाख रूपए ले लिए। इसी तरह बकायेदारों की संख्या बढ़ती चली गयी। बकाया राशि भी लाखों में पहुंच गयी। कर्ज का बोझ ज्यादा हो गया तो छोटे सिंह पत्नी और बच्चों को लेकर 18 अगस्त को फरार हो गया। कई स्तरों पर उसकी खोजबीन करने के बाद एक बकायेदार ने छोटे सिंह के बारे में जानकारी जुटायी एवं रांची से पकड़ा और शहर थाना लेकर पहुंचा। पुलिस धीरेन्द्र प्रताप सिंह उर्फ छोटे सिंह पर बकाया राशि देने के लिए दबाव बनायी तो उसने कुछ दिन का समय मांगा एवं इकरारनामा लिखा। धीरेन्द्र ने अपने इकरारनामा में 2027 तक सारे बकाए पैसे वापस देने की बात कही है। इसके बाद उसे छोड़ा गया।

हेसल पंचायत में आजसू पार्टी ने जन जागरण पदयात्रा निकाली

प्रत्युष नवबिहार संवाददाता

अनगड़ा : प्रखंड अंतर्गत हेसल पंचायत मिलन चौक में आजसू पार्टी द्वारा आयोजित जनजागरण पदयात्रा और बेरोजगार युवाओं के बायोडेटा संग्रह कार्यक्रम के बारे में कार्यक्रम की शुरुआत शहीद राजकुमार महतो के आदम कद प्रतिमा में माल्यार्पण के साथ सुरु किया गया मुख्य रूप से केन्द्रीय सचिव पारसनाथ उरांव थे मौके पर उरांव ने कहा बेरोजगार युवा युवतियों को मोरहावादी मैदान में 8 सितम्बर को लाखों की युवा टीम जुटी है और इसके साथ पंचायत के चुल्हा प्रमुख, ग्राम प्रभारी, और पंचायत प्रभारियों का अहम योगदान होगा जो पार्टी का पिलर मेम्बर है। मौके पर केन्द्रीय सचिव जितेन्द्र सिंह,



रांची जिला सह सचिव अजित महतो, अनगड़ा प्रखण्ड अध्यक्ष जगरनाथ महतो, प्रखण्ड सचिव धर्मेन्द्र सिंह, प्रखण्ड उपाध्यक्ष गोवर्धन महतो, प्रखण्ड कोषाध्यक्ष सुनील करमाली, कार्यकारी अध्यक्ष प्रेम कुमार साहू, और युवा एवं चूल्हा प्रमुख उपस्थित हुए।

छःमुहान से कचहरी चौक होकर रेडुमा तक वन वे, नोइट्री के समय भारी वाहनों का प्रवेश नहीं



प्रत्युष नवबिहार संवाददाता

पलामू : डालतनगंज शहरी क्षेत्र में यातायात व्यवस्था सुदृढ़ नहीं होने से नगरवासियों को सड़क जाम की जबरदस्त परेशानी से आए दिन जुझना पड़ता है। इसे लेकर नगर आयुक्त की अध्यक्षता में बुधवार को नगर निगम के हॉल में बैठक हुई। बैठक में शहर को जाम मुक्त एवं यातायात व्यवस्था सुदृढ़ बनाने हेतु सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि छःमुहान से कचहरी चौक होते हुए रेडुमा चौक वन वे रहेगा। यानि कि जो व्यवसायिक वाहन एक बार इस

मार्ग से गुजरेगें उन्हें दूसरे रास्ते से जाना होगा। यह व्यवस्था गुरुवार से लागू होगी। नोइट्री पीरियड में भारी वाहनों को शहर में प्रवेश नहीं करने दिया जाएगा। इसका समय सुबह 9 से रात 9 बजे तक निर्धारित है। अंटो चालकों एवं परिवहन क्षेत्र के सभी गाड़ियों से नगर निगम टैक्स के नाम पर सवेदकों द्वारा 24 घंटे में मात्र एक बार टैक्स शुल्क लेना है। किसी भी परिवहन वाहन के साथ गाळी गलेज या मारपीट टैक्स वसूलने वाले वालेंटियर्स नशे के हालत में कार्य स्थल पर नहीं होंगे।

गूंज परिवार की ओर से कल शिक्षक सम्मान समारोह का होगा आयोजन

सिल्ली : आगामी 6 सितंबर को अंबेडकर पार्क के समीप दोपहर 1 बजे से गूंज परिवार की ओर से शिक्षक सम्मान समारोह का आयोजन किया जाएगा। आयोजन में मुख्य अतिथि के रूप में झारखंड सरकार के पूर्व उपमुख्यमंत्री सह सिल्ली विधायक सुदेश कुमार महतो उपस्थित रहेंगे। सिल्ली विधानसभा क्षेत्र के सभी शिक्षक एवं पूर्व शिक्षकों को सम्मानित किया जाएगा। उक्त जानकारी गूंज परिवार की ओर से दी गई।

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय भवन निर्माण विभाग, भवन प्रमण्डल, रामगढ़

शुद्धि पत्र :-

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि अतिअल्पकालीन निविदा आमंत्रण सूचना सं-13/2024-25. PR No. 334117 है। जिसका प्रकाशन की तिथि 30.08.2024, निविदा डालने की अंतिम तिथि 6.09.2024 एवं निविदा खालेने की तिथि 09.09.2024 निर्धारित की गई थी। जिसे संशोधित करते हुए प्रकाशन की तिथि 03.09.2024, निविदा डालने की अंतिम तिथि 09.09.2024 एवं निविदा खालेने की तिथि 10.09.2024 को निर्धारित की जाती है। निविदा के अन्य शर्तें एवं सूचनाएं यथावत् रहेगा।

हो/-
कार्यपालक अभियंता
भवन प्रमण्डल, रामगढ़।
PR.No.334717 Building(24-25)_D

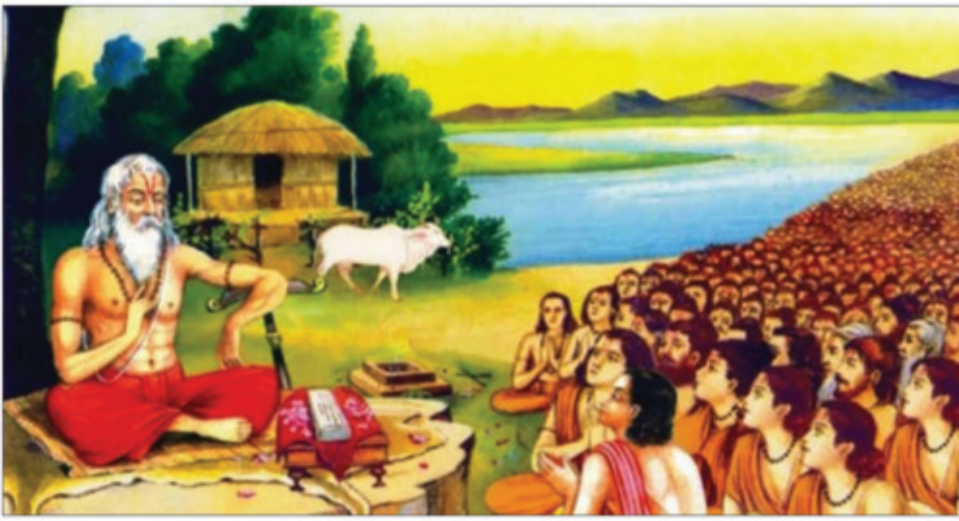
भारतीयता के अनुरूप शिक्षा से ही नया भारत संभव



ललित गर्ग

नई शिक्षा नीति का प्रमुख उद्देश्य बच्चों को सिर्फ साक्षर नहीं बनाना है बल्कि उनमें सामाजिक और भावनात्मक कौशल का समुचित विकास करना है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति में 2030 तक स्कूली शिक्षा के सर्वव्यापीकरण का लक्ष्य रखा गया है। इसमें पाठ्यक्रम की संरचना के साथ-साथ अध्यापन के तौर तरीकों और आकलन व्यवस्था में भी बदलाव को इंगित किया गया है।

शिक्षक उस माली के समान है, जो एक बगीचे को अलग अलग रूप-रंग के फूलों से सजाता है। जो छात्रों को संकटों में भी मुस्कुराकर चलने के लिए प्रेरित करता है। आज शिक्षा के माध्यम से राष्ट्र-निर्माण एवं शिक्षा को हर घर तक पहुंचाने के लिए तमाम सरकारी प्रयास किए जा रहे हैं। इसकी सफलता के सशक्त माध्यम शिक्षक ही हैं। भारत के राष्ट्रपति, महान दार्शनिक, चिन्तक, शिक्षाशास्त्री डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के जन्म दिवस को 5 सितम्बर को पूरे देश में शिक्षक दिवस के रूप में मनाया जाता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 घोषित की गयी, इसको लेकर देश में शिक्षा एवं शिक्षक पर व्यापक चर्चा आरंभ हो गई है। भारत की नई शिक्षा नीति में शिक्षा व्यवस्था के अलावा शिक्षकों की योग्यता एवं गुरुता पर विशेष ध्यान दिया गया है। पूरे देश में हाएक जैसे शिक्षक और एक जैसी शिक्षा पालिसी पर काम किया जा रहा है। इसके लिये अपेक्षित है कि केवल शिक्षा क्रांति ही नहीं, बल्कि शिक्षक क्रांति का संज्ञान हो। किसी भी राष्ट्र एवं समाज की बहुत बड़ी शक्ति होती है- शिक्षक वर्ग। इस वर्ग के कंधों पर राष्ट्र के भविष्य-निर्माण यानी नये भारत-सशक्त भारत-विकसित भारत का गुरुत्व दायित्व है। यदि इस दायित्व में थोड़ी-सी भी भूल रह जाती है तो समाज के निर्माण की नींव खोखली रह सकती है। वैदिक काल से ही भारत शैक्षणिक स्तर पर समृद्ध रहा है। इसी शिक्षा के आधार पर भारत विश्वगुरु कहलाता रहा है। गुरुकुल आधारित शिक्षा प्रणाली भारतीय परंपरा का प्रमुख अंग है। नालंदा और तक्षशिला की स्थापना तथा इसके प्रभाव से भारतीय शिक्षा व्यवस्था की समृद्ध परंपरा को जाना जा सकता है। लेकिन आजादी के बाद से हमारी वर्तमान शिक्षा प्रणाली ब्रिटिश ढांचे पर अग्रसर हुई है, जिसके कारण शिक्षा मिशन न होकर, व्यवसाय बन गया है। तमाम शिक्षक एवं शिक्षालय अपने ज्ञान की बोली लगाने लगे हैं। वर्तमान परिप्रेक्ष्य में देखें तो गुरु-शिष्य की परंपरा कहीं न कहीं कलंकित हो रही है। आए दिन शिक्षकों द्वारा छात्रों एवं छात्रों द्वारा शिक्षकों के साथ दुर्व्यवहार, मारपीट एवं अनुशासनहीनता की खबरें सुनने को मिलती हैं। इसे देखकर हमारी संस्कृति की इस अमूल्य गुरु-शिष्य परंपरा पर प्रश्नचिह्न लगने लगे हैं। शिक्षक दिवस एक अवसर है जब हम धुंधली होती शिक्षक की आदर्श परम्परा एवं शिक्षा को परिष्कृत करने और जिम्मेदार व्यक्तियों का निर्माण करने की दिशा में नयी शिक्षा नीति के अन्तर्गत ठोस कार्य करें। वैश्वीकरण के इस दौर में हमारा समाज एक अज्ञात भविष्य की ओर अग्रसर दिखाई देता है। बढ़ती जनसंख्या और सीमित संसाधनों के साथ



हमारे देश को नई समस्याओं का सामना करना है। भविष्य की चुनौतियों का सामना करने के लिए हमें ऐसे ज्ञान, कौशल और दक्षता की आवश्यकता होगी जो हमारी समस्या समाधान में योगदान कर सके। हजाराों की संख्या में उच्च शैक्षणिक, शोध संस्थानों तथा मानव संसाधन की प्रचुरता के बावजूद भारत में अभी ज्ञान संस्कृति का विकास और विस्तार तीव्र गति से नहीं हो पाया है। हमारी वैदिक संपदा का व्यावहारिक उपयोग भी नाकामि है। आज प्रतिभा पलायन भारत की एक बड़ी समस्या है। 2011 की जनगणना के अनुसार 26 प्रतिशत से अधिक भारतीय अभी भी निरक्षर हैं जो कि बेहद डरावना आंकड़ा है क्योंकि एक राष्ट्र के रूप में हमारी महत्त्वकांक्षाएं इससे ज्यादा की मांग करती हैं। नई शिक्षा नीति में पारंपरिक से आधुनिक शैक्षणिक प्रतिमानों में गहरा बदलाव करके पूर्ण मानवीय क्षमता को प्राप्त करने, एक समतापूर्ण समाज विकसित करने और राष्ट्रीय विकास को बढ़ावा देने के व्यापक प्रयत्न हो रहे हैं। अब अनुभववात्मक शिक्षा और समग्र छात्र विकास की दिशा में एक आदर्श बदलाव की शुरुआत हो रही है। इस समकालीन शैक्षणिक परिवर्तन में, क्या सीखना है से लेकर कैसे सीखना है, इस पर जोर दिया जाता है। आलोचनात्मक सोच, निर्णय लेने और समस्या-समाधान के कौशल को बढ़ावा दिया जा रहा है। इसके अतिरिक्त, यह उद्यमशीलता, नवाचार और अनुकूलनशीलता जैसे गुणों को विकसित करने के महत्व को रेखांकित करती है। भारत अब विज्ञान और प्रौद्योगिकी के युग का गवाह बन रहा है। भारत में

शिक्षा ने अब खुद को पुनर्गठित किया है ताकि इस बात पर जोर दिया जा सके कि हमारे दैनिक जीवन में प्रौद्योगिकी कितनी आवश्यक है। इसी शिक्षा के कारण भारत का हाल आज भी गर्व और गौरव से उन्नत है। भारत की मुक्त कल से प्रशंसा करते हुए एफ. डब्ल्यू. टॉमस ने लिखा है- 'भारत में शिक्षा विदेशी पोषा नहीं है। संसार का कोई भी ऐसा देश नहीं है, जहां ज्ञान के प्रति प्रेम का इतने प्राचीन समय में आविर्भाव हुआ हो या जिसने इतना चिरस्थायी और शक्तिशाली प्रभाव डाला हो।' महात्मा गांधी के अनुसार सर्वांगीण विकास का तात्पर्य है- आत्मा, मस्तिष्क, वाणी और कर्म-इन सबके विकास में संतुलन बना रहे। स्वामी विवेकानंद के अनुसार सर्वांगीण विकास का अर्थ है- हृदय से विशाल, मन से उच्च और कर्म से महान। सर्वांगीण व्यक्तित्व के विकास हेतु शिक्षक आचार, संस्कार, व्यवहार और विचार- इन सबका परिमार्जन करने का प्रयत्न करते रहते थे। इन्हीं सब चचाओं के मध्य हम देखेंगे कि 1986 की शिक्षा नीति में ऐसी क्या कमियां रह गई थीं जिन्हें दूर करने के लिये नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति को लाने की आवश्यकता पड़ी। साथ ही क्या वह नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति उन उद्देश्यों को पूरा करने में सक्षम होगी जिसका स्वप्न महात्मा गांधी और स्वामी विवेकानंद ने देखा था? यह स्वप्न है जिसके माध्यम से मनुष्य की आंतरिक शक्तियों का विकास, व्यवहार को परिष्कृत करना तथा ज्ञान एवं कौशल में वृद्धि कर मनुष्य को योग्य नागरिक बनाना। शिक्षकों पर इस दुनिया में सबसे प्रेरक काम और एक बड़ी जिम्मेदारी है। शिक्षक ज्ञान का पंजर हैं जो अपने शिष्यों को

अपना ज्ञान देने में विश्वास करते हैं जिससे उनके शिष्य भविष्य में दुनिया को बेहतर बनाने में सहायता कर सकेंगे। इससे ऐसी पौढ़ी निर्मित होगी जो उज्वल और बुद्धिमान हो तथा वह जो दुनिया को उसी तरीके से समझे जैसी यह है और जो भावनाओं से नहीं बल्कि तर्क और तथ्यों से प्रेरित हो। हर शिक्षक अपने विद्यार्थी के व्यक्तित्व को तराशकर उसे महनीय और सुदृढ़ रूप प्रदान करते हैं। हर पल उनकी शिक्षाएं प्रेरणा के रूप में, शक्ति के रूप में, संस्कार के रूप में जीवंत रहती हैं। महान-दार्शनिक आचार्य महाप्रज्ञ के शब्दों में -'व्यक्तित्व-निर्माण का कार्य अत्यन्त कठिन है। निःस्वार्थी और जागरूक शिक्षक ही किसी दूसरे व्यक्तित्व का निर्माण कर सकता है।' हमने सुपर-30 फिल्म में एक शिक्षक के जुनून को देखा। इस फिल्म में प्रो. आनन्द के शिक्षा-आन्दोलन को प्रभावी ढंग से प्रस्तुति दी गयी है। आजादी के अमृतकाल यानी पिछले 75 वर्षों में शिक्षा के क्षेत्र में हयने ऐतिहासिक उपलब्धियां प्राप्त की हैं तो कई ऐसे प्रश्न हैं जो हमारी शिक्षा व्यवस्था के समक्ष गंभीर चुनौती हैं। वैश्वीकरण और बाजारीकरण के दौर में हमारी शिक्षा व्यवस्था को भारतीयता के अनुकूल बनाने की जरूरत है। वर्तमान समय में विद्यार्थियों के संदर्भ में एक शिक्षक की भूमिका और भी महत्त्वपूर्ण होती जा रही है क्योंकि उसे न केवल बच्चों का बौद्धिक, नैतिक, मनोवैज्ञानिक तथा शारीरिक विकास करना है बल्कि सामाजिक, चारित्रिक, नैतिक एवं सर्वांगीण विकास भी करना है। नई शिक्षा नीति का प्रमुख उद्देश्य बच्चों को सिर्फ साक्षर नहीं बनाना है बल्कि उनमें सामाजिक और भावनात्मक कौशल का समुचित विकास करना है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति में 2030 तक स्कूली शिक्षा के सर्वव्यापीकरण का लक्ष्य रखा गया है। इसमें पाठ्यक्रम की संरचना के साथ-साथ अध्यापन के तौर तरीकों और आकलन व्यवस्था में भी बदलाव को इंगित किया गया है। यह एक वृहद दस्तावेज है जिस पर विमर्श जारी है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति पर यह आरोप भी है कि संसाधनहीनता की स्थिति में हम कैसे अपने शैक्षणिक ढांचे में आमूलचूल परिवर्तन ला सकते हैं? प्राचीन काल में शिक्षा का उद्देश्य 'सा विद्या या विमुक्तये' रहा अर्थात् विद्या वही है, जो मुक्ति दिलाए। आज शिक्षा का उद्देश्य हमसा विद्या या निमुक्तयेहू हो गया है अर्थात् विद्या वही जो शिक्षा दिलाए। इस दृष्टि से शिक्षा के बदलते अर्थ ने समाज की मानसिकता को बदल दिया है। यही कारण है कि आज समाज में लोग केवल शिक्षित होना चाहते हैं, सुशिक्षित यानी गुण-सम्पन्न नहीं बनना चाहते। मानो उनका लक्ष्य केवल बौद्धिक विकास ही है। इन स्थितियों से शिक्षकों को बाहर निकलने में नई शिक्षा नीति से बहुत अपेक्षाएं हैं।

संपादकीय

चिंता का समाधान

बांग्लादेश में हिन्दुओं और अन्य अल्पसंख्यकों को लेकर हर कोई चिंतित है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अखिल भारतीय प्रचार प्रमुख सुनील आंबेकर ने पलकट्टि में तीन दिवसीय सम्मेलन समन्वय बैठक में यह कहा। उन्होंने बताया कि विभिन्न संगठनों द्वारा बांग्लादेश की स्थिति पर विस्तृत रिपोर्ट दी। विभिन्न संगठनों के प्रतिनिधियों और बयानों के माध्यम से केंद्र सरकार से अनुरोध किया गया है कि वह बांग्लादेश सरकार के साथ मिल कर काम करे। तमिलनाडु में मिशनरियों द्वारा धमाराण गतिविधियां चलाए जाने का आरोप लगाते हुए इसे गंभीरता से लेने को कहा गया है जबकि घाना देने योग्य तथ्य यह है कि बीते साल सुप्रीम कोर्ट में तमिलनाडु सरकार इसके बावत हलफनामा दे चुकी है। हलफनामे के अनुसार कई वर्षों से राज्य में जबर्न धर्म परिवर्तन की कोई घटना नहीं हुई है। शेख हसीना के प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा देकर भारत आने के बाद से बांग्लादेश में कई मंदिरों, हिन्दुओं के मकानों और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों को निशाना बनाया गया है। बांग्लादेश की राजनीति में अल्पसंख्यकों खासकर हिन्दुओं की सुरक्षा का मसला राजनीति और सत्ता में बदलाव के साथ ही संवेदनशील हो जाता है। अवाामी लोग की भारी हार के बाद 2001 में भी हिन्दु समुदाय पर बड़े पैमाने पर हमले किए गए थे। कुछ संगठनों का तो यहां तक दावा है कि शेख हसीना के पलायन के बाद चार दर्जन जिलों में द्वाइं सौ से ज्यादा घटनाएं हुईं। हिन्दु, बौद्ध और ईसाई एकता संगठन दो सौ से ज्यादा हमलों और उत्पीड़न की घटनाओं का दावा कर रहे हैं। वे अल्पसंख्यक आयोग बनाने और इन घटनाओं की जांच की मांग कर रहे हैं। बांग्लादेश की आबादी में अल्पसंख्यकों का कुल आठ प्रतिशत है। विशेषकों का कहना है कि हिन्दुओं पर होने वाले हमले राजनीतिक से ज्यादा संप्रदायिक ज्यादा हैं। हालांकि इस बात पर कोई संदिह नहीं कि हिन्दुओं के साथ होने वाली इन घटनाओं का फायदा अवाामी लोग के साथ-साथ भारत भी परीक्ष तौर पर लेता है। भारत सरकार बांग्लादेश के साथ अपने राजनीतिक संबंधों को बिगाड़ने को कतई राजी नहीं नजर आ रही। हालांकि वहां की अंतरिम सरकार और सेना पर दबाव बना कर फौरी राहत की बात हो सकती है। साथ ही, अंतरराष्ट्रीय समुदाय को भी वहां हस्तक्षेप करने के लिए राजी करने जैसे कदम उठाए जा सकते हैं।

चितन-मन

पशुवध निंदनीय-दंडनीय कर्म

सतोगुण में किये गये पुण्यकर्मों का फल शुद्ध होता है, अतएव वे मुनिगण, जो समस्त मोह से मुक्त हैं, सुखी रहते हैं। लेकिन रजोगुण में किये गये कर्म दुःख का कारण बनते हैं। भौतिक सुख के लिए जो भी कार्य किया जाता है, उसका विफल होना निश्चित है। उदाहरणार्थ, यदि कोई गगनचुम्बी प्रासाद बनवाना चाहता है, तो उसके पूर्व अत्यधिक कष्ट उठाना पड़ता है। मालिक को धन-संग्रह के लिए कष्ट उठाना पड़ता है और प्रासाद बनाने वाले श्रमिकों को श्रम करना होता है। अतएव भगवद्गीता का कथन है कि रजोगुण के अधीन होकर जो भी कर्म किया जाता है, उसमें निश्चित रूप से महान कष्ट भोगने होते हैं। इससे वह मानसिक तृप्त हो सकती है कि मैंने यह मकान बनवाया या इतना धन कमाया, लेकिन यह वास्तविक सुख नहीं है। जहां तक तमोगुण का सम्बन्ध है, कर्ता को कुछ ज्ञान नहीं रहता, अतएव उसके समस्त कार्य उस समय दुःखदायक होते हैं और बाद में उसे पशु जीवन में जाना होता है। पशु जीवन सदैव दुःखमय है, यद्यपि माया के वशीभूत होकर वे इसे समझ नहीं पाते। पशुओं का वह भी तमोगुण के कारण है। पशु-वधिक यह नहीं जानते कि भविष्य में इस पशु को ऐसा शरीर प्राप्त होगा, जिससे वह उनका वध करेगा। यही प्रकृति का नियम है। मानव समाज में यह कर्म का नियम है। अज्ञानवश लोग अनुभव नहीं करते कि संसार परमेश्वर द्वारा नियंत्रित एक पुरा राज्य है। प्रत्येक जीवित प्राणी परमेश्वर की संतान है और उन्हें एक चाँटी तक का मारा जाना सख्त नहीं है। इसके लिए मनुष्य को दंड भोगना पड़ता है। अतएव स्वाद के लिए पशु-वध में (सित) रक्त अज्ञान मनुष्य को पशुओं के वध की आवश्यकता नहीं है, क्योंकि ईश्वर ने अनेक अच्छी वस्तुएं प्रदान की हैं। यदि कोई किसी कारण मांसाहार करता है, तो वह समझना चाहिए कि वह अज्ञानवश ऐसा कर रहा है और अपने भविष्य को अंधकारमय बना रहा है।



पंकज चतुर्वेदी

इस बार राजधानी दिल्ली पर कुल आठ बार ठीकठाक बादल बरसे और बमुश्किल एक घंटे की बरसात में ही दिल्ली ठिठक गई। कोई 65 लोग बरसात में जलभराव या भर पानी में बिजली का करंट आने से मर चुके हैं। आकाश से राहत की बूँद गिरीं और क्या मिटों रोड तो क्या नवनिर्मित प्रगति मैदान की सुरंग, हर जगह पानी शहर की रफ्तार थाम देता है। जिस शहर के बीचोबीच से 22 किमी. तक यमुना बहती है, वह शहर प्यास बुझाने को उसी यमुना का पानी 104 किमी. दूर करनल से मूनक नहर के जरिए लेता है। जिन जल-तिजोरियों को बरसात की हर बूँद सहेजने के लिए इस्तेमाल किया जाना था, उन्हें 'रिवल एस्टेट' मान लिया गया और कुदरत की नियामत बरसते ही बेपानी विशालकाय शहर की पूरी सड़कें, कॉलोनियों पानी से लबालब हो जाती हैं। कशा! केवल यमुना को अतिरल बहने दिया जाता है और उससे जुड़े तालाबों और नहरों को जीवन दे दिया जाता तो दिल्ली से दुगुने बड़े शहरों को पानी देने और बारिश के चरम पर भी हर बूँद को समेट लेने की क्षमता इनमें है। दिल्ली में जलभराव का कारण यमुना का गाद (सिल्ट) और कचरे के कारण इतना उथला हो जाना है कि महज एक लाख क्यूसेक पानी आ जाए तो इसमें बाढ़ आ जाती है। नदी की जल ग्रहण क्षमता को कम करने में बड़ी मात्रा में जमा गाद, रेत, सीवेज, पूजा-

मदर टेरेसा : पुण्यतिथि- करुणा और सेवा का दूसरा नाम है : मदर टेरेसा



दीवारों से बाहर निकलकर समाज के सबसे गरीब और पीड़ित लोगों के बीच काम करना चाहिए। इस आह्वान को स्वीकार करते हुए, उन्होंने 1950 में मिशनरी ऑफ चैरिटी नामक संस्था की स्थापना की। इस संगठन का उद्देश्य था उन लोगों की सेवा करना जिन्हें कोई नहीं चाहता, जिनकी कोई परवाह नहीं करता, और जो समाज द्वारा छोड़े जा चुके हैं। मिशनरी ऑफ चैरिटी ने गरीबों, बीमारों, अनाथों और मरते हुए लोगों की सेवा

का संकल्प लिया। मदर टेरेसा ने कोलकाता में निर्मल हृदय नामक आश्रय गृह की स्थापना की, जहां मरने वालों को गरिमा के साथ देखभाल और शांति प्रदान की जाती थी। उनकी करुणा और सेवा ने उन्हें न केवल भारत में, बल्कि पूरे विश्व में एक आदर्श के रूप में स्थापित किया। उनके कार्यों ने दुनिया भर के लोगों का दिल जीत लिया और समाज सेवा के क्षेत्र में एक नई दिशा दी। मदर टेरेसा के कार्यों को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर

पहचान मिली। 1979 में उन्हें नोबेल शांति पुरस्कार से सम्मानित किया गया। इस सम्मान को स्वीकार करते हुए, उन्होंने पूरी पुरस्कार राशि को गरीबों और जरूरतमंदों की सेवा में लगा दिया। उन्होंने अपने जीवन में सादगी, त्याग और समर्पण का उदाहरण प्रस्तुत किया। उन्होंने यह दिखाया कि सच्ची खुशी दूसरों की सेवा करने में है, और इस विचारधारा ने लाखों लोगों को प्रेरित किया है। मदर टेरेसा का जीवन 5 सितंबर 1997 को समाप्त हुआ, लेकिन उनकी विरासत आज भी जीवित है। 2016 में, उन्हें पोप फ्रांसिस द्वारा संत घोषित किया गया, और अब उन्हें संत टेरेसा के नाम से जाना जाता है। उनका जीवन इस बात का प्रमाण है कि प्रेम, सेवा, और करुणा के माध्यम से दुनिया को बदला जा सकता है। उन्होंने हमें सिखाया कि एक व्यक्ति का समर्पण और करुणा अनगिनत लोगों की जिंदगी बदल सकता है। मदर टेरेसा का जीवन न केवल प्रेरणादायक है, बल्कि यह हमें यह भी सिखाता है कि सेवा करने में सच्ची सफलता और संतोष दूसरों की सेवा करने में निहित है। उनका उदाहरण हमें यह याद दिलाता है कि चाहे परिस्थितियां कितनी भी कठिन क्यों न हों, मानवता के प्रति हमारी सेवा और समर्पण ही हमें सच्ची शांति और संतोष प्रदान कर सकता है। उनके कार्य और उनके द्वारा दी गई शिक्षा हमें हमेशा प्रेरित करती रहेगी, और उनकी विरासत हमेशा हमारे दिलों में जीवित रहेगी।

- डी. डेविड

उथली होती यमुना : तो हर फुहार के साथ दिल्ली डूबेगी ही...



पाठ सामग्री, मलबा और तमाम तरह के कचरे का योगदान है। 1994 से अब तक यमुना एक्शन प्लान के तीन चरण आ चुके हैं, हजारों करोड़ रुपये खर्च हो चुके हैं पर यमुना में गिरने वाले दिल्ली के 21 नालों की गाद भी अभी तक नहीं रोकी जा सकी है। जब नाले का पानी नदी की तरफ लपकता है और उथली नदी में पहले से ही नाले के मूह तक पानी भर जाता है तो नदी के प्रवाह से उपजे प्रतिगामी बल से नाले पलट कर सड़कों को दरिया बना देते हैं। कभी यमुना का बहाव और हाथी दुब्खा गहराई आज के मयूर विहार, गांधी नगर, ओखला, अक्षरधाम तक हुआ करती थी। एक तरफ ढेरों वैध-अवैध कॉलोनियों और सरकारी भवनों के कारण नदी की चौड़ाई कम हुई तो दूसरी तरफ गहराई में गाद भर गई। इस तरह जीवनदायी बरसात के जल को समेटने वाली जल धार को कूड़ा

ढोने की धार बना दिया गया। जब नदी-नहर पानी की कमी पूरी कर नहीं पाते तो जमीन में छेद कर पानी उतारिजा जाता है, यह जाने बचेर कि इस तरह भूजल स्तर से बेपरवाही का असर यमुना के जल स्तर पर ही पड़ रहा है। बात आबादी बसाने की हो या उनके लिए सुचारु परिवहन के लिए पुल या मेट्रो बनाने की, हर बार यमुना की धारा के बीचो बीच खंभे गाड़े जा रहे हैं। वजोरावाद और ओखला के बीच यमुना पर 22 पुल बन चुके हैं, और चार निमाणाधीन हैं, और इन सभी ने यमुना के नैसर्गिक प्रवाह, गहराई और चौड़ाई को नुकसान पहुंचाया है। रही-बचो कसर अवैध आवासीय निमाणों ने पूरी कर दी जो देखते-देखते यमुना का कछर अर्थात् जहां तक नदी अपने पूरे जीवन में लहरा सके, को ही हड़प गए। कछर में अतिक्रमण ने नदी के फैलाव को रोक दिया और इससे

जल-ग्रहण क्षमता कम हो गई। तभी इसमें पानी आते ही कुछ ही दिनों में बह जाता है। सरकारी बस्तों में दर्ज है कि यमुना के दिल्ली प्रवेश वजोराबाद बैराज से ओखला बैराज तक के 22 किमी. में 1700 हेक्टेयर की कछर भूमि पर पक्के निर्माण हो चुके हैं। इसमें से 3638 हेक्टेयर को दिल्ली विकास प्राधिकरण खुद नियमित अर्थात् वैध बना चुका है। यहाँ पूरी तरह सरकारी अतिक्रमण हुआ-100 हेक्टेयर में अक्षरधाम मंदिर, खेल गांव का 63.5 हेक्टेयर, यमुना बैंक मेट्रो डिपो 40 हेक्टेयर और शास्त्री पार्क मेट्रो डिपो 70 हेक्टेयर। आईटी पार्क, दिल्ली सचिवालय, मजनुं का टीला और अग्र फुजल एनक्लेव जैसे बड़े वैध-अवैध अतिक्रमण हर साल बढ़ रहे हैं। सेंटर फॉर साइंस एंड एनवायरमेंट के शोध के मुताबिक, यमुना के बाढ़ क्षेत्र में 600 से अधिक आर्दभूमि और जल निकास्य थे, लेकिन उनमें से 60प्र. से अधिक अब सूखे हैं। रिपोर्ट में आगे कहा गया है, 'यमुना बाढ़ क्षेत्र में यमुना से जुड़ी कई जल-तिजोरियों का संपर्क तटबंधों के कारण नदी से टूट गया।' समझना होगा कि अरावली से चल कर नजफमढ़ झील में मिलने वाली साहबी नदी का इस झील को यमुना से जोड़ने वाली नैसर्गिक नहर का नाला बनना हो या सराय कालेखंड के पास बारा पुला या खिड़की गांव का सात पुला या लोधी गार्डन की नहरें, असल में ये सभी यमुना में क्षमता से अधिक पानी आने पर तो उसे जोड़-तालाब में सहेजने का जरिया थी। शहर को चमकाने के नाम पर इन सभी सदियों पुरानी संरचनाओं को तबाह किया गया, सो न अब बरसात का पानी तालाब में जाता है, और न ही बरसात के दिनों में सड़कों पर जल जमाव रुक पाता है। जब दिल्ली बसी ही इसलिए थी कि यहाँ यमुना बहती थी, सो जान लें कि यदि दिल्ली को जलभराव से जूझना है तो यही अनिवार्य है, उसकी गहराई और पाट बचे रहें, यही अनिवार्य है। वरना तैयार रहिए अपनी संपदा यमुना को चोट पहुंचाने के चलते सावन-भादों में हर फुहार के साथ दिल्ली डूबेगी ही!

एक नजर

नाबालिग बच्ची बरामद, दो आरोपी गिरफ्तार

कोडरमा : सतगावा पुलिस ने अपहरण की गई नाबालिग बच्ची को चेन्नई से सकुशल बरामद कर लिया है। इस घटना में शामिल दो आरोपीत को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपीत फैजान अली उर्फ राजा (22) तथा इमरान आलम (24) को चेन्नई से गिरफ्तार कर सतगावा थाना लाया गया, जिसे न्यायिक हिरासत में कोडरमा भेज दिया गया। नाबालिग बच्ची के पिता के द्वारा 1 सितंबर को अपनी बच्ची के अपहरण के मामले को लेकर थाने में आवेदन दिया गया था 68/24 मामला दर्ज किया गया। पुलिस अधीक्षक कोडरमा अनुदीप सिंह के आदेश के आलोक में पीड़िता के सकुशल बरामदगी एवं अभियुक्त के गिरफ्तारी के लिए एक विशेष टीम गठित की गई। टीम में शामिल थाना प्रभारी विजय गुप्ता, एस आई कार्तिक सिंह मुंडा, एएसआई दिनेश मुर्मू, समिति टैक्निकल सेल तकनीकी शाखा एवं अन्य पुलिसकर्मियों के द्वारा छापेमारी कर पीड़ित बच्ची को सकुशल बरामद की गई एवं दो आरोपीत को पुलिस ने गिरफ्तार किया है।

तोरपा थाना परिसर में लगाये गये महोगनी के पौधे

खूटी : स्वयंसेवी संस्था सीएसएल के सौजन्य से बुधवार को तोरपा थाना परिसर में महोगनी के पौधे लगाये गये। तोरपा के थाना प्रभारी पभात रंजन पांडेय द्वारा पौधा रोपण किया गया। मौके पर थाना प्रभारी ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण की दिशा में सीएसएल संस्था की यह पहल काफी सराहनीय है। उन्होंने कहा कि हम सभी को पौधा रोपण कर उनका संरक्षण करना होगा, तभी हम बच पायेंगे। पांडेय ने कहा कि पूरी मानव जाति ही नहीं, दूसरे जीव-जंतु भी पर्यावरण पर ही आश्रित हैं। इसलिए हम सभी को अपने गांव-घर के आसपास पौधारोपण जरूर करना चाहिए।

लोहरदगा के कुड्डु में फिर पहुंचे हाथी

लोहरदगा : जिले के कुड्डु प्रखंड में 18 हाथियों के झुंड ने बुधवार दोपहर तक चंदवा प्रखंड के बरवाटोली जंगल में डेरा जमाए रखा। बताया जाता है कि वन प्रमंडल लोहरदगा ने पश्चिम बंगाल के बाकुड़ा से हाथियों को भगाने के लिए एक 12 सदस्यों की टीम बुलाई है। हाथियों के झुंड के दोबारा आने से कुड्डु प्रखंड के तीन पंचायतों चंदलासो, जिगी तथा उड्डुगुडु गांव के ग्रामीणों में देहशत उत्पन्न हो गया है।

महाराष्ट्र के निवाची पदाधिकारियों को प्रशिक्षण देंगे तोरपा के बीडीओ कुमुद झा

खूटी : तोरपा के प्रखंड विकास पदाधिकारी कुमुद कुमार झा महाराष्ट्र के निवाची पदाधिकारियों और सहायक निवाची पदाधिकारियों को प्रशिक्षण देंगे। चुनाव आयोग, भारत सरकार के इंडिया इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ डेमोक्रेसी एंड इलेक्शन मैनेजमेंट ने उन्हें वहां निवाची पदाधिकारियों और सहायक निवाची पदाधिकारियों को प्रशिक्षण देने के लिए आमंत्रित किया है। प्रशिक्षण शिबिर का आयोजन आठ से 11 सितंबर तक महाराष्ट्र के छत्रपति शम्भाजी नगर, (औरंगाबाद) में किया गया है। तोरपा के बीडीओ कुमुद झा चुनाव आयोग भारत सरकार के नेशनल लेवल मास्टर ट्रेनर हैं। इसके पूर्व उन्होंने उत्तर प्रदेश, हरियाणा, आंध्र प्रदेश आदि राज्यों के निवाची पदाधिकारी तथा सहायक निवाची पदाधिकारियों को प्रशिक्षण दे चुके हैं। झा इसके पूर्व इसी वर्ष 26 जुलाई को निर्वाचन आयोग भारत सरकार के इंडिया इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ डेमोक्रेसी एंड इलेक्शन मैनेजमेंट में आयोजित सेमिनार में हिस्सा लिया था।

अल्ट्रासाउंड केंद्रों का नियमित निरीक्षण करने का उपायुक्त ने दिया निर्देश

प्रत्युष नवबिहार संवाददाता

मेदिनीनगर (पलामू) : उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी शशि रंजन ने बुधवार को अपने कार्यालय कक्ष में पीसी एवं पीसीपीएनडीटी एक्ट के तहत किये जा रहे कार्यों की समीक्षा की। इस दौरान उपायुक्त ने जिले में रजिस्टर्ड अल्ट्रासाउंड क्लिनिक की जानकारी ली। इस दौरान उन्होंने पीसीपीएनडीटी टीमों को जिले में अवैध रूप से संचालित होने वाले अल्ट्रासाउंड केंद्रों की लगातार जांच करते रहने की बात कही। उन्होंने कहा कि अगर कोई भी अल्ट्रासाउंड क्लिनिक पीसीपीएनडीटी एक्ट का उल्लंघन करता है तो उसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने की बात कही। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को लिंग प्रशिक्षण करने



वाले अल्ट्रा साउंड केंद्रों का सीधे तौर पर लाइसेंस रद्द करते हुए उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने की बात कही। अल्ट्रासाउंड केंद्रों का नियमित निरीक्षण करने का दिया निर्देश

पीसीपीएनडीटी एक्ट की समीक्षा के दौरान उपायुक्त रंजन ने सभी अल्ट्रासाउंड क्लिनिक के लिंग प्रशिक्षण का अनुश्रवण एवं पर्यवेक्षण के लिए गठित जिला स्तरीय टीम को नियमित निरीक्षण करने का निर्देश

मोबाइल दुकान से चोरी करते तीन युवक गिरफ्तार



प्रत्युष नवबिहार संवाददाता

चतरा : टंडवा थाना क्षेत्र के तेलियाडीह मुख्य चौक स्थित निर्मल टेलिकॉम नामक मोबाइल दुकान से चोरी करने के प्रयास में जुटे तीन युवकों को बुधवार को लोगों ने पकड़ा और पुलिस के हवाले कर दिया है। पुलिस ने पकड़े गए तीनों युवकों के पास से विभिन्न टेलीकॉम कंपनियों का एक दर्जन से अधिक सिमकार्ड, चोरी के मोबाइल फोन, एक बाइक, एक चाकू और करीब एक ग्राम ब्राउन शुगर और गांजा पीने में प्रयुक्त चिलम को बरामद किया है। गिरफ्तार तीनों युवक सिमरिया थाना क्षेत्र के रहने वाले

हैं। इस संबंध में दुकान संचालक निर्मल कुमार ने बताया कि तीनों युवक बाइक पर सवार होकर तीन-चार दिनों से रेकी कर रहे थे। इस बीच तीनों युवकों ने मक्के के खेत से होते हुए घर के छत पर चढ़कर दुकान में घुसने का प्रयास किया था। घरवालों के सूझबूझ के कारण वे सफल नहीं हो पाए थे। ग्रामीणों की सूचना पर पुलिस मौके से तीनों युवकों को हिरासत में लेने के बाद थाने ले गई। युवकों ने बताया कि जब ब्राउन शुगर को मिश्रील के किसी युवक के पास से उन लोगों ने खरीदा था। पुलिस तीनों को हिरासत में लेकर पृथक्छा कर रही है।

रामगढ़ में व्यापारियों की समस्याओं पर एसपी से मिला चैंबर का प्रतिनिधिमंडल

प्रत्युष नवबिहार संवाददाता

रामगढ़ : जिले में व्यापारी कई समस्याओं से जूझ रहे हैं। इसके अलावा आए दिन हो रहे अपराधिक घटनाओं की वजह से व्यापारियों में देहशत का माहौल बनता जा रहा है। इस मुद्दे को लेकर बुधवार को रामगढ़ चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज का एक प्रतिनिधिमंडल अध्यक्ष विनय कुमार अग्रवाल के नेतृत्व में रामगढ़ एसपी अजय कुमार से मिला। एसपी को दिए गए ज्ञापन में बाजार समिति में निर्मित टीओपी सुचारू रूप से संचालित करने, यातनात व्यवस्था दुरुस्त करने, स्थाई रूप से रामगढ़ थाना प्रभारी की नियुक्ति करने, मंत्रियों से होने वाले जाच की समस्या से निजात दिलाने, 24 घंटे चैंबर टीम से पेट्रोलिंग करने, भुरकुंडा बाजार को जाम से निजात दिलाने की मांग रखी गई। रामगढ़ एसपी अजय कुमार ने रामगढ़ चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के



प्रतिनिधियों को सारी समस्या दूर करने का आश्वासन दिया है। उन्होंने कहा है कि जल्द ही विधि व्यवस्था दुरुस्त होगी और रामगढ़ की सड़कों को जाम से निजात मिलेगा। सड़कों पर अतिक्रमण करने वाले लोगों को हटवा जाएगा। अन्य समस्याओं का शौभ्रता से समाधान किया जाएगा। पुलिस अधीक्षक ने रामगढ़ के व्यापारियों एवं आमजनों से अनुरोध किया वह अपने किसी भी समस्या से स्थानीय थाना एवं उन्हें अवगत करा

सकते हैं। जिला पुलिस समस्याओं के समाधान के लिए हमेशा तत्पर है। चैंबर के प्रतिनिधिमंडल में उपाध्यक्ष मनजोत साहनी, मानद सचिव मानू चतुर्वेदी, कोषाध्यक्ष इंद्रपाल सिंह सैनी, विधि व्यवस्था समिति के सभापति पूर्व अध्यक्ष आनंद अग्रवाल, पूर्व अध्यक्ष प्रदीप कुमार सिंह, फेडरेशन चैंबर के क्षेत्रीय उपाध्यक्ष अमित साहू, कार्यकारिणी सदस्य गुरी लाल अग्रवाल, मंटू साहू, राहुल अग्रवाल, राजेश साहू एवं अन्य शामिल थे।

नीलकंठ सिंह मुंडा ने चार गांवों में किया सौंदर्यीकरण कार्य का शिलान्यास



प्रत्युष नवबिहार संवाददाता

खूटी : खूटी के विधायक और राज्य के पूर्व ग्रामीण विकास मंत्री नीलकंठ सिंह मुंडा ने बुधवार को खूटी प्रखंड के लांडुप, बांटी, लोटेर और कड़ेतुंबद गांव में विधायक मद से खेल मैदान सौंदर्यीकरण कार्य का शिलान्यास किया। इस अवसर पर आयोजित सभा को संबोधित करते हुए गांव

वालों से सीधा संवाद किया और उनकी समस्याओं की जनाकरी ली। विधायक ने कहा कि आज हमारे क्षेत्र की बहुत सारे खिलाड़ियों ने अपनी खेल प्रतिभा के बल पर देश-विदेश में झारखंड का रोशन किया है। उन्होंने कहा कि खेल मैदान के सौंदर्यीकरण हो जाने से और कई खिलाड़ी उभर कर सामने आएंगे। विधायक जी ने कहा कि

आप सभी ने अपना सहयोग देकर मुझे विधायक बनाया। आपके ही आशीर्वाद से मैं लगातार पांच बार से लगातार विधायक बनता आ रहा हूँ। आशा है कि इस बार भी आपका आशीर्वाद मुझे मिलेगा। इस दौरान मैंने शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में कई योजनाओं को धरातल में उतारा। उन्होंने कहा कि आगे भी विकास की धारा बहती रहेगी।

डीसी कार्यालय में जनता दरबार का हुआ आयोजन

प्रत्युष नवबिहार संवाददाता

मेदिनीनगर (पलामू) : उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी शशि रंजन ने बुधवार को अपने कार्यालय कक्ष में जनता दरबार का आयोजन किया। जनता दरबार में जिले के शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्र से आए दर्जनों परियारियों की समस्याएं बारी-बारी से सुनी गई एवं उसके निष्पादन के लिए उपायुक्त ने संबंधित विभागीय पदाधिकारी को निर्देश दिया। जनता दरबार में हैदरनगर के करीमडीह से आये वृद्ध नागरिक निसार अहमद ने उपायुक्त से आवागमन हेतु ट्राईसाईकिल की मांग की, उन्होंने बताया कि वह दिव्यांग है जिसके कारण चलने-फिरने में काफी समस्याओं का सामना करना पड़ता है। अतः उन्हें ट्राईसाईकिल दिया जाए। इस पर उपायुक्त ने समाज कल्याण पदाधिकारी को ट्राईसाईकिल देने

का निर्देश किया इसके पश्चात निसार अहमद को ऑन स्पॉट ट्राईसाईकिल प्रदान किया गया। इसके पूर्व जब उपायुक्त के सज्ञान में आया कि वह हैदरनगर से आये हैं इस पर उन्होंने उनके लिए खाने का भी प्रबंध किया। मौके पर अहमद ने कहा कि आये थे ट्राईसाईकिल मांगने डीसी साहब ने ट्राईसाईकिल के साथ ही भोजन भी खिलाया उनको बहुत-बहुत धन्यवाद। ऊपरोक्त के अलावे जनता दरबार में भूमि विवाद, पारिवारिक बटवारा, अवैध कब्जा, मानदेय भुगतान, राशन सम्बन्धित मामले, स्वास्थ्य विभाग के मामले समेत अन्य समस्याओं को लेकर उपस्थित हुए ग्रामीणों की बारी-बारी से उपायुक्त ने समस्या सुनी एवं यथाशीघ्र उनके समस्याओं के निराकरण करने के लिए संबंधित पदाधिकारियों को निर्देशित किया।

झारखंड आन्दोलनकारी संघर्ष मोर्चा का फैसला, 10 सितंबर को मशाल जुलूस व 11 सितंबर को झारखंड बंद

प्रत्युष नवबिहार संवाददाता

मेदिनीनगर (पलामू) : मेदिनीनगर परिषद नवन भवन में झारखंड आंदोलनकारी संघर्ष मोर्चा का पलामू प्रमंडलीय बैठक बिकेश शुक्ला के अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में जन संग्राम मोर्चा संस्थापक के साथ गढ़वा जिला अध्यक्ष अशोक पाल पलामू जिला अध्यक्ष वृज नन्दन मेहता व झारखण्ड क्रांति मंच के संस्थापक व केन्द्रीय अध्यक्ष शत्रुघन कुमार शत्रु ने झारखंड आंदोलनकारी संघर्ष मोर्चा के 11 सितंबर के झारखण्ड बंद का पुर्ण समर्थन किया। झारखंड आंदोलनकारी संघर्ष मोर्चा के केन्द्रीय



संयोजक सतीश कुमार ने बंद के समर्थन करनेवाले क्रांतिकारी जन संगठन का जोरदार स्वागत किया व अभिनन्दन किया। इन्होंने कहा कि हम लड़ाई लड़ कर राज्य बनाये हैं और झारखण्ड की सरकार आन्दोलनकारियों के साथ लगातार

धोखाधड़ी किया है। इनके मान सम्मान व स्वाभिमान के साथ सरकार ने तिकड़म किया है। हम नये उलगुलान की शुरुआत 11 सितंबर को झारखंड बंद से आरंभ कर रहे हैं। प्रमंडलीय अध्यक्ष बिकेश शुक्ला ने कहा कि आन्दोलनकारी को जेल

जांने की बाध्यता को समाप्त कर सभी आन्दोलनकारी को 50 - 50 हजार पेंशन सरकार दे। चन्द्रधन मेहता ने आह्वान किया कि बंद में एक एक आन्दोलनकारी सड़क पर उतर कर कार्यक्रम को सफल बनाये। शत्रुघन कुमार शत्रु ने कहा कि झारखण्ड आन्दोलनकारी की मांग जायज है हमारा संगठन पुरजोर समर्थन करेगी। राज्य में समता जजमेंट लामू हो। सभी आन्दोलनकारी को स्वतंत्रता दिवस गणतंत्र दिवस व राज्य स्थापना दिवस पर सभी आन्दोलनकारी को सम्मानित किया जाय। जल जंगल जमीन पर जनता का अधिकार

निश्चित हो। सभी आन्दोलनकारी को स्वतंत्रता सेनानियों जैसा सभी सुविधाएं मुहैया कराया जाए। कार्यक्रम में अर्जुन यादव प्रदीप सिन्हा बलराम उरांव दीना जी राजेश्वर प्रजापति गणेश रवि अशोक पाल भर्दुल भुइया प्रमोद सोनी पृथ्वी नाथ मेहता राम प्रेम महतो तुलसी शुक्ला नन्द किशोर विश्वकर्मा राम सुरत मेहता राम सुरत मेहता प्रमुख महतो नंदलाल प्रसाद मेहता बिमलेश राम लालदेव राम संजन मेहता बिन्देश्वर महतो महाबत उल्ला बि्रम सिंह बिजय पसवान बिलंगना किंडो ललिता देवी समेत सैकड़ों आन्दोलनकारी मौजूद थे।

संक्षिप्त खबरें

स्वर्ण पदक से सम्मानित किए गए ज्योतिष पंडित वीरेंद्र दुबे

मेदिनीनगर (पलामू) : पलामू के मेदिनीनगर के ज्योतिष पंडित वीरेंद्र दुबे को स्वर्ण पदक और प्रशस्ति पत्र एवं स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। उन्होंने बताया कि विगत एक सितंबर को नई दिल्ली स्थित पीरागढ़ी के मेडन क्राउन में जीरो ज्योतिष हब और उडान संस्था के द्वारा 16वां अंतर्राष्ट्रीय वैदिक ज्योतिष सम्मेलन का आयोजन किया गया था। जिसमें भारत समेत कई देशों से लगभग 500 से अधिक टैरो कार्ड रीडर, लाल किताब विशेषज्ञ, अंक ज्योतिष वैदिक ज्योतिष, हस्तरेखा, वास्तु शास्त्र सम्मिलित हुए थे, जिसमें संस्था के अध्यक्ष डॉ राकेश डगार रेखा डगार और बॉलीवुड अभिनेत्री महक चहल के द्वारा ज्योतिष पंडित वीरेंद्र दुबे को स्वर्ण पदक प्रशस्ति पत्र एवं स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया।

माजपा मृतक के परिवार को सात्वना देने के बजाए राजनीति कर रही है : राजेंद्र सिन्हा



छतरपुर (पलामू) : उपायुक्त सिपाही दौड़ में युवाओं की हो रही आकस्मिक मौत को लेकर झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन गंभीर दिख रहे हैं। साध ही किस स्तर से चूक हुई से संबंधित जांच भी की जा रही है। ज्ञात हो कि पलामू में बहाली के दौरान को गिरजा राम के पुत्र अरुण कुमार एवं पांडू प्रखंड के मुस्ता कला के दीपक कुमार पासवान की मृत्यु उपायुक्त सिपाही दौड़ के दौरान हो गई थी। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के निर्देश पर पलामू जिला अध्यक्ष राजेंद्र कुमार सिन्हा के नेतृत्व में झारखंड मुक्ति मोर्चा के प्रतिनिधि मंडल अरुण कुमार के परिजनों से मिलकर सात्वना दिया। मौके पर जिला अध्यक्ष राजेंद्र कुमार सिन्हा ने कहा की युवाओं की आकस्मिक मृत्यु बहुत ही पीड़ा दायक है। पूरा झारखंड मुक्ति मोर्चा परिवार मर्माहत है। मृतक अरुण अपने साथ घर के सारी उम्मीदों को लेकर चला गया। उसके परिवार की बहुत सारी उम्मीदें जुड़ी हुई थी जो धारी की धरी रह गई। ईश्वर इस दुख को घड़ी में पूरे परिवार को दुख को सहने की ताकत दे। दोनों युवाओं के परिवार की स्थिति से मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को अवगत कराया जाएगा और सरकारी प्रावधान के अनुसार मदद दिलाने के बात की जाएगी। उन्होंने कहा कि पूरा झारखंड मुक्ति मोर्चा मृतक के परिजनों के साथ है। उन्हें जब भी आवश्यकता हो निस्कोच हमसे या पार्टी के किसी नेता से मिल सकते हैं और उनकी जो भी समस्याएं होंगी उन्हें अतिशीघ्र दूर करने की कोशिश की जाएगी। विपक्षियों पर निशाना साधते हुए राजेंद्र कुमार सिन्हा ने कहा कि विपक्ष के नेता अमर बाऊरी के साथ जितने भी भाजपा के नेता संसद गए हुए थे सभी दुखी परिवार को सात्वना देने के बदेले राजनीतिक करते हुए नजर आए जो अति निन्दनीय है पुलिस बहाली के जिस नियम का हवाला देकर ये लोग राजनीतिक कर रहे हैं शायद उन्हें याद नहीं कि इस नियम को बनाने वाली भी भाजपा की सरकार थी। जिसने डेढ़ किलोमीटर दौड़ को बढ़ाकर 10 किलोमीटर की दौड़ करने का निश्चित किया था। जब सरकार युवाओं के रोजगार के लिए बेहतर काम करने लगी तो भाजपा के लोग इसे बाधित करने की कोशिश कर रहे हैं ताकि राजनीतिक मुद्दा बनाया जा सके। प्रतिनिधि मंडल में पार्टी के केन्द्रीय समिति सदस्य चंदन प्रकाश सिन्हा, जिला सचिव सन्नु सिन्हा, जिला उपाध्यक्ष कलाल खान, महानगर अध्यक्ष रंजीत जायसवाल, वरीय नेता अविनाश देव, अखिलेश सिंह युवा जिला अध्यक्ष सनी कुमार शुक्ला, देवानंद भारद्वाज, उपाध्यक्ष बबलू चौधरी, छोटू त्रिपाठी, अरविंद चौधरी, नौडीहा बाजार प्रखंड अध्यक्ष उदय पासवान आदि उपस्थित थे।

सेविका द्वारा छात्रा से पैसा उगाही करने की शिकायत

चैनपुर (पलामू) : चैनपुर प्रखंड क्षेत्र के सेमरा पंचायत के टोला लोहरसिमी निवासी सुहानी कुमारी ने गांव के ही आंगनबाड़ी सेविका किरण देवी पर गंभीर आरोप लगाते हुए उपायुक्त व जिला समाज कल्याण पदाधिकारी को लिखित आवेदन दिया। सुहानी कुमारी ने बताया कि लोहरसिमी आंगनबाड़ी सेविका किरण देवी ने सावित्री बाई फूले समुद्धि योजना का फॉर्म जमा करने में हम से प्रति फॉर्म पर तीन सौ रुपया व हमारी छोटी बहन अनुका कुमारी से मांग किया और पैसा नहीं देने पर हमारा फॉर्म जमा नहीं करने का धमकी देने लगी जिसे देखते हुए हमने लिखित आवेदन वरीय अधिकारी को देने का निर्णय लिया और बुधवार को उपायुक्त व जिला समाज कल्याण अधिकारी से मिलकर लिखित आवेदन दिया जिसपर उन्होंने कहा कि लिखित आवेदन मिला है तो जांच कर कार्रवाई की जाएगी।



जिप उपाध्यक्ष सह झामुमो नेता आलोक को पितृ शोक

हुसैनाबाद (पलामू) : पलामू जिला परिषद सदस्य सह झामुमो नेता आलोक कुमार सिंह उर्फ टूटू सिंह के 96 वर्षीय पिता श्यामदेव सिंह ने 04 सितंबर, दिन बुधवार को दोपहर 01 बजे अपने जीवन की अंतिम सांस ली। वे विगत कई दिनों से अस्वस्थ चल रहे थे। वे अपने पीछे अपनी धर्मपत्नी, चार पुत्रों, क्रमशः उमेश कुमार सिंह, दिनेश कुमार सिंह, रमेश कुमार सिंह एवं आलोक कुमार सिंह उर्फ टूटू सिंह व तीन पुत्रियों समेत भरा-पूरा परिवार छोड़ गये हैं। उनका दाह-संस्कार 05 सितंबर 2024, दिन गुरुवार को सोन नदी के तट पर प्रातः 08 बजे किया जाएगा, जहाँ मुख्यानि उनके बड़े पुत्र उमेश कुमार सिंह देंगे। उनके निधन की खबर पाकर विभिन्न राजनीति, सामाजिक एवं शैक्षणिक दल के लोगों ने गहरी शोक संवेदना व्यक्त की है। विगत हो कि स्व. श्यामदेव सिंह सामाजिक प्रवृत्ति के व्यक्ति थे, उनके निधन होने से सामाजिक स्तर पर काफी क्षति हुई है, उसकी भरपाई कर पाना असंभव है।



जगजीवन प्रजापति होंगे सम्मानित

मेदिनीनगर (पलामू) : झटा द्वारा संचालित संस्कृतिक पाठशाला की 52वीं कड़ी में पलामू के साहित्य और साहित्यकार विषय पर चर्चा का आयोजन किया गया है। इस परिचर्चा में जगजीवन प्रजापति को सम्मानित करने का निर्णय किया गया है। जगजीवन प्रजापति एक सामान्य व्यक्ति हैं। अपने पारंपरिक कार्यों को करते हुए अपने नाना राधा कृष्ण प्रजापति, जिन्हें पलामू के कबीर के नाम से जाना जाता है की पांडुलिपि वर्षों से संजोग कर रखा है। जगजीवन प्रजापति द्वारा राधा कृष्ण प्रजापति के पांडुलिपि को सुरक्षित रखकर पलामू के साहित्य को समृद्ध करने संभावना को विकसित किया है। उनके इस कार्य की सराहना करते हुए संस्कृतिक पाठशाला की 52 वीं कड़ी में जगजीवन प्रजापति को सम्मानित करने का निर्णय लिया गया है। उक्त जानकारी झटा के जिला सचिव रविशंकर ने दी।

संक्षिप्त खबरें

श्री श्री सिंहराज सार्वजनिक दुर्गा पूजा समिति बाबूडीह की हुई बैठक



चांडिल : सरायकेला जिला के कुकड़ु प्रखण्ड अंतर्गत ईचाडीह बाबूडीह में श्री श्री सिंहराज सार्वजनिक दुर्गा पूजा समिति का एक आवश्यक बैठक बाबूडीह दुर्गामंदिर प्रांगण में हुआ। इस बैठक में अध्यक्षता दुर्गापूजा समिति के संरक्षक श्री कल्याण चंद्र सिंह द्वारा किया गया। जानकारी हो की कल्याण चंद्र सिंह राज परिवार के सदस्य है। ईचाडीह बाबूडीह में श्री श्री सार्वजनिक दुर्गा पूजा समिति के तत्वाधान में 1969 से ही दुर्गा पूजा होते आ रही है और हर साल पूजा उपलक्ष्य में सांस्कृतिक प्रोग्राम का भी आयोजन हो रही है। इसी क्रम में इस वर्ष के आयोजन को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। दुर्गापूजा समिति के संरक्षक श्री कल्याण चंद्र सिंह जी ने कहा की सुश्रुत रूप से मां भवानी की पूजा संपन्न कराने के लिए सबका सहयोग और सहभागिता आवश्यक है। ग्रामीणों और यहां के महिलाओं के मनोरंजन के लिए हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी कुदुन कुमार कनिष्ठा कर्मकार नाइट पुरलिया स्टैंड प्रोग्राम का आयोजन किया जा रहा है। साथ ही साथ छे नाच और झुमर कार्यक्रम भी आयोजित हो रही है। बैठक पर परीक्षित गोप, कृष्ण चंद्र तांती, रमेश गोप, रवि सिंह मुंडा, गणेश महतो, बिनोद प्रमाणिक, पिंटे गोप समेत कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित हुए।

ईचागढ़ में 14 करोड़ 47 लाख की लागत से बनने वाली 7 सड़कों का विधायक ने किया भूमिपूजन



ईचागढ़ : मुख्यमंत्री ग्राम सड़क सुदृढीकरण योजना अंतर्गत स्वीकृत ईचागढ़ प्रखंड क्षेत्र में 14 करोड़ 47 लाख की लागत से बनने वाले 7 महत्वपूर्ण सड़क का भूमिपूजन विधायक को विधायक सविता महतो ने विधिवत शीलापट्ट अनावरण कर किया। इस दौरान विधायक सविता महतो ने कहा कि गौरागोवा से करनडीह 3.5 किमी, बड़ा आमड़ा से जाहरेडीह भाया सिलदा 3.65 किमी, आरई ओ रोड से कुन्डीलौंग 2.56 किमी, कुन्डीलौंग कांडेड़ा (भागबांध) से धातकीडीह 1.52 किमी, कुटाम से काटयोड़ा 12.3 किमी, नगारसैरंग बाजार से डूंगरीडीह भाया आमनदीरी सीमा तक 4.7 किमी, नगारसैरंग से कुटाम 3.45 किमी सड़क सुदृढीकरण का भूमिपूजन किया गया। उन्होंने कहा कि 31.68 किमी सड़क का सुदृढीकरण कार्य करीब 14 करोड़ 47 लाख की लागत से किया जाएगा। विधायक ने कहा कि सभी सड़कों का निर्माण होने से ईचागढ़ प्रखंड क्षेत्र के लोगों को यातायात में सुविधा होगी। उन्होंने कहा चुनावी घोषणा के अनुसार सभी सड़कों का निर्माण कराया जा रहा है। उन्होंने सड़क का निर्माण करने वाले संवेदक को सड़क का निर्माण कार्य गुणवत्तापूर्ण व ससमय करने का निर्देश दिया। इस अवसर पर झामुमो के राष्ट्रीय सदस्य काबुल महतो, प्रखंड अध्यक्ष नितार्ई उरांव, अभय यादव, दिपाल सिंह मुंडा, सपन सिंहदेव, किसुन किस्कू, तिलक उरांव, रंजीत किस्कू, गोविंद बेसरा, पशुपति बागवती, अमित सिन्हा, धनसिंग लायक, संवेदक के मैनजर कृष्णा कुमार, विभाग के जेई दिनेश महतो, मधु गोप, नरेश गोप, अंधर महतो आदि काफी संख्या में ग्रामीण महिला पुरुष उपस्थित थे।

नदी में डूबने से बच्ची की मौत



साहिबगंज : जिले के तीनपहाड़ थाना क्षेत्र अंतर्गत बसियाचक दरला गांव की छह वर्षीय बच्ची की बुधवार सुबह नदी में डूबने से मौत हो गयी। बसियाचक दरला गांव निवासी उज्वल कुमार महतो की बेटी आयुषी कुमारी का डहरू कुमार पुल के पास पैर फिसल गया, जिससे वह नदी में गिरी और डूब गई। ग्रामीणों के मुताबिक, सुबह मृतक की बहन कपड़ा धोने के लिए डहरू कुमार पुल के पास गयी थी। कुछ देर बाद ही गांव के छोटे-छोटे बच्चों के साथ आयुषी कुमारी भी वहां पहुंच गई। सब बच्चे पुल के ऊपर थे लेकिन आयुषी नदी में उतर गई। वहां उसका पैर फिसला और वह गहरे पानी में समा गई। हो-हल्ला होने पर आसपास के लोग जुटे। उसे पानी से निकाला। उसे तत्काल तीनपहाड़ लाया गया। यहां से उसे राजमहल अस्पताल रेफर कर दिया गया। परिजन उसे लेकर अनुमंडलीय अस्पताल राजमहल पहुंचे। यहां ड्युटी पर तैनात डॉक्टर ने बच्ची को मृत घोषित कर दिया। परिजन आयुषी का शव लेकर घर लौटे। इसकी सूचना पर तीनपहाड़ थाना के परसआई संजय दुबे पुलिस बल के साथ बच्ची के घर पहुंचे। पंचायत के मुखिया माइकल, हल्का कर्मचारी मो. इम्तियाज भी मृतक के घर पहुंचे। सभी ने मिलकर जांच की। इस दौरान परिजनों ने कहा कि बच्ची का पोस्टमार्टम नहीं कराएंगे। कर्मचारी मो. इम्तियाज ने इस मामले को लेकर राजमहल सीओ अशोक कुमार सिन्हा से बात की।

इस बार बहरागोड़ा की जनता लड़ेगी विधानसभा चुनाव : कुणाल षांडंगी

जमशेदपुर : बहरागोड़ा मुख्य बाजार अवस्थित दादू परिसर परिसर में बहरागोड़ा के पूर्व विधायक कुणाल षांडंगी ने बुधवार को यहां कहा कि बहरागोड़ा में आने वाला विधानसभा चुनाव क्षेत्र की जनता लड़ेगी। मीडिया से बात करते हुए उन्होंने कहा कि बहरागोड़ा विधानसभा क्षेत्र में स्वास्थ्य, शिक्षा, सड़क, पेयजल आदि बुनियादी समस्याओं को लेकर कुल के लोगों से विगत साढ़े चार साल का हिस्सा किताब लेने के लिए कुल 49 पंचायत में 8 सितंबर से लेकर 28 सितंबर तक पुनर्निर्माण संकल्प यात्रा चलाई जाएगी। यात्रा के दौरान हरेक पंचायत के हरेक गांव के लोगों से मिलकर उनकी समस्याओं से अवगत होकर क्षेत्र की जनता से आने वाले विधानसभा चुनाव खुद लड़ने का आह्वान किया जाएगा। उन्होंने कहा कि बहरागोड़ा विधानसभा क्षेत्र पश्चिम बंगाल, ओडिशा तथा झारखंड के त्रिवेणी संगम में स्थित है। यहां जिस हिसाब से विकास की रफ्तार होनी चाहिए थी, वह नहीं हुई। यह स्थानीय जनप्रतिनिधि की विफलता को दर्शाती है। उन्होंने कहा कि मेरी पहचान बहरागोड़ा प्रखंड, चकुलिया प्रखंड तथा गुड़ाबांदा प्रखंड की जनता से है, जहां मैं संकेत के रूप में हूँ। बहरागोड़ा पुनर्निर्माण संकल्प यात्रा के दौरान जनता तय करेगी कि बहरागोड़ा की अर्थमत्ता को बचाने के लिए चुनाव कैसे लड़ा जाए। उसके उपरांत ही हम सब क्षेत्र की जनता के साथ मिलकर पूर्ण दाम-खम के साथ चुनाव लड़ेंगे। इस मौके पर सुदीप पन्नाकर, तपन कुमार ओझा, निर्मल दुबे, पानसोरी हांसदा, शंकर हालदार आदि उपस्थित थे।

सेल चिड़िया प्रबंधन के खिलाफ बेरोजगारों का धरना 10वें दिन भी जारी
रोजगार नहीं मिलने तक आंदोलन जारी रहेगा : सिंगराई कच्छप

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

चाईबासा : आदर्श श्रमिक स्वावलम्बी सहकारी समिति लिमिटेड, चिड़िया के दर्जनों बेरोजगार सदस्य 26 अगस्त से सप्लाई में रोजगार एवं एनएसआईपीएल में काम कर रहे लोगों की सूची उनके स्थायी पता जारी करने को लेकर सेल, चिड़िया खदान के जेनरल ऑफिस के सामने धरना दे रहे हैं। बुधवार को धरना का 10वां दिन है। इसके बावजूद प्रबंधन मांगों पर विचार तक नहीं कर रहा है। आंदोलन स्थल पर ही बेरोजगार खाना बनाते व खाते हैं। आंदोलन कर रहे बेरोजगारों को स्थानीय लोग चावल, दाल, सब्जी आदि देकर मदद करते हैं। समिति के सचिव सिंगराई कच्छप ने कहा कि इन मांगों को लेकर वर्ष 2011 से चार बार आर्थिक नाकेबंदी, पांच बार भूख हड़ताल के अलावे इस बार अनिश्चितकालीन धरना चल रहा है। हर बार प्रशासन व प्रबंधन आश्वासन



देकर आंदोलन समाप्त करा देता था। 30 अगस्त को प्रबंधन ने आंदोलनकारियों को वार्ता हेतु बुलाया था, लेकिन अंदर महाप्रबंधक रिवरंजन ने जेल भेजने की धमकी देते हुये आंदोलन समाप्त करने की बात कही। उन्होंने कहा कि तुम्हारे लाख बुलाने पर सांसद जोबा माझी त्रिपक्षीय वार्ता हेतु यहां नहीं आयेंगी। प्रबंधन पीछे दरवाजे से माईनिंग मेट की बहाली

पहुंचाने के लिए ही मजदूरों को भारी पैमाने पर हटाया गया है। एनएसआईपीएल 60 से 70 बाहरी लोगों को यहाँ लाकर काम करा रही है, जबकि यह खदान पहले से हैड माईनिंग था। उल्लेखनीय है कि चिड़िया खदान में वर्ष 1991 में अंतिम बहाली स्थायी व सप्लाई मजदूरों का हुआ था। 16 बेरोजगारों को स्थायी नौकरी मिला था। लगभग 181 बेरोजगारों को सप्लाई मजदूर के रूप में रखा गया था। वर्ष 2017 में 18 बेरोजगारों को कैजुअल में रोजगार मिला था। वर्ष 2020-21 तक चिड़िया खदान में 600 मजदूर टेकेदार के अन्तर्गत कार्यरत थे। इसके अतिरिक्त दिन-प्रतिदिन सहायता कार्य हेतु विभिन्न विभागों में कुल 160 सप्लाई/टेका मजदूर कार्यरत थे, लेकिन अभी घटकर 252 है। स्थायी सेलकर्मी 43 एवं सेल अधिकारियों की संख्या 12 है। पूर्व के समझौते अनुसार इस खदान में वतौर टेका मजदूर 378

खेलो झारखंड के सफल प्रतिभागियों को सीओ ने किया पुरस्कृत



प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पटमदा : एसास प्लस टू हाई स्कूल मैदान में खेलो झारखंड प्रतियोगिता के तहत दो दिवसीय खेल का समापन किया गया। खेल प्रतियोगिता में मुख्य अतिथि पटमदा अंचलाधिकारी विजय कुमार महतो उपस्थित थे। इस दौरान उनके द्वारा प्रतियोगिता में सफल प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया गया। इस दौरान जेबलिन श्रो अंडर 14 बालक में अविनाश महतो, बालिका में अनुपमा सिंह, हीरामणि मुर्मू, जेबलिन श्रो अंडर 17 बालक चंदन सिंह+2आदिवासी उच्च विद्यालय, सुकचंद महती, बापी साहिस +2एएसएस पटमदा बालिका बुधनी टुडू, सतरूणा रजवार +2उच्च विद्यालय, जेबलिन श्रो अंडर 19

बालक रकेश मुर्मू एएसएस+2 पटमदा विष्णु पद महतो, जेबलिन श्रो अंडर 19 बालिका मोरमो मंडी +2एएसएस पटमदा पान मनी टुडू, संजना कुंभकार, शांत पुट अंडर 14 बालक जगदीश रजक, अमित कुंभकार शुंकर सोरेन पटमदा बस्ती, शांटेपुट अंडर 17 बालक टीकाराम सिंह, रवि सिंह गोबरघुसी, आकाश गोरई अंडर 17 बालिका कविता महतो, अमिता वासंके+2 पटमदा लक्ष्मी सिंह पटमदा बस्ती अंडर 19 बालक पद्म दत्ता+2पटमदा, अभिक सारंगी अंडर 19 बालिका शांति सिंह चुमकी सहीस+2 पटमदा पुष्पा रजवार आदि विद्यार्थियों पुरस्कृत हुए। कार्यक्रम ने सीओ विजय कुमार महतो, बीईईओ प्रभाकर कुमार सहित कई लोग उपस्थित थे।

युवाओं का भविष्य बर्बाद करने पर तुली है हेमंत सरकार : हरेलाल महतो

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

चांडिल : प्रखंड अंतर्गत चिल्लु स्थित आजसू पार्टी के प्रधान कार्यालय में दर्जनभर युवाओं ने आजसू पार्टी का सदस्यता ग्रहण किया। बुधवार को कपाली क्षेत्र के दर्जनभर युवा आजसू पार्टी द्वारा चलाए जा रहे 'बायोडाटा संग्रह अभियान' की जानकारी प्राप्त करने पहुंचे थे। इस दौरान युवाओं ने अपना-अपना बायोडाटा कार्यालय में सौंपा। वहीं, आजसू के विचारधारा से



सदस्यता ग्रहण करने वाले युवाओं का आजसू पार्टी के केंद्रीय महासचिव हरेलाल महतो ने पार्टी का अंगवस्त्र देकर स्वागत किया। हरेलाल महतो ने कहा कि हेमंत सरकार युवाओं का भविष्य बर्बाद करने पर तुली है। सरकार के कार्यालय समाप्त होने वाले हैं लेकिन युवाओं को अधिकार नहीं मिला, जो कि दुर्भाग्यपूर्ण

12 सितंबर को चौड़ा में होगा शमशुल हुदा बाबा का सालाना उर्स

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

चांडिल : कुकड़ु प्रखंड के चौड़ा में हरजत शमशुल हुदा बद्दी अलचिरी रहमतुल्लाह अलैह की 27वां सालाना उर्स को तैयारियां जोरो पर है। मजार परिसर में बागे हरम उर्स कमेटी की ओर से गुरुवार 12 सितंबर 2024 को सालाना उर्स मनाया जाएगा। उर्स की तैयारियां जोर पर चल रही है। उर्स के मौके पर महफिल-ए शमा (कव्वाली कार्यक्रम) का आयोजन भी होगा। 12 सितंबर 2024 को सुबह 07 बजे से कुरान खानी, शाम 04 बजे से गुल संदल, बाद नमाजे मगरिव मिलाद शरीफ का एनेकाद, किया गया है, बाद नमाजे ईशा मजरी युवारक पर चार पोशी की जाएगी, रात 8 बजे से 9 बजे तक लंगरे आम जारी रहेगा। वहीं 12 सितंबर 2024 को रात 10 बजे से नईम साबरी कव्वाल एंड पार्टी



मोहम्मद अंसारी उर्फ लालकु को संचित बनाया है। इस कमेटी में करीब 20 लोग अन्य पदों पर हैं। इसके अलावे उर्स को शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न कराने को लेकर सैकड़ों वोलेंटीयर बनाये जायेंगे। डॉ. शाहाबुद्दीन अंसारी के नेतृत्व में बनी कमेटी ने पिछले एक महीने से उर्स से संबंधित तमाम कार्यों को बड़ी तेजी से अंजाम देने में लगी है। उर्स कमेटी के अध्यक्ष डॉ. शाहाबुद्दीन अंसारी ने कहा कि हेमंत कमेटी ने जो बागडोर सौंपा है उसे सब मिलकर बखूबी निभा रहें हैं। समय कम रहने के बावजूद सभी तैयारियां लगभग पूरी कर ली गई है। बागे हरम उर्स कमेटी के तमाम सदस्य उत्साह में काम को अंजाम देकर सहयोग कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि उर्स में सभी समुदाय का भरपूर सहयोग मिल रहा है।

महिलाओं को आर्थिक रूप से सक्षम व आत्मनिर्भर बना रही हेमंत सरकार : विधायक

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

जमशेदपुर : गुड़ाबांदा के बनमाकड़ी पंचायत सचिवालय परिसर में सरकार आपके द्वार कार्यक्रम आयोजित हुई। बतौर मुख्य अतिथि बहरागोड़ा विधानसभा क्षेत्र के विधायक समीर कुमार मोहंती ने दीप प्रज्वलित कर शिविर का शुभारंभ किया। विधायक ने इस अवसर पर कहा कि हेमंत सरकार राज्य के महिलाओं को सशक्त बना रही है। जन्म से पहले योजनाओं का लाभ मिलना शुरू हो जाता है। सावित्री बाई फुले किशोरी समृद्धि योजना, 21 वर्ष से मुख्यमंत्री मईयां सम्मान योजना और 49 वर्ष के महिलाओं को प्रतिभाह पेंशन योजना चलाई जा रही है। जेएसएलपीएस महिला



समूह को पहले की तुलना में तीन गुना अधिक लोन हेमंत सोरेन की सरकार में दिया गया। जिससे महिलाएं स्वरोजगार से जुड़कर

केसीसी लोन माफ़ी योजना, बिजली बिल माफ़ी योजना से ग्रामीणों को कर्ज से मुक्ति मिलेगी। उन्होंने कहा सरकार आपके घर के पास आकर सभी योजनाओं का आवेदन ले रही है, जिससे सभी वंचित लोगों को सरकारी योजनाओं से जोड़ने में मदद मिल रही है। इस अवसर पर विधायक के हाथों 27 लाख से अधिक मूल्य के परिसंपत्तियों का वितरण किया गया। विभिन्न योजनाओं के आवेदन ग्रामीणों द्वारा जमा किया गया। मौके पर अंचल अधिकारी फुलेश्वर साव, प्रखंड विकास पदाधिकारी, पूर्ण जिला पार्षद बेलोवती मुर्मू, बीस सूत्री अध्यक्ष असित मिश्रा, साकिला हेंब्रम समेत ग्रामीण व प्रखंड कर्मी उपस्थित थे।

आरा के गांव में 12 दिन से छिपा था रेस्क्यू के बाद संगम में छोड़ा

संक्षिप्त डायरी पेरिस पैरालिंपिक में मेडल से चूके जमुई के शैलेश

भोजपुरा के बबुरा गांव में वन विभाग ने सड़क पर घूम रहे एक विशालकाय मगरमच्छ को पकड़ा है। पिछले 12 दिनों से गांव के लोग 7 फीट के इस मगरमच्छ के कारण काफी दहशत में थे। रेस्क्यू के बाद मगरमच्छ को त्रिवेणी संगम में छोड़ दिया गया है। दरअसल, गांव का कुछ इलाका गंगा के पानी से घिरा हुआ है, जिसमें ये मगरमच्छ छिपा था। सबसे पहले 20 अगस्त को एक ग्रामीण ने गड्डे भरे पानी में मगरमच्छ को देखा था। जिसके बाद ग्रामीणों ने वन विभाग को इसकी सूचना दी थी। वन विभाग की टीम उसकी रेस्क्यू करने में फेल हो जा रही थी। 3 सितंबर को मगरमच्छ खुद ही पानी से निकल गया और सड़कों पर घूमने लगा। सड़क पर बाइक सवारों ने देखा तो वन विभाग को जानकारी दी। इसी दौरान बाइक सवारों ने उसका पीछा



भी किया। जिसके बाद भोजपुर वन विभाग की टीम और इच्छक के 2 सदस्य रेस्क्यू के लिए पहुंचे। कई घंटों की मशकत के बाद मगरमच्छ को पकड़ लिया। टीम ने रेस्क्यू स्थल से एक किमी दूर

त्रिवेणी संगम घाट ले जाकर उसे छोड़ दिया। वहां सोन और गंगा का समंन है। जानकारी के मुताबिक, 2 सितंबर को मगरमच्छ को पानी के अंदर देखा गया था, लेकिन 3 सितंबर को गांवब हो गया। मगरमच्छ के पानी से निकलने की सूचना पूरे गांव में तेजी से फैल गई। बताया गया कि मगरमच्छ को सड़क पर घूमते देखा गया है। इस वजह से गांव के लोग काफी दहशत में आ गए। ग्रामीणों की

भीड़ मगरमच्छ को देखने के लिए उमड़ गई। सुरक्षा को देखते हुए पुलिस की टीम भी मौके पर पहुंच गई। मगरमच्छ बहुत देर तक सभी को चकमा देकर नजरों से ओझल हो रहा था, लेकिन जाल और डंडे के सहारे उसे पकड़ लिया गया। गांव के लोगों के मुताबिक, सबसे पहले मगरमच्छ को 20 अगस्त को पानी से भरे गड्डे में देखा गया था, लेकिन 24 अगस्त को गांवब हो गया। लोग सहमे हुए थे कि मगरमच्छ कहाँ गया। चार दिन बाद यानी 28 अगस्त को गांव वालों ने पानी में फिर से उसे देखा। आखिरी बार मगरमच्छ 2 सितंबर को देखा गया, जिसे 3 सितंबर को पकड़ लिया गया। गांव में 14 हजार की आबादी है और जिस तालाब में मगरमच्छ दिखा था वहां करीब 1 हजार लोग रहते हैं। मगरमच्छ ने दो मुँगों का शिकार किया था। वहीं,

एक बछड़े पर भी हमला किया था। मगरमच्छ को पकड़ने के लिए ग्रामीणों ने अपने स्तर से भी कोशिश की थी। उसे पानी से बाहर निकालने के लिए बत्ख का सहारा लिया। ग्रामीण समीर ने बताया था कि बत्ख को रस्सी से बांध कर पानी भरे गड्डे में डाल रहे, ताकि उसे देख कर मगरमच्छ बाहर आए और उसे पकड़ा जा सके। ग्रामीणों का कहना था कि सबसे ज्यादा खतरा शिव लोचन पासवान के घर में रहने वाले लोगों को था। यह घर गड्डे के बगल में है। घर की सीढ़ी भी पानी को छूती हुई छत की ओर जाती है। इस घर में करीब 13 सदस्य हैं। सबसे पहले इसी घर के रहने वाले अजीत कुमार ने मगरमच्छ को देखा था। जिसका घर पानी के बगल में है, उस घर के सदस्य रात में जगने को मजबूर थे।

जमुई के एक छोटे से गांव से आने वाले दिव्यांग एथलीट शैलेश कुमार पेरिस पैरालिंपिक में मेडल से चूक गए हैं। वह पुरुष हाई जम्प T-42/63 कैटेगरी में 1.85 मीटर के बेस्ट जंप के साथ चौथे स्थान पर रहे। वे महज 0.03 मीटर से चूके हैं। वहीं, इसी कैटेगरी में भारत को दो मेडल हासिल हुआ। शरत कुमार ने 1.88 मीटर जंप कर सिल्वर मेडल जीता। जबकि मरियप्पन थांगावेलु ने 1.85 मीटर का जंप कर तीसरा स्थान हासिल किया। अमेरिका के इंजरा फ्रेंच 1.94 मीटर जंप कर पहले नंबर पर रहे। शैलेश पैरालिंपिक में बिहार से भाग लेने वाले इकलौते खिलाड़ी हैं। पिछले साल के पैरालिंपिक में भी उन्होंने ट्रायल दिया था, लेकिन चौथे स्थान पर रहे। शैलेश का जमुई के अलीगंज प्रखंड के इस्लामनगर इलाके में जन्म हुआ है। वह किसान परिवार से आते हैं। वह बचपन से ही दाहिने पैर से दिव्यांग हैं। शैलेश की सफलता की कहानी भी काफी संघर्ष से भरी है। पिता पेशे से किसान हैं और मां गृहिणी हैं। पिता पूरे दिन खेतों में कुदाल चलाकर खेती के जरिए घर परिवार चलाते हैं। बेटे और उसके खेल के लिए भी पैसे इकट्ठा करते हैं। लेकिन, शैलेश ने अपने पिता का मान बढ़ाने के लिए अपने आप को इस हद तक बेहतर बना लिया है। प्रतियोगिता में भाग लेने से पहले शैलेश ने बताया कि स्कूल में जब प्रतियोगिता हो रही थी, तो उनका किसी ने नाम दे दिया था। उन्हें इस बात की जानकारी नहीं थी। जब प्रतियोगिता हुई तो उनका हाई जंप, लॉन्ग जंप और 100 मीटर के रेस में नाम था। शैलेश काफी अचंचित हुए, लेकिन फिर भी उन्होंने तीनों प्रतियोगिता में भाग लिया और अच्छे प्रदर्शन किया। इसके बाद से शैलेश के मन में स्पोर्ट्स के लिए रुचि जाग गई। 24 वर्षीय शैलेश साल 2011 से स्पोर्ट्स में काफी एक्टिव हैं। शैलेश बताते हैं कि जब उन्होंने फैमिली से स्पोर्ट्स में करियर बनाने की बात कही तो परिवार वालों ने साफ मना कर दिया। उनका कहना था कि पढ़ाई करके उन्हें अफसर बनना है, लेकिन शैलेश के बड़े भाई ने उन्हें काफी सपोर्ट किया। बाद में उन्होंने स्पोर्ट्स के लिए अपने आप को तैयार किया। बिहार में वैसी फैसिलिटी नहीं मिलने के कारण काफी स्ट्रगल करनी पड़ी। वह नंग पांव खेत में दौड़कर प्रैक्टिस करते थे। उनके पास प्रॉपर स्पोर्ट्स शू के लिए पैसे तक नहीं थे। 2017 में जयपुर में आयोजित नेशनल पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप में शैलेश ने नंग पांव खेलते हुए ब्रॉन्ज मेडल जीता। मां प्रतिमा देवी का कहना है कि शैलेश जन्म से ही दिव्यांग था। शैलेश को पालने में बहुत दिक्कत और परेशानी हुई। एक किसान होकर खेती-बाड़ी कर गांव का डूब बचकर उसे पढ़ाए। बचपन से दिव्यांग जन्म लेने के कारण उसे पटना में भी इलाज कराया, लेकिन वहां भी पैर ठीक नहीं हुआ। चिंता भी थी कि क्यों भगवान ने इस तरह इसको जन्म दिया है। उसका आगे क्या होगा। मां के मुताबिक, डॉक्टर का कहना था कि उसका ऑपरेशन करना पड़ेगा। ऑपरेशन करने से शैलेश के पिता मना कर दिया। उनका कहना था लड़का है, रहने दीजिए। लड़की होती तो चिंता की बात होती। 2 साल तक शैलेश को मायके नवादा में लेकर रहे। वहां भी इलाज कराए, एक महीने तक एक्सरसाइज भी कराए, लेकिन ठीक नहीं हुआ। वह दिव्यांग ही रह गया। उसकी पढ़ाई के लिए हमने अपना खेत गिरवी रखा। कर्ज भी लिए। धर, पिता शिवनंदन यादव ने बताया कि शैलेश के नाना ने हमारी बहुत मदद की थी। पटना में डॉक्टर ने कहा कि बिना ऑपरेशन शैलेश का पैर ठीक नहीं हो पाएगा। शैलेश के पैर के ऑपरेशन के बारे में जब हमसे राय ली गई, तो हमने डर से मना कर दिया। शैलेश जब पढ़ाई करने लगा था, तब उसके लिए 2 बोधा जमीन गिरवी रखी। शैलेश पढ़ना भी चाहता था। खेलता भी था। वह स्कूल समय पर जाता था। पिता ने आगे बताया, 'हमें पता ही नहीं चलता था कि वह पढ़ रहा है या खेल रहा है। शैलेश पेरिस में खेलने से पहले 2023 में पैरा एथलियन गेम्स में भी सिल्वर मेडल जीता था। शैलेश ने जमुई, पटना, हरियाणा, गुजरात में भी खेला है। अभी वह पेरिस में खेल रहा है। शैलेश के साथ उसके जो भी साथी प्रैक्टिस में जाते थे, वह कहते थे कि हम तुमसे जीत नहीं पाएंगे। उसके साथ प्रैक्टिस करने के लिए कोई तैयार नहीं होता था। उसके साथ कई लड़कों ने प्रैक्टिस किया, लेकिन किसी को सफलता नहीं मिली।'



मुजफ्फरपुर में नाव पलटने से 2 भाइयों की मौत



मुजफ्फरपुर में बूढ़ी गंडक नदी में नाव पलटने से 9 लोग डूब गए। इसमें नाव सवार 2 सगे भाई की मौत गई। बाकी 7 लोगों को जिला प्रशासन की टीम और स्थानीय लोगों ने रेस्क्यू कर बचा लिया है। घटना के बाद इलाके के लोगों में अफरा-तफरी मच गई। जिला प्रशासन की टीम ने दोनों के शव को पोस्टमॉर्टम के लिए SKMCH भेज दिया है। घटना जिले के कांटी थाना क्षेत्र के कलवारी गांव का है। जहां लगभग 9 लोग एक नाव पर सवार होकर जमीन मापी के लिए बूढ़ी गंडक नदी को पार कर रहे थे। इसी दौरान अचानक नाव अनियंत्रित होकर बीच नदी में ही पलट गई। इसके बाद नाव पर सवार सभी लोग बूढ़ी गंडक नदी में डूबने लगे। लेकिन हादसे के बाद स्थानीय लोगों द्वारा 7 लोगों को सुरक्षित निकाल लिया गया है। डूबने से कलवारी गांव निवासी 2 भाई डॉ.अजित कुमार चौधरी और

पूर्व सैनिक विद्यानंद चौधरी की मौत हो गई है। घटना की सूचना पर कांटी अंचल अधिकारी दल बल के साथ मौके पर पहुंचकर मामले की जांच में जुटी है। वहीं, शव को पोस्टमॉर्टम के लिए SKMCH भेज दिया गया है। पश्चिमी एसडीएम श्रेया ने बताया कि सूचना प्राप्त हुई की कांटी के कलवारी गांव के एक नाव से 9 लोग नदी पार कर रहे थे। इसमें से नाव पलटने के कारण सभी डूबने लगे। 7 लोगों को बचा लिया गया है। जबकि 2 लोगों की डूब कर मौत हो गई। उनके शव भी बरामद कर लिए गए हैं। पोस्टमॉर्टम की प्रक्रिया जा रही है। विनोद चौधरी ने बताया कि हमलोग नाव पर सवार होकर मिथनसराय जमीन देखने गए थे। जमीन सर्वे का काम हो रहा उसी को लेकर चौधरी लिखने गए थे। उधर से वापस आ रहे थे। तभी अचानक नाव डूब गया। सभी लोग डूब गए।

कुर्था थाने की गाड़ी ने 2 को कुचला, एक की मौत

अरवल। में बुधवार को कुर्था थाने की गाड़ी ने दो बाइक सवार को कुचल दिया। इसमें एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दूसरा घायल है। बताया गया कि कुर्था थानाध्यक्ष सुरेंद्र कुमार अपने दल बल के साथ छापेमारी करने निकले थे। इसी दौरान हादसा हुआ है। ग्रामीणों ने बताया कि गाड़ी चौकीदार चला रहा था। हादसे के बाद ग्रामीणों ने थाने का घेराव किया। साथ ही सड़क जाम कर मुआवजे की मांग की गई। मृतक की पहचान किशुन विगहा टोला निवासी विमल यादव (26) के



रूप में हुई है। वहीं, घायल दिलीप कुमार को कुर्था प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया है। उसकी स्थिति गंभीर बनी हुई है। घायल

दिलीप कुमार ने बताया कि महतोपुर से आ रहे थे। इसी दौरान टर्मिंग पर प्रशासन की गाड़ी ने टक्कर मार दी। वहीं, अस्पताल के डॉक्टर सिन्हा ने बताया कि एक युवक को मृत लाया गया था। दूसरे का इलाज चल रहा है। लोगों ने बताया कि चौकीदार वाहन चला रहा था। इससे गुस्साए ग्रामीणों ने थाने का घेराव किया और जमकर नारेबाजी की। इस दौरान पुलिस ने थाने का मेन गेट बंद कर दिया। लोगों ने पथरबाजी की, जिसमें पुलिस की गाड़ी क्षतिग्रस्त हो गई। वहीं, पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। बाहर पहुंचे परिजन ने वहां रखे शव को बाहर निकाल दिया और पुलिस के साथ जमकर हंगामा किया।

शिक्षा मंत्री सुनील कुमार ने कहा- सरकार फैसला

ले चुकी है, स्कूल अपनी कमियां दूर करे

पटना। वित्त रहित स्कूलों के अनुदान के बकाया पैसे का भुगतान जल्द किया जाएगा। सरकार की तरफ से इस संबंध में निर्णय ले लिया गया है। शिक्षा मंत्री सुनील कुमार ने बुधवार को इसकी जानकारी दी कि वित्त रहित स्कूलों के बकाया राशि का जल्द भुगतान किया जाएगा। शिक्षा मंत्री ने कहा कि नियम के मुताबिक वित्त रहित शिक्षकों को कुछ मूलभूत सुविधाएं देनी होती हैं, जहां मूलभूत सुविधाओं का अभाव था। ऐसे स्कूलों का कोर्स सस्पेंड किया गया था। अब एक बार फिर से स्कूलों



को कहा गया है कि अपनी सुविधाओं को बेहतर बनाए सरकार अपना काम कर रही है।

राज्य के लगभग 45 हजार वित्त रहित शिक्षक प्रदेश के 1450 अनुदानित माध्यमिक, इंटरमीडिएट और डिग्री कॉलेजों में कार्यरत हैं। कई कॉलेजों को 6 से 9 साल से अनुदान की राशि नहीं मिली है। इसके लिए वो पिछले कई वर्षों से आंदोलन कर रहे हैं। दो दिन पहले विधान परिषद में शिक्षक कोटे से जीत कर आए सभी टखने ने भी इसकी मांग की थी, तब शिक्षा मंत्री ने उन्हें आश्वासन दिया था कि इसका समाधान जल्द निकाल लिया जाएगा। वहीं लागूतार डोमिसाइल नीति में हो रहे बदलाव की मांग पर शिक्षा मंत्री ने कहा है कि फिलहाल राज्य की अपनी डोमिसाइल नीति है।

घर से उठाकर ले गए, चिल्लाई तो मुंह पर कपड़ा बांधा, मौत के बाद छोड़कर भागने लगे

गया। में 5 साल की बच्ची के साथ गैंगरेप हुआ है। बच्ची अपनी छोटी बहन और पिता के साथ घर के बाहर सोई थी। शराब के नशे में गांव के दो युवक उसे उठा कर ले गए। दोनों ने नशे में नदी किनारे ले जाकर बच्ची से दुष्कर्म किया। मासूम जब रोने लगी तो उसके मुंह पर कपड़ा बांध दिया। रेप के दौरान ही बच्ची की मौत हो गई। भागने के दौरान एक युवक पकड़ा गया। जबकि दूसरे आरोपी को उसके घर से पकड़कर पुलिस को सौंप दिया गया घटना की सूचना मिलते ही पुलिस पहुंची। बच्ची के शव को



कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए मगध मेडिकल कॉलेज गया भेज दिया। पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। आरोपियों की

पूछताछ में दोनों आरोपियों ने अपना जुर्म फबूल लिया। दोनों की उम्र 20 और 25 साल है। मृतक के पिता ने बताया कि आने वाले तीन त्योहार को लेकर पत्नी पड़ोस में रात के समय झूम गाने चली गई थी। जिसके बाद मैं घर के बाहर दो नाबालिग बेटियों को लेकर सो गया। इसी दौरान अभियुक्त नाबालिग बेटों को उठा कर ले गया। गहरी नींद के कारण पता नहीं चला। दूढ़ते नदी किनारे पहुंचे तो गांव का युवक संदीप मांझी भागने लगा। लोगों ने दौड़ाकर पकड़ा।

आरा सिविल कोर्ट के हेड क्लर्क को किया निलंबित



आरा। सिविल कोर्ट में जिला एवं सत्र न्यायाधीश द्वारा काम में लापरवाही बरतने पर एक कर्मचारी को सस्पेंड कर दिया गया है। इसके बाद कर्मचारियों ने बुधवार को आरा सिविल कोर्ट में काम का बहिष्कार कर दिया है। सभी कर्मचारी कोर्ट परिसर में काम का बहिष्कार कर बाहर बैठे हुए हैं। वहीं, सीजेएम ऑफिस के हेड क्लर्क विनोद कुमार शर्मा को सस्पेंड किया गया है। इन्होंने 2021 के अक्टूबर में सीजेएम ऑफिस में हेड क्लर्क में ज्वाइन किया था। उससे पहले एडीजे वन में क्लर्क थे। वहीं, निलंबित क्लर्क विनोद कुमार शर्मा ने बताया कि चरपोखरी 93/9 के रेकड के संबंध में आदेश फलप कर 7 पन्ना और फाइल का एक पन्ना मिल गया। बाकी रेकड नहीं मिलने की वजह से बिना नोटिस और बिना शोर्काज के मुझे सस्पेंड कर दिया गया है। उन्होंने बताया कि मुझसे स्पष्टीकरण मांगा भी नहीं गया है। इसके विरोध में हमलोग लगभग 300 कर्मचारी न्याय काम से अलग है।

कलर्क विनोद कुमार शर्मा को सस्पेंड किया गया है। इन्होंने 2021 के अक्टूबर में सीजेएम ऑफिस में हेड क्लर्क में ज्वाइन किया था। उससे पहले एडीजे वन में क्लर्क थे। वहीं, निलंबित क्लर्क विनोद कुमार शर्मा ने बताया कि चरपोखरी 93/9 के रेकड के संबंध में आदेश फलप कर 7 पन्ना और फाइल का एक पन्ना मिल गया। बाकी रेकड नहीं मिलने की वजह से बिना नोटिस और बिना शोर्काज के मुझे सस्पेंड कर दिया गया है। उन्होंने बताया कि मुझसे स्पष्टीकरण मांगा भी नहीं गया है। इसके विरोध में हमलोग लगभग 300 कर्मचारी न्याय काम से अलग है।

नातदा में पुलिस ने दो लोगों को किया गिरफ्तार, एक माह पहले सड़क पर मिली थी लाश



के लिए किशनपुर (महानन्दपुर) गांव गया था, जहां से नहीं लौटा। सदर डीएसपी ने प्रेस रिलीज जारी कर बताया कि वैज्ञानिक तरीकों का इस्तेमाल करते हुए जांच शुरू की। सीसीटीवी फुटेज की मदद से पुलिस ने 26 वर्षीय दीपक कुमार को हत्या के आरोप में गिरफ्तार किया। पूछताछ में दीपक ने अपना जुर्म कबूल किया और बताया कि उसके साथी विक्रम कुमार ने भी इस हत्या में मदद की थी। विक्रम को भी गिरफ्तार कर लिया गया है। दोनों आरोपियों ने पूछताछ में बताया कि यह हत्या एक साल पहले हुई घटना का बदला थी। दीपक के भाई रोहित को गोली मारी गई थी, जिसमें वादी (मृतक के पिता) का हाथ था। दीपक ने अपने सहयोगियों के साथ मिलकर वादी के बेटे सुमन की हत्या कर बदला लिया।

नातदा में पुलिस ने दो लोगों को किया गिरफ्तार, एक माह पहले सड़क पर मिली थी लाश के लिए किशनपुर (महानन्दपुर) गांव गया था, जहां से नहीं लौटा। सदर डीएसपी ने प्रेस रिलीज जारी कर बताया कि वैज्ञानिक तरीकों का इस्तेमाल करते हुए जांच शुरू की। सीसीटीवी फुटेज की मदद से पुलिस ने 26 वर्षीय दीपक कुमार को हत्या के आरोप में गिरफ्तार किया। पूछताछ में दीपक ने अपना जुर्म कबूल किया और बताया कि उसके साथी विक्रम कुमार ने भी इस हत्या में मदद की थी। विक्रम को भी गिरफ्तार कर लिया गया है। दोनों आरोपियों ने पूछताछ में बताया कि यह हत्या एक साल पहले हुई घटना का बदला थी। दीपक के भाई रोहित को गोली मारी गई थी, जिसमें वादी (मृतक के पिता) का हाथ था। दीपक ने अपने सहयोगियों के साथ मिलकर वादी के बेटे सुमन की हत्या कर बदला लिया।

जमुई में 6 दिन पहले प्रेमी संग भाग गई थी महिला, पति के बुलाने पर पहुंची थी घर

जमुई। में एक महिला और उसके पति को ग्रामीणों ने अर्धनग्न कर डोल-नगाड़े के साथ पूरे गांव में घुमाया। इससे पहले महिला के बाल काटे गए और दोनों को चप्पल की माला भी पहनाई गई। इस घटना का वीडियो भी सामने आया है। ग्रामीणों ने दंपती पर समाज को गंदा करने का आरोप लगाया है। दरअसल, महिला कोर्ट मैरिज करने के बाद एक सप्ताह पहले अपने प्रेमी के साथ फरार हो गई थी। सोमवार देर शाम वो घर पति के पास वापस पहुंची। इसके बाद ग्रामीणों ने बैटक कर निर्णय लिया कि महिला, उसके पति और प्रेमी को अर्धनग्न कर पूरे गांव घुमाया जाए। इस बात की जानकारी होने पर प्रेमी केदार मंडल फरार हो गए। घटना झाझा थाना क्षेत्र की है। पौडिता और केदार मंडल (प्रेमी)



ने एक माह पहले कोर्ट मैरिज किया था। केदार मंडल महिला को भगा कर पटना ले गया था। इस बात की जानकारी महिला के पति को हुई। फिर पति ने पत्नी से कहा कि बच्चा रो रहा है, तुम आ जाओ। सोमवार को महिला प्रेमी के साथ गांव

पहुंची। जिसके बाद पंचायत में फैसला हुआ कि दोनों को गांव से भगा दिया जाए। रात 8 बजे से देर रात साढ़े 12 बजे तक झुमा चला। महिला के बाल काट दिए गए। दंपती के चेहरे पर कालिख पोता गया। जूते-चप्पल की माला पहनाई गई और पूरे गांव में उन्हें घुमाया गया। गांव वालों ने पति को इसलिए सजा दी कि उसने महिला को घर बुलाया था। महिला और उसका प्रेमी दोनों शादीरूढ़ा है। महिला के दो बच्चे हैं, जबकि प्रेमी के चार। फिर भी प्रेम-प्रसंग में दोनों एक-

दूसरे के साथ फरार हो गए थे। दोनों सात दिन बाद जब लौटें तो ग्रामीणों ने विरोध करना शुरू कर दिया। वीडियो में देखा जा सकता है कि गांव को कुछ महिलाएं, महिला के बाल काट रहीं। अन्य महिलाएं उसकी साड़ी उतार रही हैं। उसके पति को सभी लोग अपमानित कर रहे थे। वीडियो सोमवार रात का है, जो अब सामने आया। झाझा थानाध्यक्ष संजय सिंह ने बताया कि घटना की जानकारी मिली है। पौडिता के आवेदन पर 12 लोगों पर एफआईआर दर्ज की गई है। पुलिस कार्रवाई में लगी हुई है। पौडित महिला ने कहा कि मैं काफी छोटी थी, तभी मेरी शादी हुई थी। मेरे बच्चे की उम्र दो और तीन साल है। जब महिला से पूछा गया कि पति को क्यों सजा दी गई, तो

कहा कि हम भी यही सोच रहे कि उसे क्यों सजा दी। मेरे साथ इन्साफ होना चाहिए। मुझे अब केदार के साथ ही रहना है। बच्चों की देखभाल उसके पहले पिता करेंगे। वहीं, केदार की पत्नी ने कहा कि 'मेरे पति कहते हैं कि हम उसी के साथ रहेंगे, तुम्हें नहीं रखेंगे। केदार किसी की बात को नहीं मान रहा था। उस महिला के साथ सही हुआ। मेरे चार बच्चे हैं। मैं अपने पति के साथ रहना चाहती हूँ। झाझा एसडीपीओ राजेश कुमार ने बताया कि 'मामला संज्ञान में आया है, जिसमें एक महिला और उसके पति के साथ मारपीट कर गांव में घुमाया गया है। एफआईआर दर्ज कर ली गई है। कानूनी कार्रवाई की जाएगी, अभी स्थिति सामान्य है। अब तक इस मामले में किसी की गिरफ्तारी नहीं हुई है।'

खूबसूरत ऐतिहासिक शहर

गुजरात विकास के लिए ही नहीं पर्यटन के लिए भी मशहूर है और यहां के कच्छ के बारे में तो कहा जाता है कि कच्छ नहीं देखा तो कुछ नहीं देखा। कच्छ गुजरात का एक खूबसूरत ऐतिहासिक शहर है। कहा जाता है कि अगर कच्छ नहीं देखा तो गुजरात की यात्रा अधूरी है। पर्यटकों को लुभाने के लिए यहां बहुत कुछ है। पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए हर साल कच्छ महोत्सव आयोजित किया जाता है। यहां का ज्यादातर भाग रेतीला और दलदली है।



कच्छ मांडवी बीच

कच्छ मांडवी बीच को गुजरात के सबसे आकर्षक बीचों में से एक माना जाता है। यहां से सूर्योदय और सूर्यास्त का बेहद सुंदर नजारा देखा जा सकता है। यहां पर आपको दूर-दूर तक नीला पानी दिखाने को मिलेगा। इसके अलावा यहां पर कई प्रकार के जलपक्षियों को भी देखा जा सकता है।

जखऊ बंदरगाह

ये बंदरगाह कच्छ जिले के सबसे प्राचीन बंदरगाहों में एक है। अब इस बंदरगाह का इस्तेमाल केवल मछली पकड़ने के लिए किया जाता है।

धौलावीरा

यहां का पुरातात्विक स्थल हड़प्पा संस्कृति का प्रमुख केन्द्र था। भुज से करीब 250 किमी दूर धौलावीरा में हड़प्पा संस्कृति फली-फूली थी। यह संस्कृति 2900 ईसा पूर्व से 2500 ईसा पूर्व की मानी जाती है। सिंधु घाटी सभ्यता के अनेक अवशेषों को यहां देखा जा सकता है।

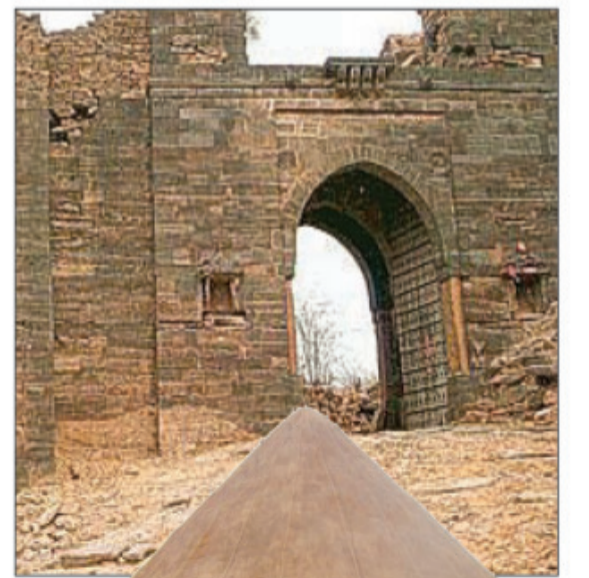
पश्चिमोत्तर कच्छ



यहां कई धार्मिक स्थले हैं। हिन्दू धर्म के पवित्र सरोवरों में से एक नारायण सरोवर, उससे थोड़ी ही दूर पर प्रसिद्ध भगवान शिव और रावण का कोटेश्वर मंदिर

कैसे पहुंचें-

सड़क मार्ग से कच्छ आसानी से जाया जा सकता है। सड़क मार्ग से गुजरात और पड़ोसी राज्यों के कई शहर जुड़े हैं। यहां के लिए राज्य परिवहन और प्राइवेट डीलक्स बसें अनेक शहरों से चलती हैं।
वायु मार्ग- भुज और कांडला दो महत्वपूर्ण एयरपोर्ट हैं।
रेल मार्ग- यहां का नजदीकी रेलवे स्टेशन गांधीधाम और भुज जिले के पास है।
सड़क मार्ग- गुजरात पड़ोसी राज्यों के कई शहर जुड़े हैं। यहां पर जाने के लिए आसानी से बस मिल जाती है।



कच्छ

कच्छ गुजरात का सबसे मशहूर पर्यटक स्थल है। कच्छ में आपको गुजरात की असली छाप देखने को मिलेगी। कच्छ में आपको ऐतिहासिक इमारतें जखऊ, कांडला और मुन्द्रा बंदरगाह है। जिले में अनेक ऐतिहासिक इमारतें, मंदिर, मस्जिद, हिल स्टेशन और कई खूबसूरत पर्यटन स्थल हैं। कच्छ में हर साल कच्छ महोत्सव आयोजित किया जाता है। कच्छ का ज्यादातर हिस्सा रेतीला और दलदली है। यहां की सफेद रेत पर चलने का एक अलग ही मजा है।

कच्छ बीच-भुज से करीब 60 किमी। दूर स्थित यह बीच गुजरात के सबसे आकर्षक बीचों में एक माना जाता है। दूर-दूर फैले नीले पानी को देखना और यहां की रेत पर टलहना पर्यटकों को खूब भाता है। साथ ही अनेक प्रकार के जलपक्षियों को भी यहां देखा जा सकता है। सूर्योदय और सूर्यास्त का नजारा यहां से बड़ा आकर्षक प्रतीत होता है।

कठकोट किला

एक अलग-थलग पहाड़ी के शिखर पर बने इस किले का निर्माण 8वीं शताब्दी में हुआ था। कहा जाता है कि 1816 में अंग्रेजों ने इस पर अधिकार कर लिया और इसका अधिकांश हिस्सा नाष्ट कर दिया। किले के पास ही जैन मंदिर, कथडनाथ मंदिर और सूर्य मंदिर है।

नारायण सरोवर मंदिर

ये मंदिर भगवान विष्णु के सरोवर के नाम से जाना जाता है। इस स्थान में पांच पवित्र झीलें हैं। इन तालाबों को भारत के सबसे पवित्र तालाबों में गिना जाता है। नारायण सरोवर को हिन्दुओं के अति प्राचीन और पवित्र तीर्थस्थलों में शुमार किया जाता है। श्री त्रिकमरायजी, लक्ष्मीनारायण, गोवर्धननाथजी, द्वारकानाथ, आदिनारायण, रणछोडरायजी और लक्ष्मीजी के मंदिर आकर्षक मंदिरों को यहां देखा जा सकता है।

भद्रेश्वर जैन मंदिर

ये प्राचीन जैन मंदिर जैन धर्म के अनुयायियों के लिए अति पवित्र माना जाता है। भद्रावती में 449 ईसा पूर्व राजा सिद्धसेन का शासन था। बाद में यहां सोलकियों का अधिकार हो गया जो जैन मतावलंबी थे। उन्होंने इस स्थान का नाम बदलकर भद्रेश्वर रख दिया।

कांडला बंदरगाह

यह राष्ट्रीय बंदरगाह देश के 11 सबसे महत्वपूर्ण बंदरगाहों में एक है। यह बंदरगाह कांडला नदी पर बना है। मांडवी बंदरगाह यह बंदरगाह कच्छ जिले के सबसे प्राचीन बंदरगाहों में एक है। वर्तमान में मात्र मछली पकड़ने के उद्देश्य से इसका प्रयोग किया जाता है। यह बंदरगाह देश के 11 सबसे महत्वपूर्ण बंदरगाहों में एक है। इस बंदरगाह को महाराव श्री खेनगरजी तृतीय और ब्रिटिश सरकार के सहयोग से 19वीं शताब्दी में विकसित किया गया था।



सुखद अहसास कराता है गुरुदेव का शांति निकेतन



पहुंचा जा सकता है। शांतिनिकेतन से 80 किलोमीटर की दूरी पर स्थित तारापीठ जाने के लिए बोलपुर से रामपुरहाट बस या ट्रेन से जाना पड़ेगा। वैसे रामपुरहाट से तारापीठ केवल पांच किलोमीटर दूर है। यहां रामकनाई धर्मशाला भी है जहां आप रूक सकते हैं। तारापीठ के बारे में आपको एक बात बता दें कि यह तंत्रिक अनुष्ठानों के लिए प्रसिद्ध स्थल है।

यहां की प्रसिद्ध वस्तुओं की बात करें तो आप पाएंगे कि यहां हथकरघा के वस्त्र अपनी कलात्मक डिजाइनों के लिए काफी प्रसिद्ध हैं। बोलपुर, सर्वोदय आश्रम, विश्व भारती शिल्प सदन एवं शांतिनिकेतन कोआपरेटिव स्टोर्स से आप इन वस्तुओं की खरीददारी कर सकते हैं।

मौसम के हिसाब से देखें तो इस स्थल की सबसे



शांतिनिकेतन में आपके ठहरने की व्यवस्था भी आराम से हो सकती है। आप यहां के होटलों में फोन करके एडवांस बुकिंग भी करा सकते हैं या फिर चाहें तो शांतिनिकेतन व बोलपुर में मौजूद सस्ते डाक बंगलों में भी ठहर सकते हैं। इन डाक बंगलों में ठहरने का खर्च प्रति व्यक्ति लगभग पचास से सौ रुपये आता है।

शांतिनिकेतन तक पहुंचने के लिए निकटतम रेलवे स्टेशन बोलपुर है जो कि यहां से दो किलोमीटर दूर है। आपको बोलपुर तक आने के लिए हवड़ा, सियालदाह व गुवाहाटी से रेल सेवाएं मिल सकती हैं यदि आप सड़क मार्ग से आना चाहें तो कोलकाता के अतिरिक्त दुर्गापुर व सारनाथ से भी सड़क मार्ग से जा सकते हैं। वैसे कोलकाता से शांतिनिकेतन के लिए सरकारी बस सुबह आठ बजे चलती है।

कोलकाता से 210 किलोमीटर दूर वीरभूम जिले में पड़ने वाला शांतिनिकेतन अंतर्राष्ट्रीय विश्वविद्यालय विश्व भारती के लिए प्रसिद्ध है जिसकी स्थापना गुरुदेव रवीन्द्रनाथ टैगोर ने की थी। 1863 में महर्षि देवेन्द्र नाथ टैगोर द्वारा एक आश्रम के रूप में स्थापित किये गये इस विश्वविद्यालय में देश-विदेश के छात्र कला व संस्कृति की नई ऊंचाइयों छूते हैं।

शांतिनिकेतन में टैगोर की चित्रकला व मूर्तिकला के साथ ही बोस, रामकिंकर, विनोद बिहारी मुखोपाध्याय की कलाकृतियों के दर्शन करना सचमुच एक सुखद अहसास कराता है। शांति निकेतन के दर्शनीय स्थलों की बात करें तो आईए आपको सबसे पहले लिए चलते हैं उत्तरायण परिसर में, जहां कि कविगुरु स्वयं रहा करते थे। इसमें उदयन, श्यामली, कोणार्क, पुनश्च तथा उदीचि जैसे कई भवन मौजूद हैं साथ ही इनके अलावा आप ललित कला का कालेज, कला भवन, संगीत भवन, नृत्य व संगीत के कालेज, विद्या भवन, शिक्षा भवन, विनय भवन, हिंदी भवन, चीना भवन आदि भी देख सकते हैं।

शांतिनिकेतन से लगभग तीन किलोमीटर दूर डियर पार्क है। जिसमें आपको हिरण विचरते हुए नजर आएंगे। लोग यहां पिकनिक का आनंद उठाने आते



रहते हैं। यहां से 78 किलोमीटर की दूरी पर मासनजोर स्थित है। मयूराक्षी नदी पर बना यहां का बांध आसपास के पहाड़ी सौंदर्य के कारण बहुत ही सुन्दर दिखता है, दूर से आए सैलानियों को तो यह स्थल बहुत ही भाता है। यहां के यूथ हॉस्टल में ठहरने की भी व्यवस्था है। यहां से लगभग 23 किलोमीटर की दूरी पर नमूर है, जोकि 14वीं सदी के वैष्णव कवि चंडीदास का जन्मस्थल है। यदि आप यहां जाना चाहें तो बोलपुर रेलवे स्टेशन से बस द्वारा यहां एक घंटे में

खास बात यह है कि यहां वर्ष भर में कभी भी जाया जा सकता है। वैसे विश्व भारती विश्वविद्यालय मई-जून तथा सितंबर-अक्टूबर में पूजा की छुट्टियों में बंद रहता है। यदि आप यहां जाने का कार्यक्रम बनाने के बारे में सोच रहे हैं तो आपको बताए देते हैं कि पश्चिम बंगाल सरकार का पर्यटन विभाग एक रात व दो दिन का पैकेज टुअर पैप मेला के लिए विशेष तौर पर चलाती है। आप इन टुअर पैकेजों के लिए बोलपुर स्टेशन के पर्यटन कार्यालय से संपर्क साध सकते हैं।

दलीप ट्रॉफी: लंबी अवधि के प्रारूप में वापसी करने वाले ऋषभ पंत पर होगी नजरें

बेंगलुरु (एजेंसी)। दिसंबर 2022 में सड़क दुर्घटना में घायल होने के बाद पहली बार लंबी अवधि के प्रारूप में वापसी कर रहे विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत गुरुवार से बेंगलुरु और अनंतपुर में शुरू होने वाले दलीप ट्रॉफी क्रिकेट टूर्नामेंट में आकर्षण का केंद्र होंगे।

पंत ने चोटों से उबरने के बाद सीमित ओवरों की क्रिकेट में सफल वापसी की लेकिन वह अभी तक लंबी अवधि के प्रारूप में नहीं खेले हैं। उन्होंने लाल गेंद से अपना अंतिम मैच दिसंबर 2022 में बांग्लादेश के खिलाफ खेला था। अब वह अभिमन्यु ईश्वरन की अगुवाई वाली टीम की तरफ से मैदान पर उतरेंगे जिसका मुकामबला यहां चिन्नास्वामी स्टेडियम में शुभमन गिल के नेतृत्व वाली टीम ए से होगा।

सीमित ओवरों की क्रिकेट में वापसी करने में उन्हें किसी तरह की परेशानी नहीं हुई लेकिन यह चार दिवसीय टूर्नामेंट उनके लिए अलग तरह की चुनौती पेश करेगा क्योंकि उन्हें विकेटकीपर और बल्लेबाज के रूप में लंबा समय मैदान पर बिताना पड़ सकता है। पंत को टीम की का विशेषज्ञ विकेटकीपर नियुक्त किया गया है



जिससे पता चलता है कि भारत के टेस्ट क्रिकेट में आगे व्यस्त कार्यक्रम को देखते हुए अजीत अगरकर की अगुवाई वाली चयन समिति इस विकेटकीपर बल्लेबाज की वापसी को लेकर कितनी गंभीर है।

चयन समिति के लिए हालांकि विकेटकीपर का चयन करना आसान नहीं होगा क्योंकि कुछ अन्य मजबूत दावेदार भी हैं। इनमें टीम ए की

तरफ से खेलने वाले ध्रुव जुरेल भी शामिल है जिन्होंने इस साल के शुरू में इंग्लैंड के खिलाफ अपनी पदापन श्रृंखला में प्रभावशाली प्रदर्शन किया था। उनके अलावा ईशान किशन भी हैं जो श्रेयस अय्यर की अगुवाई वाली टीम डी के विकेटकीपर हैं। टीम डी का मुकामबला अनंतपुर में टीम सी से होगा जिसकी कप्तानी रुतुराज गायकवाड़ को सौंपी गई है।

चयन समिति इसके अलावा विशेषकर तेज गेंदबाजी विभाग में जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद शमी और मोहम्मद सिराज के विकल्प तलाशने पर भी ध्यान देगी क्योंकि भारतीय टीम का आगे काफी व्यस्त कार्यक्रम है। सिराज अस्वस्थ होने के कारण टूर्नामेंट के पहले दौर में नहीं खेल पाएंगे जबकि शमी अभी ऑपरेशन के बाद पूरी तरह से फिट नहीं हुए हैं। ऐसे में चयनकर्ता बंगाल के तेज गेंदबाज मुकेश कुमार और आकाशदीप पर पैनी नजर रखेंगे। इनके अलावा अरंदिप सिंह, अवेश खान, खलील अहमद, विद्वथ कावेरप्पा, वैसाव विजयकुमार और हर्षित राणा भी चयन समिति को प्रभावित करने की कोशिश करेंगे।

टीमें इस प्रकार हैं

भारत ए : शुभमन गिल (कप्तान), मयंक अग्रवाल, रियाज पराग, ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), केएल राहुल, तिलक वर्मा, शिवम दुबे, तनुष कोटियन, कुलदीप यादव, आकाश दीप, प्रसिद्ध कृष्णा, खलील अहमद, अवेश खान, विद्वथ कावेरप्पा, कुमार कुशाग्र, शाश्वत रावत।

भारत बी: अभिमन्यु ईश्वरन (कप्तान), यशवी जायसवाल, सस्फराज खान, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), मुशीर खान, नितीश कुमार रेड्डी (फिटनेस के आधार पर), वाशिंगटन सुंदर, नवदीप सैनी, यश दयाल, मुकेश कुमार, राहुल चाहर, आर साई किशोर, माहित अक्थी, एन जगदीशन।

भारत सी : रुतुराज गायकवाड़ (कप्तान), साई सुदर्शन, रजत पाटीदार, अभिषेक पोरेल (विकेटकीपर), सूर्यकुमार यादव, बी इंद्रजीत, रितिक शौकीन, मानव सुधार, गौरव यादव, विशाक विजयकुमार, अंशुल खंबोब, हिमांशु चौहान, मयंक मारकडे, अर्यन जुयाल, संदीप वायरियर।

भारत डी : श्रेयस अय्यर (कप्तान), अथर्व तायडे, यश दुबे, देवदत्त पंडितकर, इशान किशन (विकेटकीपर), रिकी भूई, सारांश जैन, अशर पटेल, अरंदिप सिंह, आदित्य ठाकरे, हर्षित राणा, तुषार देशपांडे, आकाश सेनगुप्ता, कैप्टन भरत, सौरभ कुमार।

विश्व चैंपियन सचिन खिलाड़ी ने पैरालिंपिक में जीता सिल्वर पदक



पेरिस (एजेंसी)। भारत के सचिन सरजेराव खिलाड़ी ने बुधवार को यहां चल रहे खेलों में पुरुषों की शॉटपुट एफ46 स्पर्धा में 16.32 मीटर की एशियाई रिकॉर्ड दूरी के साथ अपने पैरालिंपिक रजत को विश्व खिताब में जोड़ा। 34 वर्षीय खिलाड़ी ने अपने दूसरे प्रयास में दिन का अपना सर्वश्रेष्ठ थ्रो हासिल किया और 16.30 मीटर के अपने पहले के एशियाई रिकॉर्ड को बेहतर बनाया, जो उन्होंने मई में जापान में विश्व पैरा-एथलेटिक्स चैंपियनशिप में स्वर्ण जीते हुए बनाया था।

मीटर के थ्रो के साथ अपने टोक्यो पैरालिंपिक स्वर्ण का बचाव किया। क्रोएशिया के लुका बाकोविच ने 16.27 मीटर के साथ कांस्य पदक जीता। खिलाड़ी का रजत मौजूदा खेलों में पैरा-एथलेटिक्स से 11वां पदक है। उन्होंने पिछले साल चीन में एशियाई पैरा खेलों में भी स्वर्ण पदक जीता था। एफ46 वर्गीकरण उन एथलीटों के लिए है जिनकी भुजाओं में कमजोरी है, मांसपेशियों की शक्ति क्षीण है या भुजाओं में निष्क्रिय गति की सीमा क्षीण है, तथा एथलीट खड़े होकर प्रतियोगिता करते हैं।

कनाडा के ग्रेग स्टीवर्ट ने 16.38

बांग्लादेश से हार पड़ी भारी, 1965 के बाद पहली बार सबसे निचले स्तर पर पहुंची पाकिस्तान टेस्ट टीम

दुबई। बांग्लादेश के हाथों पहली बार टेस्ट श्रृंखला गंवाने के बाद पाकिस्तान अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की टेस्ट रैंकिंग में आठवें स्थान पर खिसक गया और उसकी रेटिंग 1965 के बाद पहली बार अपने न्यूनतम स्तर पर पहुंच गई। पाकिस्तान पहले टेस्ट मैच में 10 विकेट से और दूसरे मैच में छह विकेट से हार गया था। यह दोनों मैच रावलपिंडी में खेले गए थे। आईसीसी ने अपनी वेबसाइट पर कहा, 'बांग्लादेश के हाथों अपने घरेलू मैदान पर श्रृंखला में कारी हार झेलने के बाद पाकिस्तान आईसीसी पुरुष टेस्ट टीम रैंकिंग में दो स्थान नीचे आठवें स्थान पर खिसक गया है।' वेबसाइट के अनुसार, 'पाकिस्तान की टीम श्रृंखला से पहले छठे स्थान पर थी लेकिन लगातार हार के कारण वह

टेस्ट रैंकिंग में नीचे आठवें स्थान पर पहुंच गई है। उसके 76 रेटिंग अंक हैं। पाकिस्तान 1965 के बाद पहली बार इतने कम रेटिंग अंकों पर पहुंचा है।' बांग्लादेश 13 रेटिंग अंक हासिल करने के बावजूद पाकिस्तान से पीछे नीचे स्थान पर बना हुआ है। श्रृंखला में 2-0 से जीत के बाद हालांकि विश्व टेस्ट चैंपियनशिप की तालिका में उसकी फायदा हुआ है और वह भारत, ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड के बाद चौथे स्थान पर पहुंच गया है जबकि इंग्लैंड पांचवें स्थान पर खिसक गया है। बांग्लादेश अब दो टेस्ट मैच की श्रृंखला के लिए भारत का दौरा करेगा जिसका पहला टेस्ट मैच 19 सितंबर से चेन्नई में खेला जाएगा।

भाविनाबेन पटेल पैरालिंपिक गेम्स में टेबल टेनिस क्वार्टर फाइनल से बाहर



पेरिस। पेरिस पैरालिंपिक महिला एकल टेबल टेनिस में भारतीय की चुनौती खत्म हो गई जब तोवोय पैरालिंपिक की रजत पदक विजेता भाविनाबेन पटेल वलास 4 क्वार्टर फाइनल में चीन की यिंग झोउ से हार गई। तोवोय पैरालिंपिक में रजत के साथ इस खेल में पदक जीतने वाली पहली भारतीय खिलाड़ी बनी भाविनाबेन को 12.14, 9.11, 11.8, 6.11 से पराजय झेलनी पड़ी। इससे पहले वलास 3 में भारती की सोनलबेन पटेल को क्रोएशिया की एंडेला मुजिनविच विसेटिच ने हराया। महिला युगल में भारत की भाविनाबेन और सोनलबेन क्वार्टर फाइनल में कोरिया की यंग ए जुंग और एस मून से हार गई। भाविनाबेन एक साल की उम्र से पोलियो से जूझ रही है। वह व्हीलचेयर पर निर्भर खिलाड़ियों की श्रेणी में खेलती हैं।

अंकोला की जगह रात्रा बने बीसीसीआई चयनसमिति के सदस्य

मुंबई। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने राष्ट्रीय चयन समिति में बदलाव करते हुए सलिल अंकोला की जगह पर पूर्व क्रिकेटर अजय रात्रा को चयनकर्ता बनाया है। अब रात्रा अजीत अगरकर की अगुआई वाली चयन समिति का हिस्सा बन गये हैं। चयनसमिति में पांच क्षेत्रों के पांच सदस्य होंगे हैं। रात्रा इस कमेटी में उत्तरी क्षेत्र की जिम्मेदारी संभालेंगे। रात्रा 5 सितंबर से दलीप ट्रॉफी के साथ ही कामकाज शुरू करेंगे। भारतीय टीम को अगली सीरीज बांग्लादेश के खिलाफ खेलनी है। रात्रा इस सीरीज के लिए चयन समिति की बैठक में रहेंगे। रात्रा ने भारतीय टीम की ओर से 6 टेस्ट मैच और 12 एकदिवसीय मैच खेले हैं। उनके नाम वेस्टइंडीज में एक शतक भी है। रात्रा ने क्रिकेट से संन्यास के बाद कोच के तौर पर काम किया। वह असम, पंजाब और उत्तर प्रदेश के मुख्य कोच रहे हैं। वह 2023 में दक्षिण अफ्रीका दौरे पर गई भारतीय टीम में भी कोचिंग स्टाफ के तौर पर शामिल थे। रात्रा का करियर जिस साल शुरू हुआ, उसी साल खत्म भी हो गया। उन्होंने भारत के लिए पहला मैच कोलकाता के ईडन गार्ड्स स्टेडियम में 19 जनवरी 2002 को इंग्लैंड के खिलाफ खेला था। इसके बाद इसी साल इंग्लैंड के ही खिलाफ सितंबर में अंतिम टेस्ट मैच खेला।

आईएसएल में बेंगलुरु एफसी की कप्तानी करेंगे छेत्री

बेंगलुरु। आईएसएल 2024-25 सत्र की शुरुआत 13 सितंबर को यहां चिदंबरम युवा भारतीय क्रीडांगन में मुंबई सिटी एफसी और मोहन बागान सुपर जाइंट के बीच मुकामबले से होगी। इसमें भारतीय टीम के पूर्व कप्तान सुनील छेत्री भी खेलते हुए दिखेंगे। छेत्री की कप्तानी में बेंगलुरु एफसी 14 सितंबर को बेंगलुरु में ईस्ट बंगाल एफसी के खिलाफ अपना पहला मुकामबला खेलेगी। दिग्गज खिलाड़ी छेत्री ने कहा है कि आईएसएल उनकी पसंदीदा लीग है और इसमें खेलना उन्हें हमेशा ही अच्छा लगता रहा है। उन्होंने कहा कि एक दशक पहले जब वे लगी शुरु हुई थी तब उन्हें उम्मीद नहीं थी कि यह इतनी तेजी से आगे बढ़ेगी साथ ही कहा कि इस लीग के आने के बाद नई प्रतिभाएं उभरी हैं और नई टीमों भी सामने आई हैं। छेत्री ने कहा, 'एक शानदार रात्रा है। 10 साल पहले अगर मेरे से पूछा जाता कि आईएसएल कल पहुंचेगा या नहीं तो मैं फुटबॉल में इसका क्या स्थान होगा तो शायद मैं बता नहीं पाता। यह आठ वलबों की दो महीने लंबी लीग से लेकर अब पूरे साल चलने वाली लीग बन गयी है इसे कई अच्छे खिलाड़ी निकले हैं।'

ईशान किशन का दलीप ट्रॉफी के पहले मैच में खेलना संदिग्ध



बेंगलुरु (एजेंसी)। विकेटकीपर बल्लेबाज ईशान किशन को यहां दलीप ट्रॉफी के पहले दौर में खेलना संदिग्ध लग रहा है। किशन को श्रेयस अय्यर की कप्तानी वाली भारत डी में शामिल किया गया है जो पहले दौर में अनंतपुर में भारत सी से भिड़ेगी।

पता चलता है कि किशन को हाल में कोयंबटूर में बुची बाबू आमंत्रण टूर्नामेंट में झारखंड के लिए खेलते हुए चोट लग गई थी। संजु सैमसन को उनका जगह शामिल करने की बात भी चल रही थी लेकिन पूरी उम्मीद है कि केएस भरत पहले दौर में भारत डी के लिए विकेटकीपिंग करेंगे। किशन अभी तक अनंतपुर नहीं पहुंचे हैं।

भारत ए के तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा

इस साल के शुरू में हुई सर्जरी से उबर रहे हैं और वह भी एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में मुकामबले में नहीं खेल पाएंगे। कई मुख्य खिलाड़ी चोटों के कारण दलीप ट्रॉफी में नहीं खेल रहे हैं। इससे पहले सूर्यकुमार यादव बुची बाबू टूर्नामेंट में मुंबई के लिए खेलते हुए लग्गी हथिय में चोट के कारण पहले दौर का मैच नहीं खेलेंगे। भारतीय तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज और उमरान मलिक भी बीमार होने के कारण टूर्नामेंट में नहीं खेलेंगे जबकि आल राउंडर रविंद्र जडेजा को भारत डी में रिलीज कर दिया है लेकिन इसका कारण पता नहीं है। तेज गेंदबाज नवदीप सैनी भारत डी में सिराज की जगह लेंगे जबकि पुडुचेरी के तेज गेंदबाज गौरव यादव भारत सी में मलिक के स्थान पर उतरेंगे।

राहुल द्रविड़ आईपीएल 2025 में आएंगे नजर, इस टीम के मुख्य कोच बनेंगे



नई दिल्ली। टी20 विश्व कप 2024 जीतने वाली भारतीय टीम के मुख्य कोच रहे राहुल द्रविड़ आईपीएल 2025 में राजस्थान रॉयल्स के मुख्य कोच बने जा रहे हैं। जून में बारबाडोस में भारत की खिताबी जीत के बाद ब्रेक लेने वाले द्रविड़ इस साल के आखिर में होने वाली नीलामी से पहले खिलाड़ियों के रिटैशन जैसे अहम मसलों पर काम करना शुरू करेंगे। एक सूत्र ने बताया, 'बातचीत आखिरी चरण में है और वह जल्दी ही मुख्य कोच का पद संभालेंगे।' पिछले तीन साल से रॉयल्स के क्रिकेट निदेशक पद पर काबिज कुमार सांगकारा इस भूमिका में बने रहेंगे। द्रविड़ 2012 और 2013 में रॉयल्स के कप्तान थे और दो साल मेंटोर भी रहे। इसके बाद वह 2016 में दिल्ली कैपिटल्स से जुड़े और बेंगलुरु में राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी के प्रमुख रहे। द्रविड़ 2021 में एनसीए से निकलकर रवि शास्त्री की जगह भारतीय टीम के मुख्य कोच बने। इस बीच ईएसपीएन क्रिकइन्फो के अनुसार द्रविड़ के कार्यकाल में भारत के बल्लेबाजी कोच रहे विक्रम राठी रॉयल्स के सहायक कोच बन सकते हैं।

आईसीसी टेस्ट रैंकिंग : बाबर आजम पांच साल में पहली बार शीर्ष 10 से बाहर

स्योटर्स डेस्क। पूर्व पाकिस्तानी कप्तान बाबर आजम घरेलू मैदान पर बांग्लादेश के खिलाफ लगातार असफलताओं के बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद को पुरुष टेस्ट बल्लेबाजी रैंकिंग में शीर्ष 10 से बाहर हो गए हैं। दिसंबर 2019 के बाद पहली बार बाबर शीर्ष 10 से बाहर हुए हैं, जब वे 13वें स्थान पर थे। बाबर की गिरावट के बाद शीर्ष 10 में पाकिस्तान के एकमात्र बल्लेबाज मोहम्मद रिजवान हैं।

बांग्लादेश के खिलाफ हाल ही में संपन्न दो टेस्ट मैचों की सीरीज में बाबर आजम चार पारियों में सिर्फ 64 रन बना पाए। घरेलू मैदान पर 2-0 से करारी हार के बाद पाकिस्तान ICC की नई टेस्ट रैंकिंग में 8वें स्थान पर खिसक गया। पिछले कुछ समय से टेस्ट क्रिकेट में बाबर का संघर्ष स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है। उन्होंने दिसंबर 2022 के बाद से कोई शतक नहीं बनाया है और लाल गेंद के प्रारूप में अपनी पिछली 16 पारियों में एक भी अर्धशतक दर्ज करने में विफल रहे हैं।

29 वर्षीय खिलाड़ी की खराब फॉर्म ने पाकिस्तान के घरेलू प्रदर्शन को प्रतिबिंबित किया है, जिसमें टीम बांग्लादेश के खिलाफ पहला टेस्ट मैच 10 विकेट से हार गई, जो टाइटान्स के खिलाफ उनकी पहली टेस्ट हार थी। दूसरे टेस्ट मैच में, पाकिस्तान ने बांग्लादेश को 26/6 पर झकड़कर दिया, लेकिन मौके का फायदा उठाने में असमर्थ रहे जिससे बांग्लादेश ने मैच पर नियंत्रण कर लिया।

बल्लेबाजी चार्ट में इंग्लैंड के जो रूट का दबदबा कायम है। रूट के 922 रैंकिंग पॉइंट हैं, जो दूसरे स्थान पर मौजूद केन विलियमसन से 63 ज्यादा है। रूट के पास अपना खुद का व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ रिकॉर्ड तोड़ने का मौका है जो जुलाई 2022 में भारत के खिलाफ एजबेस्टन में शतक लगाने के बाद हासिल की गई 923 रेटिंग से सिर्फ एक अंक दूर है। श्रीलंका के खिलाफ रूट शानदार फॉर्म में हैं। लॉर्ड्स टेस्ट की प्रत्येक पारी में दो शतकों के साथ रूट ने टेस्ट में सबसे ज्यादा शतकों का नया ऑल-टाइम इंग्लैंड रिकॉर्ड बनाते हुए एलेस्टेयर कुक को पीछे छोड़ दिया। रूट ने अपने अंकों की संख्या 34 तक पहुंचाई।

न्यूजीलैंड के डेविड मिशेल, ऑस्ट्रेलिया के स्टीव स्मिथ और इंग्लैंड के हेरी ब्रूक शीर्ष 5 में शामिल हैं। रोहित शर्मा छठे स्थान पर शीर्ष रैंकिंग वाले भारतीय टेस्ट बल्लेबाज बने हुए हैं, उनके बाद यशवी जायसवाल और विराट कोहली क्रमशः 7वें और 8वें स्थान पर हैं। तीनों भारतीय बल्लेबाजों के पास 19 सितंबर से घरेलू मैदान पर बांग्लादेश के खिलाफ दो टेस्ट मैचों की सीरीज में अपने रेटिंग अंक बढ़ाने का मौका है।

आईसीसी टेस्ट बल्लेबाजी रैंकिंग - 4 सितंबर तक

- जो रूट - 922 रेटिंग अंक
- केन विलियमसन - 859
- डेविड मिशेल - 768
- स्टीव स्मिथ - 757
- हेरी ब्रूक - 753
- रोहित शर्मा - 751
- यशवी जायसवाल - 740
- विराट कोहली - 737
- उमरान खजाजा - 728
- मोहम्मद रिजवान - 720

शरत कमल की निकट भविष्य में संन्यास की योजना नहीं, टूर पर एक और सत्र खेलेंगे



नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के महान टेबल टेनिस खिलाड़ी शरत कमल के पांचवें ओलंपिक में हिस्सा लेने के बाद संन्यास की योजना बनाने की उम्मीद थी लेकिन 42 साल के इस खिलाड़ी ने बुधवार को पेशेवर टूर पर एक और सत्र में खेलने की प्रतिबद्धता जाहिर की। शरत को बुधवार को एशियाई चैंपियनशिप की पुरुष टीम का कप्तान बनाया गया जो अगले महीने अस्ताना में खेले जायेंगे।

पेरिस ओलंपिक में भारत के ध्वजवाहक शरत ने कहा कि वह सात अक्टूबर से शुरू होने वाले एशियाई चैंपियनशिप के लिए कजाखस्तान की यात्रा से पहले इस महीने के अंत में चाइना स्मैश में भी हिस्सा लेंगे। भारत की सर्वश्रेष्ठ 37 रैंकिंग हासिल करने वाले शरत दोहा में 2025 विश्व चैंपियनशिप में खेलने का लक्ष्य भी बनाये हैं। इस अनुभवी खिलाड़ी ने कहा, 'अगले 9 महीने से एक साल तक मैं सक्रिय खिलाड़ी बने रहूंगा। लेकिन साथ ही मैं आईओसी और आईटीटीएफ में विकल्प की तलाश करूंगा। अपने देश में टीटीएफआई के साथ एक ढांचा बनाने में मदद करने की कोशिश करूंगा ताकि साई और टीटीएफआई संतुलन बना रहा हूँ।'

शरत अंतरराष्ट्रीय टेबल टेनिस महासंघ (आईटीटीएफ) के एथलीट आयोग में चुने जाने वाले पहले भारतीय हैं। वह भारतीय ओलंपिक संघ में एथलीट संस्था का भी हिस्सा हैं और निकट भविष्य में वह अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) के एथलीट आयोग में एक सीट हासिल करने का लक्ष्य बनाये हैं। उन्होंने 2028 ओलंपिक में हिस्सा लेने की बात खारिज की लेकिन उनके 2026 एशियाई खेलों में भाग लेने की संभावना है। उन्होंने कहा, 'मैं अगले साल एशियाई खेलों पर फैसला लेना चाहूंगा। ओलंपिक के बाद मेरी फिटनेस ठीक है। मुझे थोड़ा समय भी मिला और चेन्नई में यूटीटी (एल्टीटेड टेबल टेनिस लीग) है। मैं व्यक्तिगत जिंदगी में भी संतुलन बना रहा हूँ।'

शरत अंतरराष्ट्रीय टेबल टेनिस महासंघ (आईटीटीएफ) के एथलीट आयोग में चुने जाने वाले पहले भारतीय हैं। वह भारतीय ओलंपिक संघ में एथलीट संस्था का भी हिस्सा हैं और निकट भविष्य में वह अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) के एथलीट आयोग में एक सीट हासिल करने का लक्ष्य बनाये हैं। उन्होंने 2028 ओलंपिक में हिस्सा लेने की बात खारिज की लेकिन उनके 2026 एशियाई खेलों में भाग लेने की संभावना है। उन्होंने कहा, 'मैं अगले साल एशियाई खेलों पर फैसला लेना चाहूंगा। ओलंपिक के बाद मेरी फिटनेस ठीक है। मुझे थोड़ा समय भी मिला और चेन्नई में यूटीटी (एल्टीटेड टेबल टेनिस लीग) है। मैं व्यक्तिगत जिंदगी में भी संतुलन बना रहा हूँ।'

अब एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी हॉकी खिलाड़ियों बरकरार रखने उतरेगी भारतीय टीम

नई दिल्ली (एजेंसी)। चीन में 8 से 17 सितंबर तक होने वाली एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी हॉकी में अब भारतीय टीम अपना खिताब बनाये रखने उतरेगी। एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी में भारत के अलावा कोरिया, मलेशिया, पाकिस्तान, जापान और नैनबान चीन भी भाग लेंगे। भारतीय हॉकी टीम के कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने कहा कि अब उनकी टीम का लक्ष्य इसमें स्वर्ण जीतकर अपना खिताब बरकरार रखना है। हरमनप्रीत ने कहा कि ओलंपिक पदक से टीम का मनोबल बढ़ा हुआ है पर अब टीम उसी को याद करने की जगह आगे के मुकामबलों पर

ध्यान दे रही है। चैंपियंस ट्रॉफी इसमें भारतीय टीम को 8 सितंबर को चीन से खेलना है। इसके बाद उसे 11 सितंबर को जापान से, 11 सितंबर को मलेशिया, 12 सितंबर को कोरिया और 14 सितंबर को पाकिस्तान का सामना करना है। इस टूर्नामेंट की शीर्ष चार टीमों सेमीफाइनल में खेलेंगी जबकि फाइनल 17 सितंबर को खेला जाएगा। भारत ने अब तक ये चार बार जबकि पाकिस्तान ने तीन बार एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी जीती है। पिछली बार भारत ने मलेशिया को हराकर खिताब जीता था। हरमनप्रीत ने कहा कि हरमनप्रीत ने कहा कि ओलंपिक के

अब वे तरोताजा हो गये हैं। ऐसे में अब टीम की नजरें इस ट्रॉफी पर लगी हैं। हरमनप्रीत ने कहा, 'पेरिस ओलंपिक के बाद ब्रेक समाप्त कर उनकी टीम एशियाई टीमों का मुकामबला करने के लिये तैयार है।' उन्होंने कहा, 'पेरिस ओलंपिक में हमारा प्रदर्शन अच्छा रहा पर हॉकी काफ़ी करीबी खेल है। हम पिछले अच्छे प्रदर्शन के भरोसे नहीं रह सकते, हमें हर बार अपना सर्वश्रेष्ठ खेल दिखाना होगा।' इस ट्रॉफी में इस बार भी भारत को जीत का प्रबल दावेदार माना जा रहा है।

शरत अंतरराष्ट्रीय टेबल टेनिस महासंघ (आईटीटीएफ) के एथलीट आयोग में चुने जाने वाले पहले भारतीय हैं। वह भारतीय ओलंपिक संघ में एथलीट संस्था का भी हिस्सा हैं और निकट भविष्य में वह अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) के एथलीट आयोग में एक सीट हासिल करने का लक्ष्य बनाये हैं। उन्होंने 2028 ओलंपिक में हिस्सा लेने की बात खारिज की लेकिन उनके 2026 एशियाई खेलों में भाग लेने की संभावना है। उन्होंने कहा, 'मैं अगले साल एशियाई खेलों पर फैसला लेना चाहूंगा। ओलंपिक के बाद मेरी फिटनेस ठीक है। मुझे थोड़ा समय भी मिला और चेन्नई में यूटीटी (एल्टीटेड टेबल टेनिस लीग) है। मैं व्यक्तिगत जिंदगी में भी संतुलन बना रहा हूँ।'



एक नजर
पंचकुला में ईट-भट्टे की दीवार गिरने से तीन बच्चों की मौत

चंडीगढ़: पंचकुला जिले के गांव जासपुर में ईट-भट्टे की दीवार गिरने से मलबे में दबकर तीन बच्चों की मौत हो गई, जबकि एक अन्य बच्चा घायल हुआ है। घटना की सूचना मिलने पर चौकी मौली पुलिस ने मौके पर पहुंच कर जांच पड़ताल की। उत्तर प्रदेश के अलीगढ़ जिले निवासी नवाब का परिवार पिछले 15 साल से कमला ईट भट्टे पर काम कर रहा है। बुधवार सुबह करीब 11 बजे मजदूर का परिवार ईट बनाने का काम कर रहा था। उनके पास में ही उनके बच्चे खेल रहे थे। अचानक भट्टे की दीवार गिर गई और चार बच्चे उसके मलबे के नीचे दब गए। घटना के बाद परिजनों ने तुरंत ईट के मलबे में दबे चारों बच्चों को निकाला और नजदीकी अस्पताल लेकर पहुंचे, लेकिन डॉक्टरों ने दो बच्चों को मृत घोषित कर दिया, जबकि एक बच्चे की इलाज के दौरान मौत हो गई। मृतकों की पहचान राफिया (6), मोहम्मद साद (5), जिशन (2) के रूप में हुई है। एक अन्य घायल बच्चे का सिविल अस्पताल में इलाज चल रहा है। डॉ. गौरव प्रजापति ने बताया कि तीन बच्चों को लाया गया। जांच करने पर पता चला कि दो बच्चों की पहले ही मौत हो चुकी थी। घटना के बाद पुलिस चौकी मौली ने मौके पर पहुंचकर आगामी कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस को दिए बयान में नवाब ने बताया कि बच्चे दीवार के पास खेल रहे थे। इसी दौरान दीवार गिर गई, हमने बड़ी मुश्किल से बच्चों को बाहर निकाला। मरने वाले बच्चों में दो उसके हैं और एक दूसरे परिवार का है।

अबुझमाड़ के घोर नक्सल प्रभावित इलाकों में छापेमारी

नारायणपुर/रायपुर: माओवादियों के 20 मार्च 23 को बंद के मामले को लेकर राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने मंगलवार को अबुझमाड़ के घोर नक्सल प्रभावित इलाकों में छापेमारी कर नक्सलियों के शहरी नेटवर्क से जुड़े चार नक्सलियों को गिरफ्तार किया है। इन लोगों पर माओवादी संगठन को रसद सप्लाई करने व अन्य कामों में सहयोग करने का आरोप है। इस मामले में जांच एजेंसी 35 अन्य माओवादियों से भी पूछताछ कर रही है। जांच में औरख में लम्बे समय से घरने पर बैठे माड बवाओ मंच के नेता लखमा कोराम पर माओवादी होने का आरोप है। जानकारी के अनुसार एनआईए की टीम अबुझमाड़ के औरख, करतूरमेटा, मंडाली और मलक गांव में नक्सलियों के सहयोगियों तक पहुंची है। अबुझमाड़ के घोर नक्सल प्रभावित इलाकों में छापेमारी कर नक्सलियों के शहरी नेटवर्क से जुड़े चार लोगों को गिरफ्तार किया है। एनआईए ने एक बयान जारी कर बताया कि मार्च 2023 को सड़क नाकाबंदी मामले के लिए जिम्मेदार सीपीआई (माओवादी) केंद्रों और समर्थकों की तलाश में मंगलवार को नारायणपुर जिले में कई स्थानों पर तलाशी ली गई है।

हिमाचल प्रदेश में सरकारी कर्मचारियों को पांच तारीख को मिलेगा वेतन, 10 को आरपी पेंशन

एजेंसी
शिमला : हिमाचल प्रदेश में लाखों कर्मचारियों एवं पेंशनरों को वेतन व पेंशन न मिलने का मुद्दा गरमाया हुआ है। इस माह की चार तारीख को भी कर्मचारियों एवं पेंशनरों के बैंक खातों में वेतन व पेंशन नहीं पहुंची। यह मसला बुधवार को राज्य विधानसभा के मानसून सत्र में उठा। विपक्षी दल भाजपा ने इस मामले पर सतारूढ़ कांग्रेस की घेराबंदी करते हुए आरोप लगाया कि राज्य में आर्थिक संकट खड़ा हो गया है और कर्मचारियों व पेंशनरों को वेतन व पेंशन के लिए तरसना पड़ रहा है। इस पर मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने सदन में घोषणा की है कि प्रदेश के कर्मचारियों को इस महीने वेतन पांच तारीख और पेंशनसं को



10 तारीख को पेंशन दी जाएगी। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि वेतन व पेंशन को पहली तारीख को बजाय पांच व 10 तारीख को दिए जाने की मुख्य वजह यह है कि राज्य सरकार खर्चों का प्राप्ति के साथ मैपिंग करके वित्तीय संसाधनों का इस्तेमाल विवेकपूर्ण तरीके से

करना चाहती है। प्रदेश सरकार को वेतन व पेंशन की अदायगी हर माह पहली तारीख को करनी पड़ती है जबकि केंद्र सरकार से प्रदेश के हिस्से की रकम बाद में आती है। केंद्र सरकार से राजस्व डिफिस्ट ग्रांट के तौर पर 520 करोड़ की धनराशि छह तारीख और केंद्रीय करों में 740

करोड़ का हिस्सा 10 तारीख को प्राप्त होता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि कर्मचारियों को पहली तारीख को वेतन व पेंशन की अदायगी के लिए प्रदेश सरकार को बाजार से लगभग साढ़े सात फीसदी की दर से अग्रिम ऋण उठाकर अनावश्यक तौर पर ब्याज का बोझ वहन करना पड़ रहा है। सरकार को पहली तारीख को वेतन व पेंशन देने के लिए कर्ज उठाना पड़ता है, जिस पर हर माह तीन करोड़ का ब्याज देना पड़ता है। इस तरह सरकार द्वारा खर्च की रिसिप्ट के साथ मैपिंग करके हर महीने लगभग तीन करोड़ रुपये की राशि बचाई जाएगी। मुख्यमंत्री ने सदन को अवगत करवाया कि प्रदेश में हर माह कर्मचारियों के वेतन पर 1200 करोड़ और पेंशन पर 800

हमारा पहला कदम जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा वापस दिलाना होगा : राहुल गांधी

एजेंसी
जम्मू : कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी आगामी विधानसभा चुनाव प्रचार के लिए बुधवार को जम्मू पहुंच गए हैं। राहुल गांधी ने संगलदान (रामबन) में रैली को संबोधित करते हुए कहा कि वो नफरत फैला रहे हैं और हम मोहब्बत फैला रहे हैं। नफरत को नफरत से नहीं, बल्कि मोहब्बत से हराया जा सकता है। हिन्दुस्तान के इतिहास में पहली बार जम्मू-कश्मीर राज्य का दर्जा छीना गया है। आपको राज्य का दर्जा वापस देना है। यह आपका सिर्फ राज्य नहीं छीना गया, बल्कि आपका अधिकार, आपका धन छीना गया। राहुल गांधी ने कहा कि यह इतनी खूबसूरत जगह है कि मैं अगली मीटिंग के लिए जाना नहीं चाह रहा, आपने फंसा लिया मुझे। मुझे ऐसा लग रहा है मैं अगली मीटिंग



में न जाऊं और यहीं आपके साथ दो-तीन दिन रहूं। राहुल ने कहा कि पहले मोदी जी बड़े-बड़े भाषण देते थे। इस बार संसद में घुसने से पहले उन्होंने सिर पर संधिधान को रखा फिर अंदर गए। राहुल गांधी ने कहा कि आजादी के बाद हमने राजाओं को हटाकर जम्मू-कश्मीर में लोकतांत्रिक सरकार बनाई। हमने देश को संविधान दिया। आज जम्मू-कश्मीर में फिर उपराज्यपाल के

रूप में राजा को बैठा दिया गया है। नाम एलजी है लेकिन काम राजाओं की तरह है। आपका धन आपसे छीनकर बाहर के लोगों को दिया जा रहा है। हमारा पहला कदम जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा वापस दिलाना होगा। हम चाहते थे कि चुनाव से पहले आपको राज्य का दर्जा मिले लेकिन भाजपा ऐसा नहीं चाहती। राहुल गांधी ने बेरोजगारी के मुद्दे पर भाजपा पर हमला बोलते हुए

संदीप घोष के करीबी विरुध्द विश्वास का काकद्दीप सब-डिवीजनल अस्पताल में तबादला

कोलकाता : पश्चिम बंगाल के स्वास्थ्य विभाग ने पूर्व बर्दवान जिले के बर्दवान मेडिकल कॉलेज में अस्पताल के सीनियर रेजिडेंट डॉक्टर डॉ. विरुध्द विश्वास का बुधवार को तबादला कर दिया। पैथालॉजी विभाग में तैनात डॉ. विरुध्द को दक्षिण 24 परगना जिले के काकद्दीप सब-डिवीजनल अस्पताल में उसी पद पर तैनात किया गया है। डॉ. विरुध्द आरजी के मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल के पूर्व प्रिंसिपल संदीप घोष के करीबी माने जाते हैं। संदीप घोष को निलंबित किए जाने के एक दिन बाद यह कार्रवाई हुई है। स्वास्थ्य विभाग के एक सूत्र ने बताया कि किसी डॉक्टर का मेडिकल कॉलेज से उपमंडल अस्पताल में एक ही पद पर तबादला आमतौर पर एक तरह की सजा मानी जाती है। डॉ. विरुध्द के खिलाफ जूनियर डॉक्टरों ने शिकायत की थी।

संक्षिप्त खबरें
महिला एवं बाल विकास मंत्रालय को पोषण ट्रैकर पहल के लिए ई-गवर्नेंस के क्षेत्र में मिला राष्ट्रीय पुरस्कार



नई दिल्ली : महिला एवं बाल विकास मंत्रालय को पोषण ट्रैकर पहल के लिए ई-गवर्नेंस 2024 (स्वर्ण) का राष्ट्रीय पुरस्कार मिला है। यह पुरस्कार सरकारी प्रक्रिया री-इंजीनियरिंग और डिजिटल परिवर्तन के लिए पोषण ट्रैकर पहल को दिया गया है। पोषण ट्रैकर बच्चों के पोषण विकास की वार्षिक समय की निगरानी और मूल्यांकन के साथ बच्चों के लिए एक स्वस्थ भविष्य सुनिश्चित करता है। महिला एवं बाल विकास मंत्रालय ने बुधवार को बताया कि 0-6 वर्ष की आयु के बच्चों के स्वास्थ्य और कल्याण को सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए मिशन पोषण 2.0 ने अपनी मासिक विकास निगरानी पहल - पोषण ट्रैकर के माध्यम से लाखों युवा जीवन के विकास पर नजर रखने में उल्लेखनीय प्रगति की है। पोषण ट्रैकर कार्यक्रम ने विकास के मुद्दों की सफलतापूर्वक पहचान की है और उन्हें संबोधित किया है, जिससे लक्षित हस्तक्षेपों और बेहतर पोषण परिणामों का मार्ग प्रशस्त हुआ है।

पुलिस और सेना का ज्वाइंट ऑपरेशन, कई जिलों से भारी मात्रा में हथियार बरामद



इंफाल : सेना तथा अन्य अर्धसैनिक बलों के अभियान में मणिपुर राज्य के अलग-अलग स्थानों से भारी मात्रा में हथियार और विस्फोटक सामग्री बरामद किये गये हैं। मणिपुर में दो समुदायों के बीच में शुरू हुआ संघर्ष अब धीरे-धीरे उग्रवाद का रूप ले चुका है। सीमा पार से इन उग्रवादियों को हथियार और विस्फोटकों की आपूर्ति की जा रही है। यही वजह है कि प्रत्येक दिन भारी मात्रा में हथियार तथा अन्य विस्फोटक बरामद होने के बावजूद बरामदगी का सिलसिला थम नहीं रहा है। उग्रवादी आम नागरिकों और सुरक्षा बलों को लगातार निशाना बना रहे हैं। मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह ने मंगलवार को ड्रोन से नागरिकों और सुरक्षा बलों पर किए गए हमले को उग्रवादी गतिविधि करार दिया था। सुरक्षा विशेषज्ञों का मानना है कि भारत-म्यांमार सीमा को सील किए जाने से रोकने के लिए उग्रवादी विभिन्न प्रकार से कोशिश कर रहे हैं। सीमा पार से आतंकवादियों को हथियार और विस्फोटक आपूर्ति किए जाने की पुष्टि मिजोरम तथा मणिपुर में इसी दौरान तथा ही हुई है। मणिपुर पुलिस ने आज बताया कि इसी सिलसिले में राज्य के पहाड़ी और घाटी जिलों के सीमांत और संवेदनशील इलाकों में सुरक्षा बलों ने तलाशी अभियान चलाया। इस दौरान कांगपोकपी जिले के मार्क हिल से एक एफ-47 राइफल और मैगजीन, एक एचके-33 राइफल और मैगजीन, एक ट्रिपल बैरल राइफल, एक .22 राइफल, एक बोल्ट एक्शन राइफल, एक 12 इंच सिंगल बोर बैरल राइफल, एक एचई-36 हेंड ग्रेनेड, एक मोटोरोला रेडियो सेट, 10 जिंदा गोला बारूद, 75 फायर किए गए केस, एक टूटी हुई इंसार्स राइफल मैगजीन, एक माचेटे, तीन बुलेटप्रूफ जैकेट, दो काले कपड़े, चार कंबल, एक जंगल बूट, दो बैकपैक बैग, एक ब्लैक रेन केप तथा एक कॉम्बैट कोट बरामद किये गए। एक अन्य तलाशी अभियान के दौरान कांगपोकपी जिले के हराओथेल से दो 2 इंच मोटार एचई वम बरामद किये गये। राज्यभर में सुरक्षा बलों का यह अभियान अभी भी चल रहा है।

नाबालिग का दाम विवाह कर दुष्कर्म करने वाला आरोपी गिरफ्तार



फरीदाबाद : 15 वर्षीय नाबालिक लड़की को बहला फुसलाकर भगाने, फर्जी दस्तावेज बनवाकर बाल विवाह तथा दुष्कर्म करने के मामले में सेंट्रल थाना की टीम ने आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस प्रवक्ता ने बुधवार को बताया कि गिरफ्तार किए गए आरोपी का नाम आदित्य (20) है, जो उत्तर प्रदेश के प्रतापगढ़ जिले का रहने वाला है और फिलहाल फरीदाबाद के सेंट्रल थानाक्षेत्र में रह रहा था। 15 अगस्त 2024 को अपने पड़ोस में रहने वाली एक 15 वर्षीय लड़की को शादी का झांसा देकर बारबार का काम करने वाला आरोपी उसे अपने साथ रायबरेली ले गया, जहां आरोपी की बुआ रहती थी। पीड़ित परिवार की तरफ से 15 अगस्त को ही सेंट्रल थाने में शिकायत दी गई, जिसके आधार पर थाने में अहणर का मुकदमा दर्ज करके लड़की की तलाश शुरू की गई। आरोपी ने रायबरेली में लड़की का फर्जी आधार कार्ड बनाया, जिसमें लड़की की उम्र 18 वर्ष से अधिक दर्शाई गई। इसके बाद आरोपी ने फर्जी आधार कार्ड के आधार पर लड़की से मंदिर में शादी की तथा शादी के बाद उसके साथ दुष्कर्म की वारदात को अंजाम दिया।

पाकिस्तान में शांतिपूर्ण सभा और सार्वजनिक व्यवस्था विधेयक 2024 को मंजूरी

इस्लामाबाद : पाकिस्तान में आंतरिक मामलों पर सीनेट की स्थायी समिति ने मंगलवार को शांतिपूर्ण सभा और सार्वजनिक व्यवस्था विधेयक 2024 को मंजूरी प्रदान कर दी। यह विधेयक शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन और सभा आयोजित करने पर देश में पहला कानून बनाने में मदद करेगा। अध्यक्ष सीनेटर फैसल सलीम रहमान और पीटीआई से संबंधित सीनेटर सैफुल्लाह अदो ने इसका विरोध किया। ड डॉन अखबार की रिपोर्ट के अनुसार, विधेयक को सीनेटर सलीम मांडवीवाला, समीना मुमताज जहरी, इफानुल हक सिद्दीकी, संयद फैसल अली सखवार और उमर फारूक ने पेश किया। प्रस्तावकों ने कहा है कि विधेयक का उद्देश्य इस्लामाबाद क्षेत्र में शांतिपूर्ण सभाओं को विनियमित करना है, जुलूसों ने नागरिकों के जीवन को दरनीय बना दिया है। यह विधेयक राजनीतिक और गैर-राजनीतिक सभाएं आयोजित करने की अनुमति देने की प्रक्रिया को सुव्यवस्थित करेगा। सभाओं के लिए विशिष्ट स्थान निर्धारित करेगा। अदो सभाओं के लिए दंड का भी उल्लेख करेगा। स्थायी समिति को आंतरिक सचिव और इस्लामाबाद के मुख्य आयुक्त मोहम्मद अली रंधावा सहित अन्य अधिकारियों ने सूचित किया कि वर्तमान में सार्वजनिक रैलियों और सभाओं के आयोजन के लिए प्रशासन एनओसी प्रदान करता है।

ओमेक्स ग्रुप ने 2500 करोड़ के निवेश के साथ ओमेक्स स्टेट करेगी लॉन्च

एजेंसी
नयी दिल्ली : भारत के अग्रणी रियल एस्टेट डेवलपर्स में से एक, ओमेक्स ग्रुप ने अपने प्रोजेक्ट द ओमेक्स स्टेट के लॉन्च की घोषणा की है जो स्पॉटर्स, रिटेल, हॉस्पिटैलिटी, फूड और कल्चर के लिए भारत का पहला इंटीग्रेटेड 5-इन-1 प्रोजेक्ट होगा। द्वारका सेक्टर 19-बी, नई दिल्ली में 50.4 एकड़ में फैले इस प्रोजेक्ट को दिल्ली विकास प्राधिकरण के साथ सार्वजनिक-निजी भागीदारी मॉडल के तहत विकसित किया जा रहा है। इसमें 2500 करोड़ रुपये से अधिक का निवेश किया जाएगा। 3.3 करोड़ से ज्यादा की आबादी वाली भारत की राजधानी दिल्ली को लंबे समय से एक विश्व स्तरीय क्रिकेट स्टेडियम का इंतजार है। दुनिया का दूसरा सबसे

परिष्कृत में बदलाव लाएगा। यह महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट दिल्ली में एक बार फिर विश्व स्तरीय खेल आयोजनों को लेकर आएगा। यह प्रोजेक्ट एक अद्वितीय अनुभव प्रदान करते हुए दिल्लीवासियों को शेष दुनिया की तरह खेलेने, खरीदारी करने, खाने और मनोरंजन करने का मौका देगा। ऊपर बताए गए एकीकृत प्रोजेक्ट अपने-अपने देशों या शहरों में सबसे सफल प्रोजेक्ट्स में से हैं जिन्होंने अपने शहरों के विकास में योगदान दिया है। ये स्थानीय लोगों और पर्यटकों के लिए खरीदारी, भोजन, खेल और मनोरंजन की जरूरतों के लिए पसंदीदा स्थान हैं। भारत को वैश्विक मार्नचित्र पर ले जाने के लिए इस प्रोजेक्ट के तहत एक नया स्टेट विकसित किया जा रहा है।

बीजेपी के सदस्यता अभियान को सफल बनाने में संजय बंसल निभा रहे हैं महत्वपूर्ण भूमिका

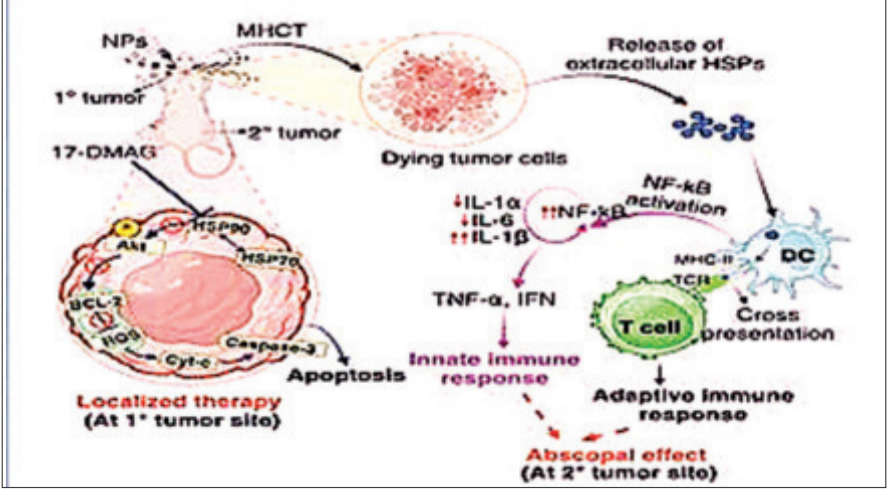


एजेंसी
गाजियाबाद : गाजियाबाद, इंदिरापुरम के जाने माने सामाजिक कार्यकर्ता संजय बंसल, भारतीय जनता पार्टी द्वारा 2 सितंबर से शुरू हुए सदस्यता अभियान को पूर्णतः सफल बनाने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। पार्टी की सदस्यता लेने के पश्चात संजय बंसल ने दोनों उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य और बुजेश पाठक से भेट करके आशीर्वाद प्राप्त किया और पार्टी के नए सदस्य जोड़ने के सघन अभियान में जुट गए। संजय बंसल ने कहा सदस्यता अभियान में

हर वर्ग के लोगों को जोड़ा जाएगा और पार्टी का सदस्य बनाया जायेगा जिससे पार्टी को मजबूती मिलेगी। गाजियाबाद में महानगर अध्यक्ष श्री संजय शर्मा जी के नेतृत्व में 5 लाख से अधिक सदस्य बनाए जाएंगे। इस सदस्यता अभियान को लेकर पूरे क्षेत्र के लोगों में अति उत्साह और खुशी है। लोग बड़ चढ़कर बीजेपी सदस्यता ग्रहण कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि बीजेपी समाज के सभी वर्गों को जोड़कर इतिहास रचेंगी और एक बार फिर विश्व में भाजपा का परम लहराएगा और केंद्र में मोदी सरकार को मजबूती प्रदान करेगा।

कैंसर के इलाज को बेहतर बना सकता है नैनोथेरेपी का विकल्प

एजेंसी
नई दिल्ली : दुनियाभर में कैंसर के बढ़ते मामलों को देखते हुए नई उपचार विधियों की आवश्यकता भी बढ़ रही है। कीमोथेरेपी और सर्जरी जैसे पारंपरिक उपचारों की अपनी सीमाएँ हैं, जिनमें दवा प्रतिरोध और गंभीर दुष्प्रभाव शामिल हैं। इन चुनौतियों से निपटने के लिए नैनोथेरेपी जैसे नवीन उपचार विकसित हो रहे हैं, जिसके कम दुष्प्रभाव हैं। इसी क्रम में शोधकर्ताओं ने प्रभावी चुंबकीय हाइपरथर्मिया-आधारित कैंसर थेरेपी के लिए हीट शॉक प्रोटीन 90 अवरोधक के साथ अल्ट्रा-छोटे चुंबकीय नैनोकणों की



आवश्यक खुराक के संयोजन का उपयोग किया है। यह तकनीक

आवश्यक कीमोथेरेपी खुराक को कम करके उपचार की प्रभावकारिता को महत्वपूर्ण रूप से बढ़ा सकती है, जो एक

सहायक चिकित्सा के रूप में काम करती है जो दुष्प्रभावों को कम करती है। विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के स्वयंस्त संस्थान नैनो विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान, मोहाली के वैज्ञानिकों ने दिखाया है कि एक संयोजन चिकित्सा गर्मी आधारित कैंसर उपचार की प्रभावशीलता में सुधार कर सकती है। इसमें संयोजन रणनीति शामिल है जो चुंबकीय हाइपरथर्मिया-आधारित कैंसर थेरेपी के साथ हीट शॉक प्रोटीन 90 के अवरोधक 17-डीएमएजी का उपयोग करती है। विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय के अनुसार अनुसंधान दल ने प्रदर्शित किया कि एमएनपी, जब एक वैकल्पिक

चुंबकीय क्षेत्र के संपर्क में आता है, तो ट्यूमर से प्रभावी ढंग से मुकाबला कर सकता है। एसीएस नैनो में प्रकाशित विधि कम आक्रामक है और कम दुष्प्रभाव पैदा करती है। मंत्रालय का कहना है कि नई चिकित्सा के नैदानिक अनुप्रयोग को समझने और वैकल्पिक कैंसर चिकित्सा विकसित करने के लिए व्यापक वैश्विक शोध की आवश्यकता है। यह अध्ययन अधिक कुशल और सहनीय कैंसर-विरोधी उपचारों का मार्ग प्रशस्त करता है, लाखों रोगियों को पर्याप्त लाभ प्रदान करता है और हाइपरथर्मिया-आधारित उपचारों के लिए नई दिशाएँ प्रदान करता है।